MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । मंगलवार, 09 जून, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-157

तृण-तृण मूल-मूल

ममता के 28 में से 20 सांसद एनडीए में

कोलकाता, 08 जून (एजेंसियां)। विधायकों के बाद अब तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने भी ममता बनर्जी का साथ छोड़ दिया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, लोकसभा के 28 सांसदों में से 20 ने एनडीए सरकार को समर्थन देने का फैसला किया है।

सांसद और टीएमसी की पूर्व नेता काकोली घोष दस्तीदार ने भी सोमवार को यही दावा किया। उन्होंने बताया कि 20 सांसदों ने एनडीए को समर्थन देने की जानकारी लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को दे दी है। पत्र में टीएमसी के बागी सांसदों से अलग बैठने की भी बात कही गई है।

टीएमसी सांसद शताब्दी रॉय के घर बागी सांसदों की बैठक हुई। इसमें जून मालिया, बापी हलदर, अबू ताहिर खान और असित कुमार मल समेत कई सांसद मौजूद रहे। बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी भी उनके घर सांसदों से मिलने पहुंचे थे।

इससे पहले इनमें से 11 सांसदों ने सोमवार दोपहर केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के बंगाल प्रभारी भूपेंद्र यादव के घर पर मीटिंग की। इस दौरान बंगाल सीएम शुभेंदु अधिकारी भी इनसे मिलने पहुंचे थे। लोकसभा में टीएमसी के अभी 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं। इससे

पहले 3 जून को बंगाल के 80 में से 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं। इस गुट ने ऋतब्रत को अपना नेता बनाया है।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, टीएमसी के 20 सांसदों की रविवार देर रात दिल्ली के एक अज्ञात स्थान पर अनौपचारिक बैठक भी हुई। इसमें सांसदों ने मौजूदा नेतृत्व व्यवस्था को लेकर असंतोष जताया।

सोमवार को इस बैठक की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई। कई टीएमसी सांसद एक मेज के आसपास बैठे दिखाई दे रहे हैं। उस समय एक सांसद के फोटो खींचने पर विवाद भी हुआ। इसमें सुखेंदु शेखर रॉय भी बैठे दिखाई दे रहे हैं।

टीएमसी के वरिष्ठ नेता सुखेंदु शेखर ने आज सुबह ही राज्यसभा सांसद पद से इस्तीफा दे दिया और पार्टी भी छोड़ दी। त्यागपत्र में उन्होंने ममता के 15 साल के अराजक शासन को पार्टी की हार का नतीजा बताया और भाजपा की तारीफ की थी। राज्यसभा के चेयरमैन सीपी राधाकृष्णन ने सुखेंदु शेखर का इस्तीफा मंजूर कर लिया है।

सुखेंदु ने इस्तीफे के बाद मीडिया से कहा था कि पार्टी के कई लोग ममता मनमाने ढंग से पार्टी चला रही थीं, इसी वजह से उन्होंने इस्तीफा दे दिया। उनका कार्यकाल 2029 तक था। अब सीट खाली हो चुकी है, इस पर उपचुनाव कराया जा सकता है।

ऋतब्रत बोले- सुखेंदु की बात काफी हद तक सही

सुखेंदु शेखर के इस्तीफे पर बंगाल में टीएमसी के बागी नेता ऋतब्रत बनर्जी ने कहा कि यह सिर्फ सुखेंदु की निजी बात नहीं है। मैंने सुखेंदु से सीधे बात नहीं की है, लेकिन टीवी पर उनके बयान देखे और सुने हैं। मैं उनकी बातों से सहमत हूं। राज्यसभा के कामकाज को लेकर सुखेंदु की बात काफी हद तक सही है। संसद कोई क्विज खेलने की जगह नहीं है।

उधर, टीएमसी ने बागी नेता ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने के विधानसभा स्पीकर के फैसले को कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनौती दी है। कोर्ट ने तारीख तय नहीं की है।

काकोली घोष ने दावा किया कि वह अभी भी लोकसभा में पार्टी की मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) हैं। उन्होंने कहा कि यह फैसला साथी सांसदों के साथ विचार-विमर्श के बाद लिया गया है। उन्होंने कहा कि सांसदों ने एनडीए के साथ जाने का फैसला किया है। उनका मानना है कि यही जनता के जनादेश के अनुरूप है।

काकोली ने 27 मई को टीएमसी छोड़ दी है, लेकिन सांसद पद से इस्तीफा नहीं दिया था। प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बख्शी को भेजे लेटर में काकोली ने लिखा था कि मानसिक संघर्ष और लंबे चिंतन के बाद यह फैसला लिया है।

महुआ बोलीं- पठान थोड़ी शर्म दिखाइए

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने सोशल मीडिया पर लिखा- साल 2024 में इन सांसदों ने टीएमसी के टिकट पर जीत दर्ज की थी और यह जनादेश एनडीए के लिए बिल्कुल नहीं था। पीली पतलून वाले जितने भी लालची और स्वार्थी गद्दार हैं, वे अब बीजेपी में शामिल हो सकते हैं।

इसके बाद उन्होंने सांसद यूसुफ पठान पर लिखा कि आप दिल्ली इसलिए भाग रहे हैं क्योंकि अमित शाह ने आपको बुलाया है?

थोड़ी हिम्मत दिखाइए, आप भारत के लिए खेले हैं और हमारे जिले ने आपको भारी बहुमत से जिताया है, इसलिए थोड़ी शर्म दिखाइए।

इससे पहले 4 जून को बंगाल के अखबार आनंदबाजार पत्रिका ने दावा किया था कि ममता बनर्जी सौरव गांगुली के जरिए यूसुफ पठान को सांसदी छोड़ने के लिए कह रही थीं। बाद में 6 जून को सौरव और खुद पठान ने स्पष्ट किया कि यह दावा गलत है।

टीएमसी का 'पुष्पा' गिरफ्तार

देश छोड़ने की कोशिश में था जहांगीर

कोलकाता, 08 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने सोमवार को टीएमसी नेता जहांगीर खान को गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी नेपाल बॉर्डर के पास से हुई। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के फालता पुलिस स्टेशन में खान के खिलाफ 7 एफआईआर दर्ज की गई थीं।

वह नेपाल भागने की फिराक में था। अभी बंगाल पुलिस की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। पुलिस जहांगीर को कोलकाता ला रही है।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक जहांगीर को अवैध वसूली करने के आरोप में पकड़ा गया है। हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में पहले यह दावा किया गया था कि जहांगीर के समर्थकों ने महिलाओं को गैंगरेप की धमकी दी थी। इसके कारण उनकी गिरफ्तारी हुई है।

जहांगीर खान रात 8 बजे तक कोलकाता पहुंचेगा, जिसके बाद उसे बंगाल एसटीएफ मुख्यालय ले जाया जाएगा।

चुनाव से पहले मैदान छोड़ा

जहांगीर ने 2026 का विधानसभा चुनाव फालता सीट से लड़ा था। चुनाव के दौरान हुई गड़बड़ियों के कारण यहां 21 मई को दोबारा वोटिंग हुई थी। दोबारा चुनाव से 48 घंटे पहले ही जहांगीर ने मैदान छोड़ दिया था और कहा था कि वे चुनाव से अपना नाम वापस ले रहे हैं। ▶8पर

तेलंगाना पुलिस भर्ती मामले में सुप्रीम सवाल

चरित्र खराब कैसे?

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी एक महत्वपूर्ण टिप्पणी में कहा है कि आपसी सहमति से दो अविवाहित वयस्कों के बीच बने शारीरिक संबंध किसी व्यक्ति के खराब चरित्र का प्रमाण नहीं हो सकते हैं। न्यायाधीश मनमोहन और मनोज मिश्रा की पीठ ने यह टिप्पणी तेलंगाना राज्य स्तरीय पुलिस भर्ती बोर्ड को एक ऐसे उम्मीदवार की नियुक्ति का निर्देश देते हुए की, जिसका पुलिस कांस्टेबल के रूप में चयन एक आपराधिक मामले की वजह से रद्द कर दिया गया था। इस उम्मीदवार पर शादी का झांसा देकर रेप का आरोप लगा था, जो बाद में अदालत के बाहर सुलझ गया था। लेकिन तेलंगाना राज्य स्तरीय पुलिस भर्ती बोर्ड ने उस आरोप को देखते हुए खराब चरित्र का आधार देकर उम्मीदवार की भर्ती को रोक दिया था। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, सहमति से बने दो अविवाहित वयस्कों के बीच शारीरिक संबंध अपने आप में किसी व्यक्ति के चरित्र के खराब होने का आधार नहीं हो सकता है और न ही ऐसा होना चाहिए। ऐसा कोई कानून नहीं है जो सहमति से बने दो अविवाहित वयस्कों को अपनी पसंद का संबंध रखने से रोकता हो। इस मामले में उम्मीदवार ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। सुप्रीम कोर्ट ने उम्मीदवार की ओर से दायर अपील को स्वीकार कर लिया और तेलंगाना उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें बोर्ड को पुलिस कांस्टेबल के पद पर उसकी नियुक्ति पर पुनर्विचार करने का निर्देश दिया गया था। तेलंगाना राज्य स्तरीय पुलिस भर्ती बोर्ड ने उनकी नियुक्ति इस आधार पर रद्द कर दी थी कि उनके खिलाफ 2014 में दर्ज विवाह का वादा करके बलात्कार का मामला दर्ज कराया गया था।

हर रिश्ता शादी में तब्दील नहीं होता

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस उम्मीदवार का अपनी पड़ोसी की महिला के साथ संबंध था। आरोप लगने के बाद दोनों पक्षों के बीच समझौता भी हो गया था। साल 2015 में लोक अदालत में इसका निपटारा भी हो गया था। आईपीसी की धारा 376 के तहत कोई आरोप नहीं लगाया गया था। ऐसे में उस आधार पर उम्मीदवार को भर्ती न करने का फैसला सही नहीं है।

कोर्ट ने कहा, हर रिश्ता शादी में तब्दील नहीं होता। इसलिए, केवल इसलिए कि रिश्ता शादी में तब्दील नहीं हुआ, यह मानने का कोई आधार नहीं है कि एक पक्ष ने दूसरे को धोखा दिया है। इस आधार पर यह भी नहीं कहा जा सकता है कि उस व्यक्ति का चरित्र खराब था।

साथियों ने ऊँगली उठाई -राहुल ने दी सफाई

इंडिया ब्लॉक बैठक में उभरे मतभेद/मनभेद

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां)। दिल्ली में सोमवार को आयोजित इंडिया ब्लॉक की बैठक में विपक्षी एकता के साथ-साथ गठबंधन के भीतर मौजूद मतभेद भी खुलकर सामने आए। सूत्रों के अनुसार, कई सहयोगी दलों ने कांग्रेस के नेतृत्व और गठबंधन के कामकाज के तरीके पर सवाल उठाए। कुछ नेताओं ने चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस नेताओं द्वारा सहयोगी दलों के खिलाफ की गई कथित बयानबाजी तथा समन्वय की कमी पर नाराजगी व्यक्त की।

सूत्रों के मुताबिक, इस मुद्दे को सबसे पहले समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने उठाया, जिसके बाद वामपंथी दलों सहित कई अन्य नेताओं ने भी इसी प्रकार की चिंताएं व्यक्त कीं। कुछ नेताओं ने यह सवाल भी उठाया कि यदि इंडिया ब्लॉक की बैठक वर्ष में केवल एक बार होगी तो प्रभावी राजनीतिक समन्वय कैसे संभव होगा। उन्होंने अधिक नियमित बैठकों की आवश्यकता पर जोर दिया। इस पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन पूरी तरह एकजुट है, लेकिन चुनाव प्रचार के दौरान राज्यों की राजनीतिक परिस्थितियों और स्थानीय नेताओं की राय को भी ध्यान में रखना पड़ता है।

कॉकरोच पर भी हुई चर्चा

सूत्रों के अनुसार, बैठक में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के उभार पर भी चर्चा हुई। कई नेताओं का मानना था कि यह संगठन ऐसे मुद्दे उठा रहा है जो आम जनता के बीच प्रभाव पैदा कर रहे हैं, इसलिए इसके मुद्दों को समर्थन दिया जाना चाहिए।

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके की मराठी पहचान की सराहना करते हुए कहा कि लोकतंत्र में असहमति के लिए हमेशा स्थान होता है, लेकिन अब उस राजनीतिक स्पेस को सीजेपी भर रही है।

उल्लेखनीय है कि सीजेपी नीट पेपर लीक और सीबीएसई रिवैल्यूएशन विवाद को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रही है। इसी मुद्दे को लेकर 7 जून को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन भी किया गया था।

25 विपक्षी दलों ने बनाई साझा रणनीति

लोकसभा चुनाव 2029 से पहले भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ साझा रणनीति तैयार करने के उद्देश्य से 25 विपक्षी दलों के नेता नई दिल्ली में एकत्र हुए। बैठक में राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सभी नेताओं ने खुलकर अपनी बात रखी। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन बैठक में वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए।

हर दो महीने में होगी इंडिया ब्लॉक की बैठक

बैठक में निर्णय लिया गया कि अब इंडिया ब्लॉक की बैठक हर दो महीने में आयोजित की जाएगी। अगली बैठक अगस्त में हैदराबाद में आयोजित करने पर सहमति बनी है, हालांकि अंतिम तिथि बाद में तय की जाएगी।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने बताया कि संसद के मानसून सत्र के दौरान भी विपक्षी दलों के ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33^0
न्यूनतम : 26^0

पिघला लोहा गिरा, 8 मजदूरों की मौत

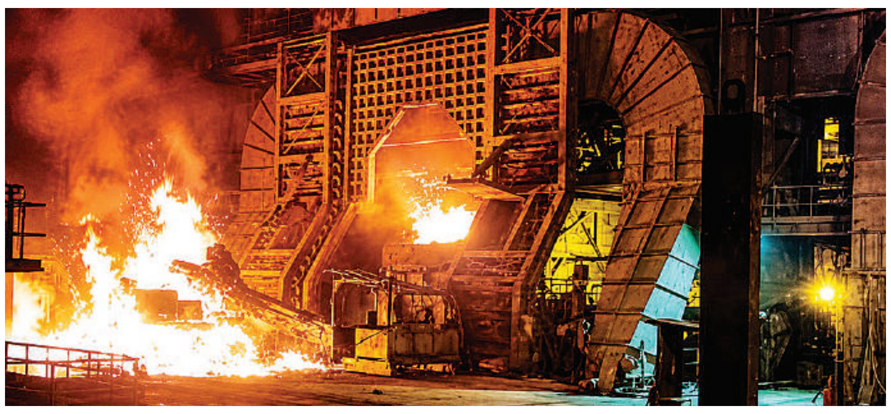

विशाखापट्टनम, 08 जून (एजेंसियां) आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम स्थित स्टील प्लांट में सोमवार को बड़ा हादसा हो गया। प्लांट में करीब 1600c तापमान वाला पिघला हुआ लोहा (मोल्टन आयरन) मजदूरों पर गिर गया। हादसे में 8 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, प्लांट में क्रेन की मदद से एक बड़े बकेट में पिघला हुआ लोहा एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान बकेट का संतुलन बिगड़ गया और उसमें भरा गर्म लोहा नीचे काम कर रहे कर्मचारियों पर गिर गया। हादसा राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) ▶8पर

पीओके हिंसा : 11 की मौत

घरेलू मसला है, दखल मत दो!

मुजफ्फराबाद, 08 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई हिंसक झड़पों में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 70 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक यह हिंसा जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) और क्षेत्रीय सरकार के बीच चल रहे विवाद के दौरान हुई। रिपोर्ट के अनुसार मृतकों में 7 नागरिक और 4 पुलिसकर्मी शामिल हैं। वहीं 23 सुरक्षाकर्मी और करीब 50 प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं। पुलिस ने अब तक 30 लोगों को गिरफ्तार किया है।

पीओके में जेएएसी और सरकार के बीच विधानसभा की 12 आरक्षित सीटों को लेकर विवाद चल रहा है। ये सीटें उन शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं जो जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में जाकर बसे थे। जेएएसी इन सीटों को खत्म करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहा है।

जेएएसी पर बैन , हिंसा भड़की

सरकार ने 5 जून को जेएएसी पर आतंकवाद विरोधी कानून के तहत प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद से इलाके में तनाव लगातार बढ़ रहा है।

रविवार को जेएएसी के कार्यकर्ता संगठन के एक सदस्य की मौत के विरोध में अस्पताल के शवगृह के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। सदस्य की मौत कथित तौर पर पुलिस फायरिंग में हुई थी। पुलिस जब प्रदर्शनकारियों को हटाने पहुंची, तभी झड़प शुरू हो गई और हिंसा फैल गई।

रावलकोट के कमिश्नर सरदार वहीद खान ने रॉयटर्स से कहा कि प्रदर्शनकारियों की गोलीबारी में चार पुलिसकर्मियों और एक राहगीर की मौत हुई। उन्होंने दावा किया कि इसके जवाब में सुरक्षा बलों की कार्रवाई में छह प्रदर्शनकारी मारे गए। ▶8पर

शुष्क इलाके के बीच अचानक प्रकट हो गई थी गैफ्सा झील, वैज्ञानिक भी हैरान

वाशिंगटन

साल 2014 में अफ्रीका के ट्यूनीशिया में स्थित गैफ्सा झील अचानक ही रेगिस्तान के शुष्क और बंजर इलाके के बीच प्रकट हो गई थी, जहां पहले केवल सूखी जमीन, चट्टानें और रेत के टीले ही दिखाई देते थे।

देखते ही देखते यह जगह चर्चा का विषय बन गई और इसे रेगिस्तान की रहस्यमयी झील के नाम से पुकारा जाने लगा। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इस झील के बनने का कोई स्पष्ट और सर्वमान्य कारण शुरुआत में सामने नहीं आया था। वैज्ञानिकों ने कई सिद्धांतों पर विचार किया, जिनमें से एक प्रमुख मत यह था कि किसी भूगर्भीय गतिविधि या जमीन के नीचे मौजूद चट्टानों में अचानक दरार पड़ने के कारण, भूमिगत जल का एक विशाल भंडार सतह पर आ गया होगा, जिससे इस झील का निर्माण हुआ। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों का यह भी कहना था कि लंबे समय से जमीन के नीचे जमा पानी को अचानक बाहर आने का कोई नया रास्ता मिल गया, जिसके परिणामस्वरूप यह झील दिखाई देने लगी।

रेगिस्तान जैसे शुष्क और गर्म इलाके में इतनी बड़ी मात्रा में ताजे पानी का अचानक मिलना अपने आप में एक असाधारण और लगभग अविश्वसनीय घटना थी, जिसने दुनिया भर का ध्यान खींचा। समय के साथ, यह रहस्यमयी झील स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण का केंद्र बन गई। आसपास के निवासी और दूर-दूर से आने वाले पर्यटक यहां तैरने और इस अनूठे प्राकृतिक दृश्य का अनुभव करने आने लगे। हालांकि, वैज्ञानिकों ने इसकी सुरक्षा और पानी की गुणवत्ता को लेकर चिंताएं भी व्यक्त कीं। उनका कहना था कि झील का पानी स्थानीय भूभाग में मौजूद खनिजों और अन्य तत्वों से प्रभावित हो सकता है, जिससे इसकी गुणवत्ता पर सवाल उठते हैं और संभावित स्वास्थ्य जोखिम भी हो सकते हैं। इस सबके बावजूद, इस रहस्यमयी जलाशय ने दुनिया भर में कौतूहल पैदा किया। गैफ्सा झील का रहस्य केवल इसके अचानक प्रकट होने तक ही सीमित नहीं है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि भूमिगत जल का स्रोत, जिससे इसे पानी मिल रहा है, कमजोर पड़ जाए या भूगर्भीय परिस्थितियां बदल जाएं, तो यह झील धीरे-धीरे सिकुड़ सकती है या पूरी तरह से गायब भी हो सकती है। यही कारण है कि इसे एक अस्थायी प्राकृतिक घटना माना जाता है। दुनिया में कई ऐसी झीलें हैं जो मौसम और जलस्तर के अनुसार बनती और खत्म होती रहती हैं, लेकिन रेगिस्तान के बीच बिना किसी पूर्व संकेत के अचानक प्रकट होने वाली गैफ्सा झील का मामला काफी अलग, अनोखा और रोचक है। यह एक ऐसा उदाहरण है जो हमें याद दिलाता है कि हमारी पृथ्वी अभी भी कितने गहरे रहस्य समेटे हुए है।

न्यूज ब्रीफ

दुनिया के 64 फीसदी संसाधनों पर अमेरिका का है नियंत्रण, ट्रंप का दावा- तेल, गैस और कोयला सर्वाधिक अमेरिका के पास

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता और वैश्विक तेल बाजार को लेकर एक बेहद बड़ा और चौंकाने वाला दावा किया है। राष्ट्रपति के आधिकारिक विमान एयर फोर्स वन में मीडिया से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के पास तेल, गैस, कोयला और अन्य प्राकृतिक ऊर्जा संसाधनों का ऐसा असीमित भंडार है, जिसकी तुलना दुनिया का कोई भी अन्य देश नहीं कर सकता। उन्होंने विशेष रूप से वेनेजुएला के साथ सुधरते संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि इस कूटनीतिक सफलता ने अमेरिका की स्थिति को वैश्विक पटल पर अभूतपूर्व रूप से मजबूत कर दिया है। ट्रंप ने दावा किया कि वेनेजुएला के संसाधनों को मिलाकर अब अमेरिका के पास दुनिया के लगभग 64 प्रतिशत ऊर्जा संसाधन मौजूद हैं, जो वैश्विक स्तर पर एक अद्भुत और ऐतिहासिक आंकड़ा है। उन्होंने जानकारी दी कि बड़ी अमेरिकी तेल कंपनियों ने वहां पहले ही अपना काम शुरू कर दिया है, जिससे जल्द ही लाखों बैरल तेल का उत्पादन किया जाएगा। गैसोलीन निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि उनके पास कई रणनीतिक विकल्प खुले हैं, लेकिन अमेरिका की प्राकृतिक संपदा ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकी तेल कंपनियों की उत्पादन क्षमता और वैश्विक बाजार की स्थिति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दुनिया के बड़े विशेषज्ञों को आशंका थी कि भू-राजनीतिक तनाव के चलते कच्चे तेल की कीमतें 300 डालर प्रति बैरल के पार पहुंच जाएंगी, लेकिन अमेरिकी नीतियों के कारण वर्तमान में यह महज 96-97 डालर प्रति बैरल पर टिकी हुई हैं। ईरान का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा कि उसकी स्थिति अब बेहद कमजोर है और वह कभी भी परमाणु हथियार नहीं बना पाएगा। इसके साथ ही उन्होंने स्ट्रेट आफ होर्मुज से होने वाले तेल परिवहन पर बात करते हुए बताया कि अमेरिकी नौसेना की मजबूत उपस्थिति के कारण तेल की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित हो रही है, जिससे वैश्विक बाजार में तेल की कीमतें पूरी तरह नियंत्रण में हैं।

भारत से लौटे नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल अगले सप्ताह चीन दौरे पर जाएंगे

काठमांडू। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल अगले सप्ताह चीन की आधिकारिक यात्रा पर जाने वाले हैं। भारत दौरे से लौटने के बाद उनका चीन भ्रमण तय किया गया है। विदेश मंत्रालय के द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक विदेश मंत्री खनाल 14 जून को चीन के लिए रवाना होंगे। 15 और 16 जून को उनके औपचारिक कार्यक्रम निर्धारित हैं। इस दौरान उनकी चीन के विदेश मंत्री वांग यी और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के विदेश विभाग के प्रमुख लियू हैशिंग से मुलाकात होने की योजना है। अपने दौरे के दौरान विदेश मंत्री खनाल बीजिंग में नेपाली प्रवासी समुदाय के साथ भी संवाद करेंगे। उनका 17 जून को नेपाल लौटने का कार्यक्रम है। विदेश मंत्री के चीन दौरे की तिथि और एजेंडा को लेकर नेपाल के विदेश मंत्रालय की तरफ से आधिकारिक घोषणा 12 जून को की जाएगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोकबहादुर पौडेल क्षेत्री ने कहा कि विदेश मंत्री के भारत यात्रा पर अधिक ध्यान केंद्रित रहने के कारण चीन दौरे की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा नहीं हो सकी। उन्होंने बताया, हम चीनी मित्रों के साथ लगातार संपर्क में हैं। जैसे ही कोई नया विकास होगा, हम औपचारिक जानकारी साझा करेंगे। विदेश मंत्री खनाल 5 जून को भारत यात्रा पर गए थे और 7 जून को काठमांडू लौटे। भारत प्रवास के दौरान उन्होंने भारत के विदेश मंत्री डा एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल तथा भाजपा विदेश विभाग प्रमुख विजय चौथाईवाले सहित कई नेताओं से मुलाकात की थी।

नार्वे के शाही परिवार पर मुसीबत, प्रिंसेस मैरिट की बीमारी खतरनाक स्टेज में पहुंची

ओस्लो। नार्वे के शाही परिवार पर मुसीबत आ गई है, क्योंकि 52 साल के क्राउन प्रिंसेस मेट-मैरिट की बीमारी अब खतरनाक स्टेज पर पहुंच गई है। साल 2018 में उन्हें पल्मोनरी फाइब्रोसिस नामक एक दुर्लभ बीमारी का पता चला था, जो लगातार बढ़ती है और इससे पीड़ित व्यक्ति के फेफड़े धीरे-धीरे काम करना कम कर देते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ओस्लो के विशेषज्ञ डाक्टरों द्वारा कराए गए मेडिकल टेस्ट में सामने आया है कि उनकी हालत पहले से काफी ज्यादा गंभीर है। इसके बाद नार्वे के शाही घराने ने बताया है कि मेट-मैरिट को लंग ट्रांसप्लांट के लिए वेटिंग लिस्ट में शामिल कर लिया गया है। अब उनके लिए किसी उपयुक्त डोनर का इंतजार किया जा रहा है। इसी स्वास्थ्य संकट के कारण, उन्होंने अपने सभी आधिकारिक कार्यक्रम और सार्वजनिक बैठक रद्द कर दी हैं, ताकि वे अपने स्वास्थ्य पर पूरा ध्यान दे सकें। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस अप्रत्याशित संकट का असर उनके पति और नार्वे के भावी राजा क्राउन प्रिंस हाकोन पर भी पड़ा है। वे जापान की अपनी आधिकारिक यात्रा बीच में छोड़कर नार्वे लौट आए हैं ताकि इस मुश्किल घड़ी में अपनी पत्नी के साथ रह सकें। शाही महल के मुताबिक आने वाले महीनों में क्राउन प्रिंस हाकोन अपने कार्यक्रमों और विदेशी यात्राओं को काफी कम कर देंगे, जिससे वे परिवार को अधिक समय दे सकें।

दुनिया की सबसे ऊंची और रहस्यमयी मानव बस्ती सोने की चाह में मौत से आंख-मिचौली खेलते लोग

जिनेवा

यह जगह वैसे तो धरती पर ही मौजूद है, लेकिन इसका वास्ता जमीन से ज्यादा आसमान से है। यहां रहने वालों के लिए हाड़ कंपाने वाली ठंड से भी बड़ी चुनौती हवा है, जहां इंसान को सांस का हर कतरा अंदर खींचने के लिए अपने फेफड़ों को दोगुनी मेहनत करानी पड़ती है। समुद्र तल से 5,100 मीटर की ऊंचाई पर पेरू के एंडीज पर्वतों में बसी इस बस्ती का नाम है ला रिनकोनाडा। यह शहर ला बेला डुरमिएंट (स्लीपिंग ब्यूटी) नामक एक विशाल ग्लेशियर के ठीक नीचे स्थित है, जहां कुदरत के नियम पूरी तरह बदल जाते हैं। इतनी ऊंचाई पर न तो कोई पेड़ उगता है और न ही हरियाली दिखती है; चारों तरफ सिर्फ काले पहाड़ और सफेद बर्फ का साम्राज्य है।विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) जैसी वैश्विक संस्थाओं की रिपोर्ट के अनुसार, इतनी ऊंचाई पर हवा में आक्सीजन की मात्रा मैदानी इलाकों के मुकाबले महज 50 प्रतिशत रह जाती है। इस वजह से यहां की आबादी का एक बड़ा हिस्सा क्रोनिक माउंटेन सिकनेस से पीड़ित है।

आक्सीजन की भारी कमी के कारण लोगों का खून गाढ़ा हो जाता है, जिससे लगातार सिरदर्द, थकान और दिल के दौरे का खतरा बना रहता है। इस जानलेवा माहौल के बावजूद यहां लगभग 30 हजार लोग रहते हैं, जिन्हें यहां छिपा सोने का जादुई लालच खींचकर लाता है। गरीबी से जूझ रहे हजारों लोग अपनी किस्मत माने इन दुर्गम पहाड़ों पर पहुंचते हैं, जिससे टीन की छतों और तिरपाल से बनी यह बस्ती एक शहर में तब्दील हो गई है। यहां खदानों में काम करने वाले मजदूरों को कोई तय पगार नहीं मिलती, बल्कि यहां कैचोरियो नामक एक अनोखा पुराना सिस्टम लागू है। इसके तहत खनिक 30 दिनों तक बिना किसी वेतन के खदान में पसीना बहाते हैं और 31वें दिन उन्हें अपनी पीठ पर लादकर उतना अयस्क (पत्थर और मिट्टी) ले जाने की छूट होती है, जितना वे एक बार में उठा सकें। अगर किस्मत अच्छी रही तो उस पत्थर से सोना निकलता है और वे मालामाल हो जाते हैं, अन्यथा उनकी महीने भर की हाड़-तोड़ मेहनत शून्य हो जाती है।

सुविधाओं के नाम पर इस सबसे ऊंची मानव बस्ती में न तो पक्की सड़कें हैं, न पीने के साफ पानी की पाइपलाइन और न ही सीवेज सिस्टम। लोग ग्लेशियर की बर्फ पिघलाकर पानी पीते हैं। सबसे खतरनाक बात यह है कि सोने को अलग करने के लिए पारे का अंधाधुंध इस्तेमाल होता है, जिससे यहां की जमीन, पानी और हवा में जहर घुल चुका है। इसके अलावा, खदानों में एक अंधविश्वास के कारण महिलाओं का अंदर जाना वर्जित है। वे बाहर जमा देने वाली ठंड में खदान से निकले मलबे को हथौड़े से तोड़कर सोने के बारीक कण तलाशती हैं। इन भयानक परिस्थितियों के बाद भी यहां के लोगों में गजब का भाईचारा है। वे पचमामा यानी धरती माता पर विश्वास रखते हैं, कम आक्सीजन में भी फुटबाल खेलते हैं और इस उम्मीद में जीते हैं कि एक दिन सोना उन्हें इस नर्क से मुक्ति दिलाएगा। भयानक ऊंचाई पर बसे सबसे ऊंची मानव बस्ती ला रिनकोनाडा में पक्की सड़कें नहीं हैं। बर्फ और बारिश से सड़कें कीचड़ में तब्दील हो जाती हैं जो रात में जम कर पत्थर बन जाती हैं। यहां न तो पीने के साफ पानी की पाइपलाइन है, न ही कोई सीवेज सिस्टम। लोग ग्लेशियर की बर्फ पिघलाकर पानी पीते हैं और कचरा घरों के पास ही पहाड़ बनते रहता है। सबसे खतरनाक बात यह है कि सोने को अलग करने के लिए यहां पारा का अंधाधुंध इस्तेमाल होता है। इस कारण यहां की जमीन, पानी और हवा में जहर घुल चुका है। कड़ाके की ठंड, कुपोषण, पारे के धुएं और आक्सीजन की कमी के कारण लोगों को फेफड़ों की गंभीर बीमारियां होती हैं। यहां का जीवन सचमुच हर दिन मौत से आंख मिचौली खेलने जैसा है।

जुगलबंदी से बना घातक स्काई सेब्रे एयर डिफेंस सिस्टम

तेलअवीव

जब दुनिया की तीन महाशक्तियों की सबसे विनाशकारी तकनीकें एक जगह मिल जाएं, तो युद्ध के मैदान में तबाही का ऐसा मंजर पैदा होता है जिसकी कल्पना मात्र से दुश्मन की रूह कांप उठे। ब्रिटेन का नया स्काई सेब्रेएयर डिफेंस सिस्टम कोई साधारण हथियार नहीं है, बल्कि दुनिया की तीन सबसे शातिर ताकतों का एक ऐसा खौफनाक मेल है जो आसमान में दुश्मन के लिए साक्षात यमराज बन चुका है।

इस महा-हथियार के पास हर खतरे को भांप लेने वाली स्वीडन की वो जादुई नजर है जिससे कोई परिंदा भी नहीं छिप सकता, और फैसलों को पलक झपकते ही अंजाम देने वाला इजरायल का वो शातिर व अचूक दिमाग भी है जो हर चक्रव्यूह को तोड़ना जानता है। जब इस त्रिशूल में ब्रिटेन की वो आग उगलती मिसाइल जुड़ती है जो मच 3 की महा-स्पीड से शिकार पर झपटती है, तो फिर दुश्मन का बचना नामुमकिन हो जाता है।

यह सिस्टम जंग के मैदान में किसी भी विरोधी देश के हौसले को मिट्टी में मिलाने की ताकत रखता है। एक साथ 24 लक्ष्यों को अपने रडार के फंदे में फंसाकर यह हवा में ही उनका काल बन जाता है। चाहे दुश्मन कितने ही आधुनिक स्टील्थ फाइटर जेट, क्रूज मिसाइलें या घातक ड्रोन सेना भेज दे, स्काई सेब्रे के अभेद्य जाल को पार करना तो

फार्मूला : इजरायली दिमाग, स्वीडिश नजर, ब्रिटिश मिसाइल

दूर, उसकी तरफ आंख उठाने की हिम्मत भी कोई नहीं कर सकता। तीन देशों की इस जुगलबंदी ने आसमान में सुरक्षा की एक ऐसी अभेद्य दीवार खड़ी कर दी है जो बड़े से बड़े आक्रामक देश के गुरूर को पल भर में जमींदोज करने का माद्दा रखती है।

स्काई सेबर यूनाइटेड किंगडम की ब्रिटिश सेना का सबसे आधुनिक और खतरनाक ग्राउंड-बेस्ड एयर डिफेंस सिस्टम है। इसे दिसंबर 2021 में पुरानी हो चुकी रैपियर मिसाइल प्रणाली को रिप्लेस करने के लिए सेना में शामिल किया गया था। यह सिस्टम इतना सटीक और संवेदनशील है कि आवाज की गति से उड़ने वाली टेनिस बाल के आकार की वस्तु को भी हवा में ढूंढकर नेस्तनाबूद कर सकती है।

इसे खास तौर पर दुश्मन के लड़ाकू विमानों, स्टील्थ फाइटर जेट्स, ड्रोन्स और क्रूज मिसाइलों के सैचुरेशन अटैक यानी एक साथ होने वाले कई हमलों को नाकाम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। तकनीकी रूप से बेजोड़ यह प्रणाली आधुनिक युद्धक्षेत्र की परिभाषा को बदलने की क्षमता रखती है।

चीन ने किया डिफेंस सिस्टम एचक्यू-16एफ का सफल परीक्षण

बीजिंग। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने अपने नए और अत्याधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम एचक्यू-16एफ का सफल परीक्षण किया है। लाइव फायर ट्रायल के दौरान इस मिसाइल प्रणाली ने एक स्टील्थ टारगेट ड्रोन को मार गिराया। सबसे अहम बात यह है कि एचक्यू-16एफ की मारक क्षमता को पहले के मुकाबले लगभग चार गुना तक बढ़ा दिया गया है, जिससे चीन की हवाई सुरक्षा क्षमता में बड़ा इजाफा माना जा रहा है। वहीं, यह भी तय नहीं है कि चीन का यह एयर डिफेंस सिस्टम ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल को इंटरसेप्ट कर सकता है या नहीं। ब्रह्मोस मिसाइल आपरेशन सिंदूर के दौरान चीन के एचक्यू सीरीज के एयर डिफेंस सिस्टम को धता बता चुकी है। चीन ने पाकिस्तान को एचक्यू सीरीज की वायु सुरक्षा प्रणाली ही बेची है। बता दें वियतनाम भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने की योजना बना रहा है। फिलिपींस पहले ही यह मिसाइल खरीद चुका है। अन्य पूर्वी एशियाई देशों ने भी ब्रह्मोस मिसाइल में अपनी गहरी रुचि दिखाई है। ऐसे में दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में बदलते माहौल को देखते हुए चीन बौखलाहट में है।

स्विट्जरलैंड में बन रही दुनिया की सबसे बड़ी भूमिगत बैटरी, ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में नया अध्याय

ज्यूरिख

स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण तकनीक के क्षेत्र में स्विट्जरलैंड ऐतिहासिक परियोजना को आकार दे रहा है। जर्मनी की सीमा के निकट स्थित लाउफेनबर्ग में दुनिया की सबसे बड़ी भूमिगत रेडाक्स फ्लो बैटरी तैयार की जा रही है, जिसे भविष्य की ऊर्जा जरूरतों के लिए एक महत्वपूर्ण समाधान माना जा रहा है। इस परियोजना को फ्लेक्सबेस और इन्विनिटी एनर्जी सिस्टम्स के सहयोग से तैयार किया जा रहा है और इसके पूरा होने के बाद यह वैश्विक ऊर्जा अवसंरचना के लिए एक नया मानक स्थापित कर सकती है। प्रस्तावित बैटरी की क्षमता 2.1 गीगावाट-घंटे होगी, जबकि यह अधिकतम 1.2 गीगावाट बिजली आपूर्ति करने में सक्षम होगी। विशेषज्ञों के अनुसार, इसकी सहायता से करीब 2.1 लाख घरों को पूरे एक दिन तक बिजली उपलब्ध हो सकती है। यह परियोजना विशेष रूप से सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्त्रोतों से उत्पन्न अतिरिक्त बिजली को संग्रहित करने और आवश्यकता पड़ने पर उसे ग्रिड में वापस उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकसित की जा रही है। परियोजना के लिए आर्गौ कैंटन के लाउफेनबर्ग क्षेत्र में करीब दो फुटबाल मैदानों के बराबर क्षेत्रफल और लगभग 27 मीटर गहराई वाला विशाल भूमिगत ढांचा तैयार किया जा रहा है। यह

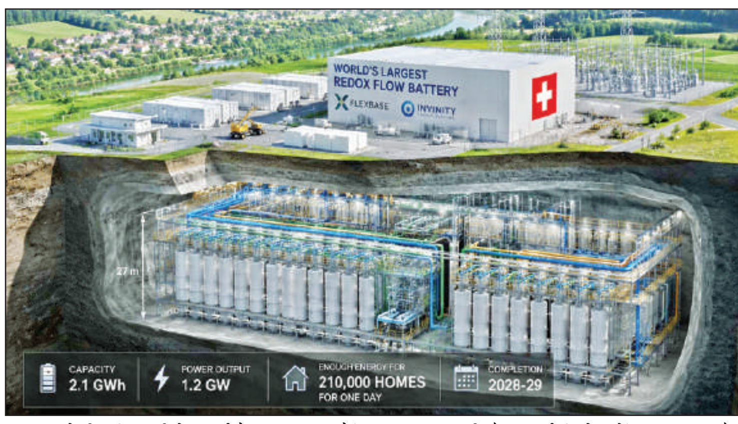

स्थान यूरोपीय बिजली नेटवर्क के एक प्रमुख केंद्र के रूप में भी जाना जाता है, जिससे इसकी रणनीतिक उपयोगिता और बढ़ जाती है। इस बैटरी की सबसे बड़ी खासियत इसकी रेडाक्स फ्लो तकनीक है। पारंपरिक लिथियम-आयन बैटरियों की तुलना में यह तकनीक अधिक सुरक्षित मानी जाती है क्योंकि इसमें तरल इलेक्ट्रोलाइट का उपयोग होता है, जिससे आग लगने का खतरा बेहद कम रहता है। साथ ही इसकी कार्यक्षमता लंबे समय तक बनी रहती है और यह दशकों तक प्रभावी ढंग से ऊर्जा भंडारण कर सकती है। ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में आने वाले उतार-चढ़ाव को संतुलित करने के लिए बड़े स्तर की ऊर्जा भंडारण प्रणालियां भविष्य की आवश्यकता बन चुकी हैं। वर्ष 2028-29 तक पूरी होने वाली यह परियोजना न केवल ऊर्जा व्यापार को मजबूती देगी, बल्कि तेजी से बढ़ रहे एआई आधारित डेटा सेंटरों को भी निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे स्वच्छ, सुरक्षित और भरोसेमंद ऊर्जा व्यवस्था को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

जीस्मो कैप्सूल से पेट की हर जांच अब होगी दर्द रहित

एम्स्टर्डम

बेल्जियम और नीदरलैंड्स के वैज्ञानिकों ने मिलकर जीस्मो नामक एक अत्याधुनिक तकनीक विकसित की है। इस तकनीक से पेट की हर जांच अब दर्द रहित होगी। इतना ही नहीं, इस तकनीक से कैंसर का भी समय से पूर्व पता लगाया जा सकेगा। बस, आपको सिर्फ एक छोटी सी कैप्सूल निगलनी होगी, जो आपके पूरे पाचन तंत्र की निगरानी करेगी। माउथ फ्रेशनर जितनी छोटी एक कैप्सूल में एक माइक्रोचिप, केमिकल सेंसर और एक वायरलेस ट्रांसमीटर लगे हैं। यह कैप्सूल आपकी पूरी पाचन प्रणाली की जांच न केवल दर्द रहित तरीके से कर सकेगी, बल्कि पेट के कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की भी समय रहते पहचान संभव बना सकेगी। यह स्मार्ट कैप्सूल एक बार निगलने के बाद मरीज के पेट और आंतों के भीतर यात्रा करती है। इस यात्रा के दौरान, यह पाचन तंत्र में होने वाले रासायनिक बदलावों की बारीकी से और लगातार निगरानी करती है। इसके विशेष सेंसर हर

बीस सेकंड में एक नई और सटीक रीडिंग लेते हैं, और इस जानकारी को मरीज के शरीर के बाहर लगे एक विशेष रिसीवर को वायरलेस तरीके से भेजते हैं।

इस रियल-टाइम डेटा की मदद से डाक्टर पेट और आंतों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं, जैसे एसिडिटी का स्तर, संक्रमण, अल्सर, सूजन, और यहाँ तक कि कैंसर के शुरुआती सूक्ष्म संकेतों को भी समय रहते पकड़ सकते हैं। इस क्रांतिकारी पहचान प्रणाली से मरीजों का उपचार तुरंत शुरू किया जा सकेगा, जिससे बीमारियों के गंभीर होने से पहले ही उन्हें नियंत्रित किया जा सके। पारंपरिक जांचें जैसे एंडोस्कोपी और कोलोनोस्कोपी अकसर मरीजों के लिए न केवल असुविधाजनक और दर्दनाक होती हैं, बल्कि वे महंगी भी होती हैं और इनमें रिकवरी का समय भी लगता है। लगभग दो दशक पहले विकसित की गई पिलकैम तकनीक एक कैप्सूल थी जो पेट की तस्वीरें तो भेज सकती थी, लेकिन यह पेट के अंदर होने वाली रासायनिक गतिविधियों या विभिन्न गैसों का विश्लेषण नहीं कर पाती थी। जीस्मो कैप्सूल इस कमी को पूरा करता है। यह केवल तस्वीरें ही नहीं, बल्कि जैव-रासायनिक बदलावों की भी लाइव जानकारी प्रदान करता है, जिससे यह पहले से कहीं अधिक प्रभावी और व्यापक जांच उपकरण बन जाता है। यह मरीज को बिना किसी दर्द या असहजता के आंतरिक अंगों की गहरी जानकारी उपलब्ध कराता है। इस अत्याधुनिक तकनीक को व्यावहारिक बनाने में एक और महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपलब्धि ने मदद की है। इटली के वैज्ञानिकों ने दुनिया की पहली रिचार्जेबल और खाने योग्य बैटरी विकसित की है। इस क्रांतिकारी बैटरी को विटामिन बी2, केपर्स फल से मिलने वाले क्वेरसेटिन, एक्टिवेटेड चारकोल, समुद्री घास और मधुमक्खी के मोम जैसी पूरी तरह से प्राकृतिक और खाद्य सामग्रियों से बनाया गया है। इसके साथ ही, वैज्ञानिकों ने टूथपेस्ट में इस्तेमाल होने वाले नीले पिगमेंट की मदद से एक खाने योग्य ट्रांजिस्टर भी तैयार किया है, जो इस स्मार्ट कैप्सूल के संचालन के लिए आवश्यक है। इन अभिनव घटकों के बिना जीस्मो कैप्सूल का निर्माण संभव नहीं था। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तकनीक भविष्य में पेट और आंतों से जुड़ी बीमारियों की पहचान के तरीके को पूरी तरह से बदल सकती है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज छात्र शिक्षा क्षेत्र में चमकेंगे और नवीन तरीकों से समस्याओं को सुलझाने की अपनी विशेष प्रतिभा के लिए पहचान हासिल करेंगे.व्यवसाय क्षेत्र में, आप प्रशंसा प्राप्त करेंगे और अच्छा उत्थान या पदोन्नति भी प्राप्त कर सकते हैं. आपकी लोकप्रियता बहुत बढ़ जाएगी. आपकी आमदनी बढ़ेगी जबकि आपके खर्च घटेंगे. बचत आपके आत्मविश्वास–स्तर को बढ़ावा देगी. आपका पारिवारिक जीवन आरामदायक और सुखद रहेगा. आपका जीवनसाथी के साथ तालमेल बहतर रहेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज रुके हुए काम जल्दी पूरे हो सकते हैं. जो काम आप काफी समय से करने की सोच रहे हैं, वो कर लेंगे. किसी बोझ या अनचाहे साथी से भी आपको छुटकारा मिल सकता है. अचानक इनकम बढ़ेगी. किसी उलझी हुई स्थिति को सुलझाने में आप सफलरहेंगे. अपने प्रेमीजनों की जरूरतों और उनकी बातों को समझने की कोशिश करें. परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज व्यवसाय के सिलसिले में विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है. परिवार में आपके गुणों की प्रशंसा होगी, जिससे आपका मन खुश रहेगा. नयी तकनीक को अपनाने से आपके काम में वृद्धि होगी. आप अपनी कोई बात दोस्तों से शेयर कर सकते हैं. शनिवार का दिन खुद में बदलाव लाने के लिये अच्छा है. आपको आगे बढ़ने के लिए नई योजनाएँ बनानी पड़ सकती है. ब्राह्मण को मिष्ठान भोग अर्पित करें कार्य सिद्धि होगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ऑफिस में उच्च पदाधिकारियों द्वारा काम की सराहना होगी और वे आपके प्रेरणा स्रोत बनेंगे. आपकी शोहरत बढ़ेगी और आप आसानी से दूसरे लिंग के लोगों को अपनी तरफ़ आकर्षित करेंगे. नशीले पदार्थों का सेवन ना करें. आपको इससे काफी नुकसान हो सकता है. साथ ही देर रात में वाहन ना चलाएं. दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी. आपको अपने पार्टनर के प्रति वफादार रहने की जरूरत है.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन आपके लिए कुछ परेशानी वाला हो सकता है.नौकरी पेशा जातकों के लिए के लिए यह समय मुश्किल भरा हो सकता है . आर्थिक पक्ष में गिरावट संभव है . आपके जीवनसाथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उन्हें चिकित्सकीय देखरेख की जरूरत हो सकती है. सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है. प्रेम संबंधन को बहुत ही सावधानी और समझदारी से निभाने की जरुरत होगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

परेशान लोगों को कुछ राहत मिल सकती है. धन की बचत करने में सफल रहेंगे. अपनी कोशिशों के दम पर सही समय पर सही जगह आप मौजूद रहेंगे और इससे आपके रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं. घर–परिवार या पड़ोस में कोई कठिन परिस्थिति बने तो सकारात्मक रहें.दाम्पत्य जीवन में सुख मिलेगा. शादी लायक लोगों को आज ऑफर मिल सकते हैं. लोग आपकी सलाह मानेंगे. आज आप थोड़ा संतुलित व्यवहार रखें.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप अपने जीवन को और बेहतर बनाने के लिए अग्रसर रहेंगे. ऑफिस में आप किसी तरह की राजनीति में उलझ सकते हैं. इससे आपका कुछ समय खराब हो सकता है. घर में नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे आपका मन खुश रहेगा. ऑफिस में काम की अधिकता थोड़ी ज्यादा हो सकती है. आज आप दोस्तों के साथ समय बितायेंगे. उनके साथ किसी नए विषय पर बातचीत कर सकते हैं। देवमंदिर मे दीपक प्रज्वलित करें , आपका दिन बेहतर गुजरेगा.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन शुरू किया गया निर्माण का कार्य संतोषजनक रूप से पूरा होगा. आज आपका जीवनसाथी आपकी सेहत के प्रति असंवेदनशील हो सकता है. आप अपने परिजनों से मिलने जाएंगे. यह मुलाकात काफी लंबे समय बाद हो रही है. इससे आप बहुत ही खुश होंगे. आकस्मिक यात्रा हो सकती है. आर्थिक पक्ष मजबूत होगा.पारिवारिक यात्रा का माहौल बनेगा, अपनी सामर्थ्य अनुसार गौसेवा करें मानसिक शान्ति मिलेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

छात्रों को सामान्य से अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, फिर भी वे अपने निरंतर प्रयासों से सफलता प्राप्त कर सकते हैं. आपको अध्ययन के प्रति अपने दृष्टिकोण में अधिक ध्यान केंद्रित होना होगा. यदि आप नई नौकरी की तलाश कर रहे हैं, तो आपके रास्ते में बहुत सारे अवसर हो सकते हैं और यहां तक कि चुनने के लिए विकल्प भी हो सकते हैं. महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए दूसरों पर निर्भर रहना आपको परेशानी में डाल सकता है. परिवार की महिला सदस्य को स्वास्थ्य तकलीफ दे सकता हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

घर पर ज्यादा समय देना पड़ेगा. आपको जरूरत पड़ने पर परिवार के लिए कुछ त्याग भी करना पड़ सकता है. प्रेम संबंधों के लिए अच्छा समय है. दिन भी अच्छा रहेगा. सुख मिलेगा. सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं. सेहत अच्छी रहेगी. कोई ऐसी बात आपके सामने आ सकतीहै जिससे आपको भविष्य में होने वाले फायदे का संकेत मिल सकता है. किसी भी मामले को गंभीर होकर निपटा लें. कोई टेंशन भी जल्दी खत्म हो सकती है. मन में उत्साह रहेगा.

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

करियर के मामले में आपको बड़ी सफलता मिलेगी. कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ के अवसर मिलेंगे. आप ऐसे लोगों के साथ जुड़ेंगे, जो आपकी हर तरह से मदद के लिये तैयार रहेंगे. आपके सगे–संबंधी आर्थिक रूप से आपकी मदद के लिए तैयार रहेंगे. बिजनेसमैन को बेहतर अपॉर्चुनिटिज़ मिलेगी. आपके परिवार में ख़ुशी का माहौल रहेगा. साथ ही घर के सदस्यों का सहयोग मिलेगा. आपका कोई जरुरी काम पूरा होगा. देवी मंत्र का स्मरण जप पाठ करें

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपका या परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है. मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है. यात्रा आपके लिए आनन्द दायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी. पारिवारिक जीवन में अब तक का सबसे सुनहरा पल देखने को मिलेगा. किसी भी प्रकार के अनैतिक कार्यों से दूर रहने की गणेशजी सलाह देते हैं. ध्यान और आध्यात्मिकता मन को शांति प्रदान करेंगे. मेहनत करें भाग्य बदल जाएगा. समय रहते कार्य पूरा करें.

आज का पंचांग

दिनांक : 09 जून 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ , कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 02:37 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपद प्रातः 09:40 तक
योग : प्रीति प्रातः 08:17 तक
करण : तैतिल सायं 03:08 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:49 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:45 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:38 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:39 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक चालू है , अधिक मास चालू है

❋ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❋

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सन्मार्ग वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन की राज्य अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों की वर्चुअल बैठक सम्पन्न

संगठन विस्तार, राष्ट्रीय डायरेक्टरी निर्माण और सामाजिक सेवा गतिविधियों के विस्तार पर हुआ मंथन

हैदराबाद, 08 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। सन्मार्ग वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन (डब्ल्यूबीएफ) के राष्ट्रीय नेतृत्व के मार्गदर्शन में 7 जून 2026 को राज्य अध्यक्षों एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक का सफल आयोजन किया गया। बैठक में देश के विभिन्न राज्यों से जुड़े पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता की। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को सुदृढ़ बनाना, राज्यों एवं जिलों के बीच समन्वय बढ़ाना तथा सामाजिक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों का विस्तार करना रहा।

बैठक की अध्यक्षता फेडरेशन के चेयरमैन पंडित शशिकांत शर्मा ने की। उन्होंने सभी राज्यों में संगठनात्मक गतिविधियों की गति बढ़ाने पर बल देते हुए जिला स्तर पर समितियों के गठन एवं सुदृढ़ीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि कोई पदाधिकारी किसी कारणवश सक्रिय रूप से कार्य करने में असमर्थ हो तो संगठनात्मक कार्यों की निरंतरता बनाए रखने के लिए वैकल्पिक प्रभारी नियुक्त किया जाए।

उन्होंने राष्ट्रीय डायरेक्टरी तैयार करने तथा संगठन की गतिविधियों को सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक स्तर पर प्रचारित करने का भी आह्वान किया।

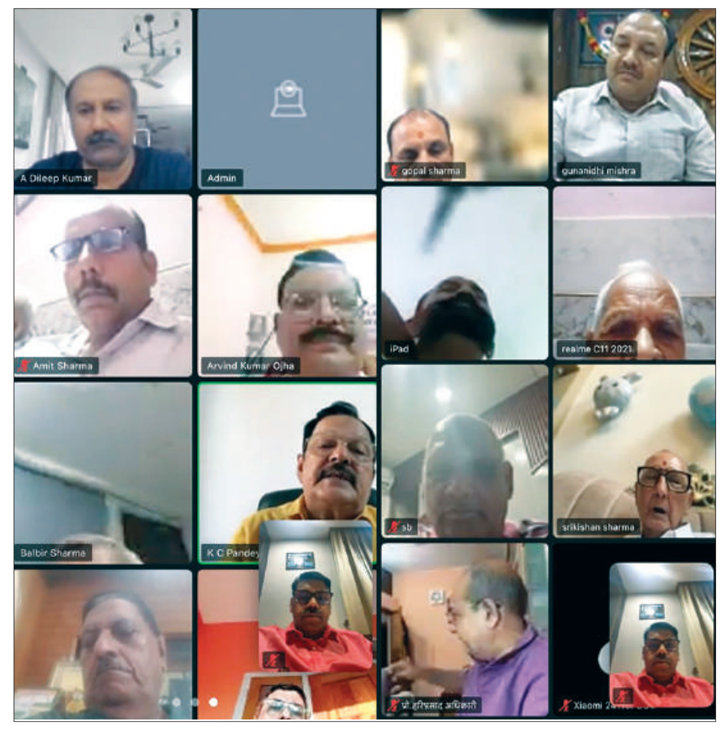

सामाजिक सेवा और रोजगार सृजन पर विशेष जोर

फेडरेशन के वाइस चेयरमैन पंडित सुखबीर शर्मा ने अपने सामाजिक कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि वे अपने वेतन का 50 प्रतिशत समाज सेवा के लिए समर्पित करते हैं। उन्होंने 1100 कन्याओं के कन्यादान तथा 10 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने जैसे उल्लेखनीय कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने राष्ट्रीय डायरेक्टरी निर्माण में पूर्ण सहयोग देने तथा रोजगार सृजन के लिए कार्य एवं अनुबंध उपलब्ध कराने की इच्छा भी व्यक्त की।

संगठन के चार विज़न पर विस्तार से हुई चर्चा

बैठक का सफल संचालन राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित के. सी. पांडेय ने किया। उन्होंने सभी राज्य इकाइयों से आपसी समन्वय, संगठनात्मक एकता और सक्रिय भागीदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

अपने संबोधन में उन्होंने वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन के चार प्रमुख विज़न ब्राह्मण गौरव, राजनीतिक सोच, शैक्षिक सोच एवं आर्थिक सोचपर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने प्रदेश अध्यक्षों से आग्रह किया कि संगठन के सभी कार्यक्रमों में इन चारों विज़न का समावेश सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने कहा कि यदि भारत को विकसित देशों की श्रेणी में स्थान प्राप्त करना है तो समाज और राष्ट्र दोनों को मेरिट आधारित व्यवस्था को प्राथमिकता देनी होगी। राष्ट्रीय महासचिव पंडित विनोद पांडेय ने सभी राज्यों से जिला समितियों एवं सदस्यों का विस्तृत विवरण उपलब्ध कराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सदस्य एवं पदाधिकारी का नाम, मोबाइल नंबर, व्यवसाय, पता एवं ई–मेल आईडी सहित संपूर्ण विवरण राष्ट्रीय स्तर पर संकलित किया जाएगा।

उन्होंने संगठन की गतिविधियों को डिजिटल एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नियमित रूप से प्रदर्शित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों ने साझा किए अनुभव

बैठक के दौरान विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों ने अपने–अपने क्षेत्रों की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी साझा की।

हरियाणा के जनरल सेक्रेटरी पंडित सुरेन्द्र मोहन वत्स ने राज्य की संगठनात्मक गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया। तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष पंडित गोपाल शर्मा ने बताया कि राज्य में लगभग 50 सदस्यों की सक्रिय समिति गठित की जा चुकी है तथा नियमित रूप से कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। तेलंगाना अध्यक्ष पंडित श्रीकिशन शर्मा ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।पंजाब अध्यक्ष पंडित के. के. शर्मा ने जरूरतमंद परिवारों को राशन वितरण, विद्यार्थियों की फीस में सहयोग तथा युवाओं को रोजगार दिलाने के प्रयासों की जानकारी दी। दिल्ली अध्यक्ष पंडित बलबीर शर्मा ने जिला स्तर पर संगठनात्मक प्रमुख नियुक्त करने का सुझाव दिया तथा हाल के महीनों में आयोजित दो सफल कार्यक्रमों की जानकारी साझा की।

असम अध्यक्ष पंडित सुनील गोस्वामी, पूर्वी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पंडित हरि प्रसाद अधिकारी, राजस्थान अध्यक्ष पंडित सज्जन कुमार, छत्तीसगढ़ अध्यक्ष पंडित अरविंद कुमार ओझा, कर्नाटक अध्यक्ष पंडित दिलीप कुमार, झारखंड अध्यक्ष पंडित प्रदीप शर्मा, हिमाचल प्रदेश अध्यक्ष पंडित विजय शर्मा तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पंडित खेमपाल शर्मा ने भी अपने–अपने राज्यों में संगठन विस्तार एवं सामाजिक गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की।

पंडित गुणिधि मिश्रा ने संगठन की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जबकि पंडित अमित शर्मा ने भविष्य की योजनाओं के लिए अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

जमीनी स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प

बैठक का समापन इस सामूहिक संकल्प के साथ हुआ कि वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन को जमीनी स्तर तक सशक्त बनाया जाएगा, सामाजिक सेवा एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों का विस्तार किया जाएगा, डिजिटल माध्यमों से संगठन की पहुंच बढ़ाई जाएगी तथा राष्ट्रीय डायरेक्टरी निर्माण का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाएगा।सभी राज्य इकाइयों ने संगठन के सामाजिक सेवा, सशक्तिकरण एवं ब्राह्मण समाज की एकता के मिशन को आगे बढ़ाने हेतु मिलकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

आंध्र प्रीमियर लीग (एपीएल)–2026 के लिए मंच तैयार

आज से 30 जून तक विशाखापत्तनम कडप्पा और मंगलगिरी में होंगे मैच

विजयवाड़ा, 08 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।. आंध्र प्रदेश के क्रिकेट इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय जोड़ने और राज्यभर में क्रिकेट का उत्साह बढ़ाने के लिए मआंध्र प्रीमियर लीग (एपीएल)–2026फ के आयोजन की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) के सचिव और राज्यसभा सदस्य साना सतीश बाबू ने रविवार को विजयवाड़ा स्थित एसीए कार्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। इस दौरान उनके साथ एसीए अध्यक्ष केशिनेनी शिवनाथ (चिन्नी) भी मौजूद थे।

तीन शहरों में सजेगा क्रिकेट का महाकुंभ

इस वर्ष एपीएल को किसी एक क्षेत्र तक सीमित न रखकर तीन प्रमुख शहरों विशाखा–पत्तनम, कडप्पा और मंगलगिरी में आयोजित किया जा रहा है। टूर्नामेंट का शेड्यूल इस प्रकार है:

9 से 14 जून: विशाखापत्तनम, 17 से 21 जून: कडप्पा, 24 से 30 जून: मंगलगिरी

इस टूर्नामेंट में कुल सात टीमें हिस्सा ले रही हैं। आयोजन को और अधिक भव्य बनाने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

युवाओं के सपनों को मिलेगी उड़ान

एसीए सचिव ने कहा कि एपीएल राज्य के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के युवा क्रिकेटरों के लिए एक बेहतरीन मंच साबित हो रहा है। हमारा मुख्य उद्देश्य स्थानीय खिलाड़ियों को प्राथमिकता देना और उन्हें राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाना है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि गुंटूर के युवा क्रिकेटर शेख रशीद का मइंडिया–एफ टीम में चयन होना, राज्य में क्रिकेट के विकास का एक बड़ा प्रमाण है।

स्कूली छात्रों के लिए मुफ्त प्रवेश

छात्रों में खेल के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए सरकारी स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों को मुफ्त पास दिए जाएंगे। मैचों का शेड्यूल शैक्षणिक संस्थानों को पहले ही भेज दिया जाएगा ताकि छात्र स्टेडियम आकर लाइव मैच का आनंद ले सकें।

भविष्य का क्रिकेट हब बनेगा मंगलगिरी

विशाखापत्तनम, कडप्पा और मंगलगिरी के स्टेडियमों में अंतरराष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। फ्लड लाइट (दूधिया रोशनी) में होने वाले ये मैच दर्शकों को एक नया अनुभव देंगे। एसीए का लक्ष्य भविष्य में मंगलगिरी को राज्य के मुख्य क्रिकेट केंद्र के रूप में विकसित करना है।

खेल के साथ दिखेगी संस्कृति की झलक

इस बार एपीएल सिर्फ एक क्रिकेट टूर्नामेंट नहीं, बल्कि आंध्र प्रदेश के सांस्कृतिक उत्सव के रूप में नजर आएगा। दर्शकों के मनोरंजन के लिए मैच के दौरान तोलुबोमलता (कठपुतली नृत्य), कोलाट्टम, स्थानीय लोक कलाओं और संगीत व फिल्मी कार्यक्रमों का विशेष आयोजन किया जाएगा।

लाइव प्रसारण और मीडिया कवरेज

दुनियाभर में मौजूद तेलुगु क्रिकेट प्रशंसक इस टूर्नामेंट का सीधा प्रसारण मजियो स्टार स्पोर्ट्सफ पर देख सकेंगे।

एसीए अध्यक्ष और सचिव ने मीडिया, खेल प्रेमियों और आम जनता से अपील की है कि वे भारी संख्या में आकर इन उभरते हुए खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाएं और इस आयोजन को सफल बनाएं। उनके अनुसार, एपीएल–2026 सिर्फ एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि आंध्र के युवाओं के सपनों को उड़ान देने और राज्य के खेल भविष्य को मजबूत करने की एक मजबूत नींव है।

भंडारू ने वेंकैया नायडू से की शिष्टाचार भेंट

राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 8 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पूर्व राज्यपाल भंडारू दत्तात्रेय ने पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू से शिष्टाचार भेंट की। दोनों वरिष्ठ नेताओं के बीच यह मुलाकात बेहद सौहार्दपूर्ण और आत्मीय माहौल में संपन्न हुई।

बैठक के दौरान दोनों अनुभवी और वरिष्ठ राजनेताओं ने राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न मुद्दों, जनसेवा और समसामयिक विकास से जुड़े घटनाक्रमों पर अपने विचार साझा किए। दोनों नेताओं ने देश की वर्तमान स्थिति और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कई अहम बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की।

इस विशेष मुलाकात के दौरान श्री भंडारू दत्तात्रेय जी ने श्री वेंकैया नायडू गारू द्वारा राष्ट्र के प्रति दिए गए अमूल्य योगदान के लिए अपना गहरा सम्मान और आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने और भारतीय मूल्यों को बढ़ावा देने में श्री नायडू की अनुकरणीय भूमिका की सराहना की।

यह उच्च स्तरीय बैठक बेहद गर्मजोशी भरे माहौल में आयोजित की गई, जो दोनों नेताओं के बीच दशकों पुराने संबंधों, दीर्घकालिक जुड़ाव और आपसी सम्मान को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। दोनों नेताओं ने एक–दूसरे के कुशलक्षेम की कामना की और देश के विकास में निरंतर मार्गदर्शन देने की प्रतिबद्धता दोहराई।

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

पेद्दापल्ली, 08 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला राजस्व अधिकारी (डीआरओ) राजेश्वरी ने संबंधित अधिकारियों को जनसुनवाई में प्राप्त याचिकाओं का शीघ्र निस्तारण करने तथा सार्वजनिक सुनवाई के दौरान प्राप्त आवेदनों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी आवेदन को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए और निर्धारित समय में उसका समाधान सुनिश्चित किया जाए।

सोमवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान जिला राजस्व अधिकारी राजेश्वरी ने एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट (इंटीग्रेटेड डिस्ट्रिक्ट कलेक्ट्रेट) में आम नागरिकों से आवेदन प्राप्त किए और संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

पेद्दापल्ली शहर के नल्ला पोचम्मा वाड़ा निवासी एम.डी. शबाना ने डबल बेडरूम आवास उपलब्ध कराने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। इस पर डीआरओ ने कार्यपालन अभियंता (ईई) आवास विभाग को पत्र लिखकर आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

श्रीमद्भागवत महापुराण कथा में गूंजा गोपीगीत का भावमय रस

हैदराबाद, 08 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेगम बाजार स्थित रंगीन तालीम के पास श्री गोपाल मानसिंह चौधरी द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का शुभारंभ 1 जून 2026 को हुआ था। कथा के छठे दिन परम पूज्य पंडित सुखेन्द्र शास्त्री जी महाराज के श्रीमुखारविंद से प्रवाहित दिव्य कथामृत का श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ रसास्वादन किया। कथा स्थल पर भक्ति, ज्ञान और धर्म की अद्भुत गंगा प्रवाहित होती रही।

कथा के दौरान गोपीगीत का अत्यंत मार्मिक एवं भावपूर्ण वर्णन किया गया। पंडित सुखेन्द्र शास्त्री जी महाराज ने बताया कि गोपियों का भगवान श्रीकृष्ण के प्रति निष्काम, अनन्य एवं पूर्ण समर्पित प्रेम ही सच्ची भक्ति का स्वरूप है। उन्होंने कहा कि भक्त और भगवान के बीच का संबंध प्रेम, समर्पण और श्रद्धा पर आधारित होता है, जिसका श्रेष्ठ उदाहरण गोपियों का कृष्ण प्रेम है।

इसके उपरांत भगवान श्रीकृष्ण एवं बलराम जी के महर्षि संदीपनि मुनि के आश्रम में शिक्षा ग्रहण करने के प्रसंग का वर्णन किया गया। कथा में बताया गया कि भगवान स्वयं भी गुरु के चरणों में जाकर शिक्षा प्राप्त करते हैं। इस प्रसंग के माध्यम से गुरु के सम्मान, उनकी आज्ञा के पालन तथा शिक्षा के महत्व का संदेश दिया गया।

इसके पश्चात भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अत्याचारी कंस के वध का प्रेरणादायी प्रसंग सुनाया गया, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं को धर्म की विजय और अधर्म के विनाश का संदेश दिया।

कथा के अंतिम चरण में श्री रुक्मिणी विवाह महोत्सव का अत्यंत सुंदर एवं मनोहारी वर्णन किया गया। महाराज श्री ने बताया कि रुक्मिणी विवाह से हमें दृढ़ संकल्प, अटूट विश्वास और लक्ष्य के प्रति समर्पण का जीवनोपयोगी संदेश प्राप्त होता है।

इस अवसर पर श्री गोपाल मानसिंह चौधरी, श्री हीरालाल चौधरी, श्री साईराज, श्री ऋतेशराज, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्री एन. के. सिंह, श्री मनोहर सिंह, श्री गजानंद चौधरी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्तगण उपस्थित रहे। पूरे कथा परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया।

उज्जैन का महाकालेश्वर मंदिर टाले अकाल मृत्यु और दिलाए मोक्ष

दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग- शंकर जी का यह अनोखा मंदिर अन्य प्रमुख 12 ज्योतिर्लिंगों में एक मात्र दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग है। शास्त्रों के अनुसार कहा गया है कि दक्षिण दिशा के स्वामी स्वयं भगवान यमराज हैं। तभी जो भी व्यक्ति इस मंदिर में आ कर भगवान शिव की सच्चे मन से प्राथर्ना करता है, उसे मृत्यु उपरांत यमराज द्वारा दी जाने वाली यातनाओं से मुक्ति मिलती है।

अकाल मृत्यु टालते हैं शिव जी-देश-दुनिया से काफी लोग यहां पर इसलिये भी दर्शन करने आते हैं कि जिससे वे अपनी अकाल मृत्यु को टाल सकें और सीधे मोक्ष को प्राप्त कर सकें।

सारी इच्छा करते हैं पूरी- भगवान शिव अपने भक्त की सारी इच्छाएं पूरी करते हैं। अगर आपको अपनी मनोकामनाएं पूरी करनी है तो यहां आ कर एक बार दर्शन जरुर करें, जिससे आपको धन, धान्य, निरोगी शरीर, लंबी आयु, संतान आदि सब कुछ प्राप्त हो।

पृथ्वी का केंद्र हैं महाकाल- कुछ विद्वानों का यह भी मत है कि महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग ही संपूर्ण पृथ्वी का केंद्र बिंदु है और संपूर्ण पृथ्वी के राजा भगवान महाकाल यहीं से पृथ्वी का भरण-पोषण करते हैं।

गाय के कंडे से होती है भस्मार्ती-यहाँ पहले महाकाल की भस्म आरती में ताजा मुर्दे की भस्म का ही प्रयोग होता था, किन्तु महात्मा गांधी के आग्रह के पश्चात शास्त्रीय विधि से निर्मित उपल-भस्म से भस्मार्ती होने लगी।

हनुमान जी के गुणों से आलोकित करें जीवन

मनोजवं मारुत तुल्यवेगंए जितेन्द्रियं बुद्धिमना वरिष्ठम।
वातात्मजं वानरयूथ मुयंएश्रीरामदूतं शरणं प्रपद्ये॥

यदि हम खुद को हनुमान जी का सच्चा भक्त मानते हैं, तो हमें ऐसे महान चरित्र के चारित्रिक गुणों के प्रकाश से स्वयं को प्रकाशित करने का प्रयास करना चाहिए।

उक्त श्लोक द्वारा हमें सर्वतोमुखी शक्ति के प्रतीक हनुमान जी का यथार्थ चित्रण मिलता है की कैसे वे शरीर के साथ-साथ मन से भी अपार बलशाली थे एवं उन्होंने वासना को जीत लिया था। वे जितेन्द्रिय थे और बुद्धिमानों में भी श्रेष्ठतम थे। यह एक निर्विवाद तथ्य है कि भारत के लोगों के मन में हनुमान जी का चरित्र उनकी ईश्वर भक्ति, ईश्वर सेवा और ईश्वर के प्रति वफादारी के कारण बहुत ही प्रसिद्ध है। और इसलिए ही यहां के अधिकतर घरों में उनकी मूर्ति प्रतिदिन पूजी जाती है और देश के कोन-कोने में भी उनके अनगिनत मंदिर बने हुए हैं। जन के दिलों में स्थान पाने वाले हनुमान जी की पूजा-अर्चना करना उनके प्रति हमारी श्रद्धा का एक पहलू है, लेकिन उनके चारित्रिक गुणों से प्रेरणा लेना व उनके गुणों को जीवन में आत्मसात करना सर्वथा दूसरा पहलू है।

अत: यदि हम खुद को हनुमान जी का सच्चा भक्त मानते हैं, तो हमें ऐसे महान चरित्र के चारित्रिक गुणों के प्रकाश से स्वयं को प्रकाशित करने का प्रयास करना चाहिए। चैत्र पूर्णिमा के दिन जन्मे हनुमान जी के यूं तो अनेक नाम हैं, परन्तु सर्वाधिक प्रचलित हनुमान शद का अर्थ है, ऐसा व्यक्ति जो मान का हनन करने वाला हो। पौराणिक कथाकारों के अनुसार ज्ञानसूर्य परमात्मा के ज्ञान गुण शक्तियों को अपनी बुद्धि में समाहित करने वाले हनुमान जी अनेक आध्यात्मिक शक्तियों से सुसंपन्न रहे, लेकिन अपनी किसी भूल के कारण उन्हें यह शाप मिला कि समय आने पर वे अपनी शक्तियों को भूल जायेंगे और किसी के द्वारा याद दिलाये जाने पर वे शक्तियां जाग्रत हो उठेंगी। अब यह तो हम सब भलीभांति जानते ही हैं कि शाप देने का कार्य कोई श्रेष्ठ व्यक्ति तो कर नहीं सकता, क्योंकि क्योंकि शाप या बददुआ देने वाली तो माया है, अर्थात पांच विकार, तो इसका अर्थ यह हुआ की कलियुग के अंत में जब हम सभी आत्माएं माया द्वारा शापित होकर मूर्च्छित हो जाती हैं और अपनी समस्त शक्तियां खो देती हैं, तब सर्वशक्तिमान परमात्मा हमें ज्ञान संजीवनी द्वारा फिर से सुरजीत करते हैं और माया के शाप से हमें सदा के लिए मुक्त कर देते हैं, जिसके फलस्वरूप हम अपनी सर्व आध्यात्मिक शक्तियों को पुन: प्राप्त कर लेते हैं।

कहते हैं कि इष्ट का उज्जवल चरित्र ही साधकों के जीवन को इत्र समान खुशबूदार और गुणवान बनाता है। आत्मा अमर है और उसके द्वारा किए जाने वाले महान चरित्र भी चिरंजीव ही रहते हैं।

अत: हमें यह महसूस करना चाहिए कि वर्तमान समय वही युग परिवर्तन की वेला है, जब सर्व शक्तिमान परमात्मा माया रावण के चंगुल में फंसी आत्मा रूपी सीताओं की खोज में धरती पर अवतरित हो चुके हैं। ऐसे समय में भगवान श्री हनुमान जी की तरह त्याग, तपस्या और सेवा को जीवन में धारण करके ईश्वरीय सेवा में मददगार बनने वाली आत्माओं का भगवान आहान कर रहे हैं।

याचना की बजाय गुणों को धारण करें :

संसार की आत्माएं तो हुनमान जी को अष्ट सिद्धि और नवनिधि की पूर्ति की कामना हेतु स्वार्थवश याद करती हैं, परन्तु वर्तमान समय की मांग यह है कि हम समय की नाजुकता को पहचान कर हनुमान जी से याचना करने की बजाय उन जैसे गुणों को धारण करके अनेक याचक आत्माओं की कामना पूर्ति करें और श्री हनुमान जी के गुणों की रोशनी से अपने जीवन-पथ को आलोकित करें। उनके समान ईश्वर प्रेम में रम जाएं और उनके समान ईश्वर समर्पित होकर ईश्वर समान बन जाएं।

दुर्योधन को भी दिए थे श्रीहरि ने विराट रूप में दर्शन

विश्वरूप या कहें भगवान विष्णु का विराट स्वरूप का उल्लेख भगवद्गीता के अध्याय 11 में है, जिसमें भगवान कृष्ण अर्जुन को कुरुक्षेत्र युद्ध में विश्वरूप दर्शन कराते हैं। लेकिन उन्होंने इस रूप में पहले भी अपने भक्तों को दर्शन दिए है।

पुराणों में उल्लेख मिलता है। भगवान विष्णु ने अपने इस रूप के दर्शन लक्ष्मी जी को करवाए थे। हालांकि कि इस बारे में अलग-अलग पुराणों में अलग-अलग जानकारी मिलती है। भगवान विष्णु के परम भक्त नारद जी को भी उन्होंने अपने विराट स्वरूप के दर्शन दिए हैं। भगवान विष्णु के भक्त प्रहाद के वंशज थे राजा बलि। जिनको भगवान विष्णु ने वामन अवतार में विराट स्वरूप के दर्शन दिए थे। द्वापर युग में जब भगवान श्रीकृष्ण के रूप में भगवान विष्णु ने अवतार लिया तब उन्होंने अपनी मां यशोदा को भी इसी विराट स्वरूप में दर्शन दिए थे। महाभारत में दुर्योधन और विश्वरूप दर्शन वर्णित है। कुरुक्षेत्र युद्ध के मैदान अर्जुन को विराट रूप के दर्शन दिए।

भगवान विष्णु के अन्य नाम :

उग्र, शर्व, भगवत, नारायण, कृष्ण, वैकुण्ठ, विष्टरश्रवस्, जिन, हषिकेश, केशव, माधव, स्वभू, दैत्यारि, पुण्डरीकाक्ष, गोविन्द, गरुडध्वज, पीताम्बर, अच्युत, शार्गि, विष्वक्सेन, जनार्दन, दामोदर, इन्द्रावरज, चक्रपाणि, चतुर्भुज, पझानाभ, मधुरिपु, भीम, त्रिविक्रम, देवकीनन्दन, शौरि, श्रीपति, पुरुषोत्तम, वनमालिन्, बलिध्वंसिन, कंसाराति, अधोक्षज, विश्वम्भर, कैटभजित, विधु, श्रीवत्सलाञ्छन, पुराणपुरुष, यज्ञपुरुष,नरकान्तक, जलशायिन्, मुकुन्द, उपेन्द्र, मुरमर्दन, राम, वामन, नरसिंह, वराह और भविष्य में होने वाला अवतार कल्कि यह अवतार भगवान विष्णु का ही अवतार है।

क्यों अपनी ही पुत्री की ओर आकर्षित हुए ब्रहमा

सरस्वती का अर्थ होता है बहाव। यह बहाव केवल पानी का नहीं बल्कि विद्या और कला का भी है। यही वजह है कि इन्हें विद्या और कला की देवी भी कहा जाता है। सरस्वती के द्वारा विज्ञान, संगीत और कविताओं की रचना की गई है। ऋग्वेद में सरस्वती को दैवीय नदी की भी संज्ञा दी गई है। साथ ही इन्हें पवित्रता और उर्वरता की देवी भी कहा गया है। सरस्वती को अन्य नामों से भी पुकारा जाता है, जिनमें भागेश्वरी, सतरूपा, ब्राहमी, पृथुदर, बकदेवी, बिरज, शारदा आदि प्रमुख हैं। हिन्दू धर्म से जुडे पौराणिक इतिहास पर नजर डालें तो कई ऐसी कहानियां सुनने को मिल जाएंगी जिनसे अभी तक आमजन वाकिफ नहीं हैं। विस्तृत इतिहास होने की वजह से कुछ घटनाएं छूट जाती हैं तो कुछ नजरअंदाज कर दी जाती हैं। इन्हीं कहानियों में से एक हैं सृष्टि के रचयिता ब्रहमा का अपनी ही बेटी के साथ विवाह करने की घटना ।यह बात तो हम सभी जानते हैं कि त्रिदेव के हाथों में ही इस सृष्टि की बागडोर समाहित है। ब्रहमा के पास सृष्टि की रचना का दायित्व है तो विष्णु के पास संरक्षण का, वहीं देवों के देव कहे जाने वाले महादेव शिव को विनाश का जिम्मा सौंपा गया है। इसी विनाश के बाद फिर से शुरू होता है सृजन का चक्र। ब्रहमा का अपनी ही बेटी के साथ विवाह करने की इस घटना का उल्लेख सरस्वती पुराण में वर्णित है। सरस्वती पुराण के अनुसार सृष्टि की रचना करते समय ब्रहमा ने सीधे अपने वीर्य से सरस्वती को जन्म दिया था। इसलिए ऐसा कहा जाता है कि सरस्वती की कोई मां नहीं केवल पिता, ब्रहमा थे।

सरस्वती को विद्या की देवी कहा जाता है, लेकिन विद्या की यह देवी बेहद खूबसूरत और आकर्षक थीं कि स्वयं ब्रहमा भी सरस्वती के आकर्षण से खुद को बचाकर नहीं रख पाए और उन्हें अपनी अर्धांगिनी बनाने पर विचार करने लगे। सरस्वती ने अपने पिता की इस मनोभावना को भांपकर उनसे बचने के लिए चारो दिशाओं में छिपने का प्रयत्न किया लेकिन उनका हर प्रयत्न बेकार साबित हुआ। इसलिए विवश होकर उन्हें अपने पिता के साथ विवाह करना पडा। ब्रहमा और सरस्वती करीब 100 वर्षों तक एक जंगल में पति-पत्नी की तरह रहे। इन दोनों का एक पुत्र भी हुआ जिसका नाम रखा गया था स्वयंभु मनु। इसके उलट मत्स्य पुराण के अनुसार ब्रहमा के पांच सिर थे। कहा जाता है जब ब्रहमा ने सृष्टि की रचना की तो वह इस समस्त ब्रहमांड में अकेले थे। ऐसे में उन्होंने अपने मुख से सरस्वती, सान्ध्य, ब्राहमी को उत्पन्न किया। ब्रहमा अपनी ही बनाई हुई रचना, सरवस्ती के प्रति आकर्षित होने लगे और लगातार उन पर अपनी दृष्टि डाले रखते थे। ब्रहमा की दृष्टि से बचने के लिए सरस्वती चारो दिशाओं में छिपती रहीं लेकिन वह उनसे नहीं बच पाईं ।इसलिए सरस्वती आकाश में जाकर छिप गईं लेकिन अपने पांचवें सिर से ब्रहमा ने उन्हें आकाश में भी खोज निकाला और उनसे सृष्टि की रचना में सहयोग करने का निवेदन किया। सरस्वती से विवाह करने के पश्चात सर्वप्रथम मनु का जन्म हुआ। ब्रहमा और सरस्वती की यह संतान मनु को पृथ्वी पर जन्म लेने वाला पहला मानव कहा जाता है। इसके अलावा मनु को वेदों, सनातन धर्म और संस्कृत समेत समस्त भाषाओं का जनक भी कहा जाता है।

प्रजापति ब्रहमा का अपनी ही पुत्री के प्रति आकर्षित होना और उसके साथ संभोग करना अन्य सभी देवताओं की नजरों में अपराध था। सभी ने मिलकर पापों का सर्वनाश करने वाले शिव से आग्रह किया कि ब्रहमा ने अपनी पुत्री के लिए यौनाकांक्षाएं रखीं, जोकि एक बडा पाप है, ब्रहमा को उनके किए का फल मिलना ही चाहिए। क्रोध में आकर शिव ने उनके पांचवें सिर को उनके धड से अलग कर दिया था। शिव पुराण के अनुसार ब्रहमा के सर्वप्रथम पांच सिर थे। लेकिन जब अपने पांचवें मुख से उन्होंने सरस्वती जोकि उनकी पुत्री थी, को उनके साथ संभोग करने के लिए कहा तो क्रोधावश सरस्वती ने उनसे कहा कि तुम्हारा यह मुंह हमेशा अपवित्र बातें ही करता है जिसकी वजह से आप भी विपरीत ही सोचते हैं। इसी घटना के बाद एक बार भगवान शिव, अपनी अर्धांगिनी पार्वती को ढूंढते हुए ब्रहमा के पास पहुंचे तो पांचवें सिर को छोडकर उनके अन्य सभी मुखों ने उनका अभिवादन किया, जबकि पांचवें मुख ने अमंगल आवाजें निकालनी शुरू कर दी। इसी कारणवश क्रोध में आकर शिव ने ब्रहमा के पांचवें सिर को उनके धड से अलग कर दिया।

घर में इसलिए रखते हैं हरे पौधे

घर में यदि आप हरे पौधों को रखते हैं, तो यह घर के वास्तु दोषों को दूर करने में सहायक होते हैं। इनमें सबसे ज्यादा तुलसी के पौधे को महत्व दिया जाता है। तुलसी के पौधे से जब हवा स्पर्श कर बहती है, तब वह घर के पर्यावरण को भी स्वस्थ्य रखती है। प्रदूषण और रोग निवारण में तुलसी का पौधा औषधि है। इस घर में अवश्य ही लगाएं। ठीक इसी तरह पृथ्वी के नीचे कहीं-कहीं निगेटिव स्ट्रीम(झिर) होती है। यदि यह स्ट्रीम दुकान या फैक्ट्री पर हो तो गंभीर रोगों से प्रभावित हो सकता है। यह गंभीर रोग जैसे हदय रोग, मधुमेह, लकवा और केंसर हो सकते हैं। तुलसी का पौधा यदि घर में है तो यह स्ट्रीम निष्क्रीय हो जाती है।

हरे पौधे विकास का प्रतीक भी माने जाते हैं। जो घर के अंदर रखने से मंगलमय यानी सकारात्मक ऊर्जा को प्रवाहित करते हैं। ठीक इसी तरह वास्तु शांति के लिए घर के अंदर हवन भी हर माह जरूर करवाना चाहिए। हवन का धुंआ घर में उपस्थित निगेटिव एनर्जी, वास्तु दोषों के साथ रोग फैलाने वाले कीटाणुओं का भी अंत कर देता है। जिससे कि आपकी जिंदगी खुशनुमा तरीके से व्यतीत होती है।

इन उपायों से होगी आपकी कई मनोकामनाएं पूरी

हमारे जीवन में सुख दुख तो लगा रहता है जिस कारण हम परेशान भी होते है । सभी चाहते हैं कि उसके जीवन में खुशहाली रहे और सुख-शांति बनी रहे पर हर व्यक्ति के साथ ऐसा नहीं होता। जीवन में सुख और शांति का बना रहना काफी मुश्किल होता है। ऐसे में कुछ उपायों को अपनाकर शायद हम अपने जीवन को खुशहाल बना सकते हैं। तुलसी के पौधे को प्रतिदिन जल चढाएं तथा गाय के घी का दीपक लगाएं। रविवार को पुष्य नक्षत्र में श्वेत आक की जड लाकर उससे श्रीगणेश की प्रतिमा बनाएं फिर उन्हें खीर का भोग लगाएं। लाल कनेर के फूल तथा चंदन आदि के उनकी पूजा करें। तत्पश्चात गणेशजी के बीज मंत्र (ऊँ गं) के अंत में नम: शब्द जोडकर 108 बार जप करें। सुबह गौरी-शंकर रुद्राक्ष शिवजी के मंदिर में चढाएं। सुबह बेल पत्र (बिल्ब) पर सफेद चंदन की बिंदी लगाकर मनोरथ बोलकर शिवलिंग पर अर्पित करें। बड के पत्ते पर मनोकामना लिखकर बहते जल में प्रवाहित करने से भी मनोरथ पूर्ति होती है। मनोकामना किसी भी भाषा में लिख सकते हैं। नए सूती लाल कपडे में जटावाला नारियल बांधकर बहते जल में प्रवाहित करने से भी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। इन प्रयोगों को करने से आपकी सभी मनोकामनाएं शीघ्र ही पूरी हो जाएंगी। सुबह घर से काम के लिए निकलने से पहले नियमित रूप से गाय को रोटी दें। एक पात्र में जल लेकर उसमें कुंकुम डालकर बरगद के वृक्ष पर नियमित रूप से चढाएं। सुबह घर से निकलने से पहले घर के सभी सदस्य अपने माथे पर चन्दन तिलक लगाएं। मछलियों की आटे की गोली बनाकर खिलाएं। चींटियों को खोपरे व शकर का बूरा मिलाकर खिलाएं। शुद्ध कस्तूरी को चमकीले पीले कपडे में लपेटकर अपनी तिजोरी में रखें।

सॉफ्ट और टेस्टी ड्रैगन फ्रूट...

ड्रैगन फ्रूट हकीकत में धरती पर पाया जाता है। नाम से भले ही ये फ्रूट डरावना लग रहा हो, लेकिन अंदर से बेहद सॉफ्ट और टेस्टी होता है। इसे पिताया या स्ट्रॉबेरी पीयर के नाम से जाना जाता है। यह एक बेहद खूबसूरत फल होता है। इसके फूल का आकार और रंग सबको हैरान कर देता है। कैक्टस की किस्म वाले पौधों से निकलने वाला फूल तीन हफ्तों में ड्रैगन फ्रूट में बदल जाता है। यह रात को ही बढ़ता है, इसलिए इसके फूल को क्वीन ऑफ द नाइट भी कहते हैं। कैक्टस का पेड़ 40 डिग्री से ज्यादा तापमान वाले इलाकों में भी तेजी से बढ़ता है। ड्रैगन फ्रूट लाल, गुलाबी और पीले रंग का होता है। इसका इस्तेमाल वाइन बनाने में भी किया जाता है। यह मैक्सिको, साउथ अमेरिका, कंबोडिया, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया और चीन के अलावा भी कुछ देशों में पाया जाता है। ज्यादातर ड्रैगन फ्रूट गाढ़े लाल रंग का होता है, लेकिन कुछ पीले और गुलाबी रंग के भी पाए जाते हैं। इस फल का छिलका काफी पतला होता है और चारों तरफ से स्केल्स से ढका होता है। इस फल के बीच का हिस्सा लाल या सफेद रंग का होता है, जिसमें काले रंग के बीज होते हैं। ये खाने में काफी स्वादिष्ट होता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं। एक ड्रैगन फ्रूट में करीब 60 कैलोरीज होती है। इसके अलावा विटामिन सी, बी1, बी2, बी3, आयरन, कैल्शियम और फॉस्फोरस भी ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। इतनी सारी खूबियों की वजह से इसे 'सुपर फ्रूट' भी कहा जाने लगा है। ड्रैगन फ्रूट में काफी कम मात्रा में कोलेस्ट्रॉल पाया जाता है। यही वजह है कि इसे खाने से हार्ट की कोई समस्या पैदा नहीं होती है। अमेरिका में कार्डियोवेसकुलर से जुड़ी बीमारियां लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में वहां के लोग ड्रैगन फ्रूट खाकर खुद को हार्ट प्रॉब्लम्स से दूर रख रहे हैं। यह फ्रूट शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करने में भी मदद करता है। ड्रैगन फ्रूट मोनोसैचुरेटेड फैट्स का सबसे बढ़िया स्रोत है, जिससे हार्ट अच्छी कंडीशन में बना रहता है। इतना ही नहीं ये बॉडी ब्रेक डाउन को भी बहुत जल्दी रिकवर करता है। इसे खाने से वजन और दांत दोनों स्वस्थ रहते हैं।

यहां नहीं डूबता सूरज...

दिन की शुरुआत सूरज उगने से होती है। इससे दिनों को हफ्ते, महीनों और सालों में बांटा जाता है, लेकिन दुनिया में कुछ ऐसे भी देश हैं जहां पर कई-कई महीनों या दिनों तक सूरज ही नहीं छिपता। इन देशों में 24 घंटे उजाला ही रहता है। नार्वे के एक इलाके को लैंड ऑफ द मिड नाइट सन कहा जाता है। इस देश में मई से जुलाई तक सूरज ही नहीं छिपता। इसकी खूबसूरती को देखने के लिए लोग दूर-दूर से यहां घूमने आते हैं। स्वीडन में आधी रात तक भी सूरज की रोशनी जैसे की तैसी रहती है। यहां पर मई की शुरुआत से अगस्त के अंत तक देर रात तक सूरज नहीं छिपता। आइसलैंड का नजारा बहुत ही खूबसूरत है। कुदरती रोशनी का मजा आप यहा आधी रात को भी ले सकते है। झरने, ज्वालामुखी,ग्लेशियर यहां के खास एटरेक्शन है। कनाडा में भी बदलते मौसम के चलते 50-50 दिनों तक सूरज ही नहीं डूबता। इस कारण यहां पर आधी रात को भी अंधेरा नहीं होता।

ऐसा सिर्फ चीन में होता है...

चीन दुनिया में बहुत सी ऐसी अजीबो-गरीब चीजें होती हैं,जो कहीं और नहीं होती। चीन के बीजिंग में पॉल्यूशन इतना ज्यादा है कि यहां पर एक दिन सांस लेने का हेल्थ पर उतना ही खराब असर पड़ता है, जितना कि एक पैकेट सिगरेट पीने से होता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि हांगकांग पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी ब्रा स्टडीज में डिग्री देती है। यहा पर इनरवेयर बनाने की बारीकियां सीखाई जाती है। चीन की जेलों में इतने कैदी हैं कि मौत की सजा देने के लिए यहां 'मोबाइल एग्जीक्यूशन' गाड़ियां हैं। चीन की आर्मी दुनिया की सबसे बड़ी आर्मी है। चीन की आर्मी सख्त मिलिट्री ट्रेनिंग और एग्रेसिव नेचर के लिए दुनियाभर में चर्चित है। ट्रेनिंग के दौरान नए सोल्जर्स के कॉलर में पिन लगा दी जाती हैं। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि उनकी गर्दन सीधी रहे और वे अनुशासित रहें।चीन के शांक्सी प्रांत के यन्नान में करीब 4 करोड़ लोग आज भी अंडरग्राउंड गुफाओं में रहते हैं, जो कि ऑस्ट्रेलिया की आबादी से भी ज्यादा है। इन गुफाओ को 'फार्मर्स केव्स' या 'याओडोंग्स' भी कहा जाता है। चीन के गुआंग्झी प्रांत के यूलिन शहर में हर साल जून में डॉग मीट फेस्टिवल मनाया जाता है। इस त्योहार में ही 10 हजार से ज्यादा डॉग्स मार दिए जाते हैं। चीन में इंटरनेट और वीडियो गेम के जबरदस्त एडिक्शन के कारण इस पर बैन लगाया गया था। चीन में इस एडिक्शन से बाहर निकालने के लिए कई रिहैब सेंटर्स चलाए जा रहे हैं। यहां बच्चों के फिजिकल एक्टिविटीज की ट्रेनिंग दी जाती है, ताकि वो गेमिंग की दुनिया से बाहर निकल सकें।

गुस्से पर काबू करेंगे ये फूड्स...

गुस्सा एक ऐसी चीज है जिस पर काबू पाना बड़ा मुश्किल होता है। लोगों को समझ में ही नहीं आता कि गुस्से के समय आखिर क्या किया जाए। डॉक्टरों के अनुसार न्यूट्रिएंट्स, मैग्निशियम, विटामिन सी और बी की कमी के चलते लोगों को ज्यादा गुस्सा आता है। ऐसे में कुछ चीजें हैं जो आपके गुस्से पर काबू पाने में मदद करती हैं। नारियल पानी या कोकोनट मिल्क पीने से तुरंत गुस्से पर काबू पाया जा सकता है। इसके अलावा कच्चा नारियल खाने से भी गुस्सा काफी कम होता है। बादाम दिमाग की नसों पर तेजी से काम करती है। ऐसे में गुस्सा आने पर बादाम खाने से उस पर कुछ ही पल में काबू पाया जा सकता है। जब आप किसी बात पर बहुत गुस्सा हो रहे हों और उस पर काबू पाना चाहें तो तुरंत डार्क चॉकलेट खाने से गुस्सा ठंडा हो जाता है। हरी सब्जियों में बहुत अधिक कैल्शियम और मैग्नेशियम होता है जो कि मांसपेशियों को आराम पहुंचाता है और दिमाग के एंग्जाइटी को भी कम करता है। अगर आपको गुस्सा आता है तो तुरंत कोई हरी सब्जी खाएं वो आपके गुस्से को कम करने में मदद करेगी।

भारत में मिनी अफ्रीका...?

हमारे देश में अफ्रीकी लोगों के खिलाफ हुई हाल की कुछ घटनाओं को छोड़ दें तो पता चलता है कि अफ्रीकियों को भारत से बहुत लगाव है। यहां घाना, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका, लीबिया, कॉन्गो, कीनिया से खासतौर से पढ़ाई के लिए आने वाले कई लोग यहीं बस जाना चाहते हैं। अफ्रीकियों का भारत से यह लगाव आज से नहीं है, अफ्रीकी मूल के कई लोग सदियों से हमारे यहां रह रहे हैं और वे यहीं के नागरिक भी हैं। सदियों से गुजरात में बसे अफ्रीकियों ने तो पूरी तरह से भारतीय लाइफस्टाइल अपना ली है। इतना ही नहीं उन्हें अब सिर्फ गुजराती भाषा ही आती है। देश में कई जगह उनकी संख्या और बसाहट को देखकर लगता है कि हमारे देश में बसता है मिनी अफ्रीका।

भारत में बसता है मिनी अफ्रीका। दिल्ली में ही इतने अफ्रीकी हैं कि उनके अपने रेस्तरां, सलून और दुकानें खूब चल रही हैं। हाल की कुछ घटनाओं को छोड़े तो इससे पहले इनको लेकर कोई विवाद नहीं रहा है। भारत में नए अफ्रीकियों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। भारत में घाना, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका, लीबिया, कॉन्गो, कीनिया से लोग पढ़ाई, बिजनेस और मेडिकल सुविधाओं के लिए बड़ी संख्या में आ रहे हैं। उनका भारतीयों और यहां की संस्कृति से खासा लगाव रहा है। दिल्ली के कृष्णा नगर, खिड़की एक्सटेंशन, मालवीय नगर, अर्जुन नगर और राजपुर खुर्द में अफ्रीकी नागरिकों की तादाद अच्छी खासी है। सरकारी आकंड़ों की मानें तो साल 2012 में 40 हजार नाइजीरियाई लोगों ने भारतीय वीजा लिया था और तथ्य यह है कि अभी भी 5000 से 6000 नाइजीरियाई दिल्ली में रह रहे हैं। कई ऐसे हैं जो यहीं बस जाना चाहते हैं। यह तो हुई हाल ही में भारत आने वाले अफ्रीकियों की बात। सच तो यह है कि हमारे यहां सदियों से अफ्रीकी लोग रह रहे हैं। भारतीय इतिहास के अबीसीनीयाई लड़ाके और आधुनिक भारत के अफ्रो इंडियन सदियों से भारत में रह रहे हैं। मूल से अफ्रीकी, राष्ट्रीयता से भारतीय और भाषा से कन्नड़, मराठी और गुजराती। इतनी विविधताओं को अपने में समेटे हैं ये सच्चे भारतीय। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि लाखों अफ्रीकी लोगों ने समुद्र पार कर इधर का रुख किया था, अफ्रीकी-भारतीय लोग सिद्दी या शीदि या सिदी कहलाते हैं, गुलाम के रूप में अफ्रीकी लोगों के बारे में तो शायद सबको जानकारी हो लेकिन भारत में रहने वाले अफ्रीकी लोगों के बारे में लोगों को कम ही जानकारी है सो उनकी ही जानकारी निकालने की कोशिश है यह आलेख।

तीनों धर्मों के अफ्रीकी

ये लोग भारत की अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में भी हैं और तीनों धर्मों में बंटे हुए भी हैं। यानी अधिसंख्य लोग मुस्लिम हैं, कुछ रोमन कैथोलिक ईसाई हैं और बहुत कम लोग हिंदू हैं। सबसे मजेदार बात मुगल साम्राज्य में इनका अपना झंडा और मनसबदारी थी, लेकिन अंडमान निकोबार द्वीप समूह के पाषाणकालीन समय में जमे अफ्रीकी मूल के सेंटीनेल, जारवा, सिर्का, ग्रेट अंडमानी, जांगिल, ओंगे आदि कबीलों से अलग हैं ये लोग। सिद्दी या सिदी भारत और पाकिस्तान का एक जातीय समूह है जिसका मूल अफ्रीका है भारत में ये मुख्यतः गुजरात में रहते हैं कर्नाटक तथा आंध्र प्रदेश व महाराष्ट्र में भी इनका अस्तित्व है तथा वहां इन्हे सिद्धि, हब्शी या मकरानी के रूप में जाना जाता है। ये कबीलाई सदस्य हैं जो दक्षिण पूर्व अफ्रीका से संबंध रखती बंटू जनजाति के लोग हैं इनमें से कुछ के पूर्वज व्यापारी, नाविक और भाडे के गुलाम सैनिक कारिंदे थे और बहुतों के पूर्वज दूसरों के सेवक या गिरमिटिया गुलाम थे। आज की तारीख में पाकिस्तान के बलोचिस्तानी क्षेत्र की मकरान पर्वत श्रृंखला और कराची में तथा भारत के कर्नाटक, गुजरात, आंध्रप्रदेश और महाराष्ट्र राज्यों में संयुक्त रूप से लगभग 70,000-85,000 सिद्दी जनजाति के लोगों की कुल जनसंख्या का अनुमान है।

ऐतिहासिक तथ्य

यह सिद्ध साबित ऐतिहासिक तथ्य है कि तत्कालीन अरब ,तुर्क और पुर्तगाली व्यापारियों द्वारा भी सिद्दी समुदाय को गुलाम -दास और भाड़े के सैनिकों के रूप में भारतीय उपमहाद्वीप के लिए लाया गया था। सिद्दी नाम के मूल पर परस्पर विरोधी परिकल्पनाएं रही हैं जिनमें से एक प्रमुख सिद्धांत यह है कि सिदी या सिद्धी शब्द साहिबी से निकला है जिसका कारण यह है कि आधुनिक भारत और पाकिस्तान में शब्द साहिब बोला जाता है और इस साहिब शब्द के लिए इसी तरह का उत्तरी अफ्रीका में सम्मान का एक अरबी शब्द भी है। एक दूसरा सिद्धांत यह है कि सिद्दी शब्द अरब जहाजों के कप्तानों के नाम से लिया गया है क्योंकि इन अरबी जहाजों के कप्तानों को सईद या सैय्यद के रूप में जाना जाता था। पहले पहल सिदीयों को भरूच बंदरगाह पर 628 ईस्वी में भारत में लाया गया था,फिर कई अन्य लोगों के समूहों को 712 ईस्वी में भारतीय उपमहाद्वीप के पहले अरब इस्लामी आक्रमणों के साथ लाया गया ,इसमें सैनिक समूह मुहम्मद बिन कासिम के अरब सेना के साथ भाड़े के सैनिकों के रूप में आया था ऐसा इतिहास में भी दस्तावेजी उल्लेख किया गया है। इन सिदी या हब्शी सैनिकों और दासों को जानिस यानी जानिसार अर्थात हुकुम पर जान लुटा देने वाला कहा जाता था। भारत में मुगलों के उदय के पहले तुर्कों के गुलामवंश की दिल्ली सल्तनत काल में जमाल-उद-दीन याकूत नामक सिद्दी हब्शी सुल्तान अल्तुतमिश की शहजादी रजिया सुल्ताना (1205-1240 ई.) का एक करीबी विश्वासपात्र था जो कि एक प्रमुख सिद्दी गुलाम से बना अमीर पद वाला लडाकू मनसबदार रईस था। कुछ सिद्दी समुदाय बारहवीं शताब्दी के बाद जफ्फराबाद, जंजीरा द्वीप पर और वन क्षेत्रों में छोटे सिद्दी समाजों की स्थापना के लिए गुलामी से भाग निकले और ऐसा ही स्थापित एक पूर्व द्वीपीय राज्य जंजीरा हब्शन है।

मराठों का अफ्रीकी सैन्य गुरु

तेरहवीं सदी में भारत के राजाओं के महल में अबीसीनीयाई, सिद्दी गुलामों को रखने का चलन था। अरब और अफ्रीका से भारत के पुराने व्यापारिक रिश्ते थे ही सो इन्हीं देशों से भारत में ये गुलाम लाए जाते थे। मलिक अंबर , जो भारतीय इतिहास में एक प्रमुख सिद्दी हब्शी व्यक्तित्व है,उसे मराठों के सैन्य गुरु के रूप में भी माना जाता है, और इतिहास ने गहराई से मराठा लोगों के साथ मलिक अंबर सिद्दी हब्शी को संबद्ध किया गया है। मलिक अम्बर का जन्म 1549 और मृत्यु 13 मई 1626 को बताई जाती है। मलिक अम्बर हब्शी गुलाम था। वह तरक्की करके वजीर के पद तक पहुंचा था। उसने पहली बार 1601 ई. में उस समय नाम कमाया, जब उसने मुगल सेना को हरा दिया था। मलिक अम्बर एक अबीसीनियायी था और उसका जन्म इथियोपिया में हुआ था। उसके प्रारम्भिक जीवन की विशेष जानकारी उपलब्ध नहीं है।

ऐसा अनुमान है कि उसके निर्धन माता-पिता ने उसे बगदाद के गुलाम-बाजार में बेच दिया था। बाद में उसे किसी व्यापारी ने खरीद लिया और उसे दक्षिण भारत ले आया। मलिक अंबर ने काफी बड़ी मराठा सेना इकट्ठी कर ली मराठे तेज गति वाले थे और दुश्मन की रसद काटने में काफी होशियार थे सो मलिक अम्बर ने मराठों को गुरिल्ला युद्ध में भी निपुणता प्रदान कर दी थी यह गुरिल्ला युद्ध प्रणाली दक्कन के मराठों के लिए परम्परागत थी और वे इसमें और भी निपुण हो गए, लेकिन मुगल इससे अपरिचित थे, मराठों की सहायता से मलिक अम्बर ने मुगलों को बरार, अहमदनगर, और बालाघाट में अपनी स्थिति सुदृढ़ करना कठिन कर दिया था।

आंध्रप्रदेश के सिद्दी

18 वीं सदी में,सिद्दी समुदाय अक्सर आसिफ जाही निजाम की अनियमित सेना के रूप में घुड़सवार सेना गार्ड की सेवा करते थे, जो अरब सिद्दी प्रवासी द्वारा हैदराबाद राज्य में स्थापित किया गया था। आसिफ जाही निजाम रियासत में उन्होंने पुरस्कार के साथ संरक्षण और पारंपरिक मरफ़ा संगीत की जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की और सरकारी समारोहों और समारोह के दौरान प्रदर्शन किया, हैदराबाद की सिद्दीयों को पारंपरिक रूप से सिद्दी रिसाला के नाम से जाना जाता है आज भी वे मस्जिद रहमानी के निकट क्षेत्र में रहते हैं।

कर्नाटक के सिद्दी

कर्नाटक के सिद्दी भी भारत में एक अनुसूचित जनजातीय समूह हैं, इसके सदस्यों को पुर्तगाली व्यापारियों ने दास के रूप में शताब्दियों पहले भारतीय उपमहाद्वीप में लाया गया है ये दक्षिण पूर्व अफ्रीका के बंटू जनजातीय लोग रहे हैं। कर्नाटक में ये सिद्दी येलापुर, हलियाल, अंकोला, जोईडा,मुंडगोड और उत्तर कन्नड़ सिरसी तालुका के आसपास वनों में खेती करते और वन उपज उपजाते हुए रहते है और बेलगाम और धारवाड़ जिले के कालघाटगी के खानपुर में शहरी केंद्रित स्थलों पर रह रहे हैं, स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद कई सिद्दी परिवार पाकिस्तान चले गए और वे वहां सिंध, कराची के क्षेत्रों में बस गये जिनका मुख्य काम रंगरेजी और मछली पकड़ने का है,कर्नाटक के सिद्दी मुख्यतया रोमन कैथोलिक ईसाई हैं और उनके ही बीच कुछ सिद्दी हिंदू भी हैं।

सिर्फ गुजराती बोलते हैं ये अफ्रीकी

गुजरात के सौराष्ट्र के तलाणा में हैरत में डालने लोगों की भीड़ दिखाई देगी। दक्षिण अफ्रीका में हब्शी के रूप में पहचाने जाने वाले नीग्रो प्रजाति के लोग गुजरात में लंबे समय से रहते आ रहे हैं। अफ्रीका के नीग्रों की तरह रहने वाली यह प्रजाति शुद्ध रूप से सिर्फ गुजराती भाषा ही जानती है। तलाणा के आसपास के गांवों में ये लोग बसे हुए हैं। लेकिन 'गिर' फारेस्ट के बीचों-बीच 'जंबूर' नामक एक गांव है। इस गांव को गुजरात का अफ्रीका कहा जाता है। इस गांव में आने के बाद आपको बिल्कुल ऐसा ही लगेगा, मानो आप नीग्रो के गांव आ गए हैं। लगभग दो हजार साल पहले 'सीद्दी' भारत आए थे। ऐसा भी कहा जाता है कि इन्हें पानी के जहाजों द्वारा अफ्रीका व अन्य जगहों से लाया गया था। ऐसा भी कहा जाता है कि अरबी और मुगल शासक इन्हें गुलाम बनाकर रखते थे। इसके अलावा इन लोगों का व्यापार भी होता था। ह्युमन ट्रैफिकिंग का यह व्यवसाय अमेरिका से लेकर यूरोप तक फैला हुआ था। जब मुगलों ने भारत की ओर रुख किया तो अपने साथ इन्हें भी यहां ले आए। गुजरात के इतिहास पर नजर करें तो यह भी पता चलता है कि जूनागढ़ के नवाब ने काफी संख्या में इन्हें खरीदा था। नवाबों व राजाओं के शासन के अंत के बाद ये लोग यहीं बस गए। सौराष्ट्र में बसे सीद्दियों की लाइफस्टाइल अब पूर्ण रूप से गुजराती और भारतीय बन चुकी है। लेकिन कुदरत द्वारा प्रदत्त इनकी शारीरिक बनावट अन्य भारतीयों से इन्हें अलग करती है। सिद्दी गुजरात में आदिवासियों की तरह जीवन व्यतीत करते हैं। इनका मुख्य पेशा खेती-किसानी, लकड़ियां बेचना और गाय-भैंसों का पालन है। सीद्दियों की एक और पहचान इनके 'धमाल' नामक नृत्य से भी है। यह नृत्य बिल्कुल अफ्रीकन नीग्रो की तरह होता है। गुजरात के सिद्दी मुख्यतः मुस्लिम धर्म को मानते हैं। वे यहां पिछले आठ सौ सालों से संत नागरची बाबा की आराधना करते आ रहे हैं। सिद्दी हर रोज शाम को ड्रम बजाते हुए जांबूर गांव के बीचों-बीच स्थित मस्जिद में बंदगी करते हैं। इनके बारे में ऐसा भी कहा जाता है कि प्राचीन समय में राजा इन्हें अपने अंगरक्षक के रूप में रखा करते थे। यह प्रजाति शारीरिक रूप से बहुत मजबूत होती है, इसलिए इनकी नियुक्ति राजाओं के अंगरक्षकों के अलावा सेना में भी की जाती थी। 1572 में जब जलालुद्दीन अकबर गुजरात आया तब वह अपने साथ लगभग 700 हब्शी घुड़सवारों को लाया था। इसके अलावा पाकिस्तान के सिंध प्रांत में भी रहने वाले हब्शी लोगों को लड़ाका माना जाता है।

सेहत सुधारती है पढ़ने की आदत...

हमारे देश की साक्षरता एक तरफ भले ही बढ़ रही हो लेकिन हमारी आज की पीढ़ी में पुस्तक पढ़ने की प्रवृत्ति सिरे से खारिज होती जा रही है। आज का युवा अपने विषय के अलावा और किताब को विषयांतर कह कर नकार देता है । वही दूसरी तरफ वह तरह-तरह के स्मार्ट फोन खरीदकर उनके साथ समय व्यतीत कर रहा है। अब टेक्नोलॉजी का जमाना है। लोग लैपटॉप और स्मार्ट फोन में ई बुक पढ़ लेते हैं, लेकिन वहीं दूसरी तरफ जब विदेशी नागरिक हमारे देश में आते हैं तो उन्हें पर्यटन स्थलों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डे पर हाथों में किताब लिए सहज देखा जा सकता है। जबकि ठीक उन्हीं जगहों पर ज्यादातर भारतीय मोबाइल में गेम खेलते या फेसबुक या व्हाट्सएप पर लगे हुए दिखाई देते हैं। खास बात यह है कि विदेशी लोग मोबाइल ,लैपटॉप ,फेसबुक ,ट्विटर ,व्हाट्सएप की सीमाओं और संभावनाओं को अच्छी तरह जानते हैं। वे पुस्तक की भी सीमाओं और संभावनाओं को जानते हैं। कहा गया है कि किताबें व्यक्ति की अच्छी दोस्त होती हैं। कुछ लोग इसे शौक के तौर पर पढ़ते है लेकिन कुछ किताबों को पढ़ना बोरिंग समझते हैं और कंप्यूटर व टीवी को ही अपना अच्छा दोस्त मानते हैं लेकिन सच तो यह है कि किताबें हमारे व्यक्तित्व को निखारती ही नहीं बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होती हैं। एक शोध से पता चला है जो शौक के लिए पढ़ते हैं उनका स्वास्थ्य ऐसा न करने वाले लोगों की तुलना में 33 प्रतिशत ज्यादा बेहतर रहता है।

दिमाग तेज होना: किताबें पढ़ने से आदमी की याददाश्त बढ़ती है। टीवी देखने और कंप्यूटर पर काम करने की तुलना में पढ़ाई करने वालों का दिमाग ज्यादा तेज होता है। इसके अलावा किताब पढ़ने की आदत व्यक्ति के सोचने और समझने की क्षमता को बढ़ाती है।

दिमाग फ्रेश होना: किताबें पढ़ने की आदत से आदमी का दिमाग हमेशा जवां रहता है। जो लोग रचनात्मक कार्यों जैसे पढ़ाई में अधिक वक्त बिताते हैं उनका दिमाग ऐसा न करने वालों की तुलना में 32 प्रतिशत अधिक जवां रहता है।

आई क्यू लेवल बढ़ना

जो लोग किताबें अधिक पढ़ते हैं उनका आई-क्यू लेवेल भी अधिक होता है। किताबें व्यक्ति को रचनाशील बनाती हैं जिसके कारण उनकी सोचने और समझने की क्षमता बढ़ जाती है।

अल्जाइमर से बचाव

अल्जाइमर एक प्रकार की दिमागी बीमारी है। इसके कारण व्यक्ति की याददाश्त कमजोर हो जाती है। जो लोग दिमागी गतिविधियों जैसे-पढ़ाई, चेस खेलना, पजल खेलने में व्यस्त रहते हैं उनमें अल्जाइमर के विकसित होने की संभावना कम होती है।

तनाव दूर होता है

किताबें व्यक्ति के तनाव के हार्मोन यानी कार्टिसोल के स्तर को कम करती हैं, जिससे तनाव दूर रहता है। अगर आप अपने दिन को खुशनुमा बनाना चाहते हैं तो पढ़ने की आदत इसमें आपकी मदद कर सकती है। यदि आपके पास आज कोई काम नहीं है तो दिन को बेहतर बनाने के लिए एक अच्छी किताब पढ़िए।

अच्छी नींद

रात में देर तक टीवी देखने और कंप्यूटर पर काम करने से आपकी नींद उड़ सकती है, लेकिन रात में सोने से पहले किताब पढ़ने से आपको अच्छी नींद का आ सकती है। इसलिए रात को सोने से पहले किताब पढ़ना न भूलें।

दिल को सेहतमंद रखती है रेड वाइन

आज की भागती-दौड़ती तेज रफ्तार जिंदगी का असर हमारे दिल पर भी पड़ता है। तभी तो दिल के मरीजों की तादाद में लगातार इजाफा होता जा रहा है। इसके पीछे हमारी बिगड़ी हुई दिनचर्या और खान-पान संबंधी खराब आदतें ही जिम्मेदार हैं। दिल को तंदुरुस्त रखने के लिए हम क्या-क्या नहीं करते। व्यायाम, खाने पीने की अपनी आदतों पर लगाम और भी न जाने क्या क्या। लेकिन, इन सब आदतों के साथ ही अगर हम एक और चीज करने लग जाएं तो दिल की सेहत सुधारी जा सकती है और वो है रेड वाइन।

दिल के लिए फायदेमंद रेडवाइन

रेड वाइन अंगूर का बना होता है और इसमें एचडीएल (अच्छा कोलेस्ट्रॉल) पाया जाता है, जो मृत्यु दर और तनाव को कम करने का एक तरह का प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट रेसवेरेट्रॉल होता है। कई हृदय रोग तभी होते हैं जब हृदय तक जाने वाली धमनियों को वसा और बुरा कोलेस्ट्रॉल मिल कर उसके रक्त प्रवाह को ब्लॉक कर देते हैं। लेकिन रेड वाइन जो प्राकृतिक रूप से बनाया जाता है वह आपके दिल की इस रोग से रक्षा करता है। यह रक्त वाहिकाओं को साफ करने और शरीर में वसा जमने की वजह से होने वाले नुकसान को रोकने में लाभदायक होता है। रेड वाइन में मौजूद तत्त्व रक्त के थक्के रोकने में काफी मदद करते हैं। अध्ययनकर्ताओं ने पाया है कि बीयर, स्पीरिट और शराब तीनों ही स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं, लेकिन दूसरे के मुकाबले शराब भारी लाभ पहुंचाती है।

व्यायाम के बराबर है रेडवाइन

लाल अंगूर में पाया जाने वाला एंटीऑक्सीडेंट रेसवेरेट्रॉल शरीर की मांसपेशियों और दिल के लिए उसी तरह फायदेमंद होता है, जैसे एक घंटे का शारीरिक व्यायाम। रेसवेरेट्रॉल की अधिक मात्रा शारीरिक प्रदर्शन, हृदय की कार्य प्रणाली और मांसपेशियों को मजबूत बनाने में काफी हद तक सुधार ला सकती है। ये उन लोगों के लिए फायदेमंद होता है जो व्यायाम करना चाहते है पर शारीरिक कमजोरी या असमर्थता के कारण ऐसा नहीं कर पाते। रेसवेरेट्रॉल ऐसे व्यक्तियों को व्यायाम के फायदे बिना व्यायाम किए दिला सकता है। किसी भी चीज की अति बेशक शरीर को नुकसान ही पहुंचाती है। ज्यादा शराब की लत कैंसर जैसी घातक बीमारियों को न्योता देती है। दिन में एक छोटा ग्लास ठीक माना जाता है पर उससे ज्यादा पीना आपके लिए बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं होगा।

संपादकीय

विकास दर के विरोधाभास

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का आकलन है कि देश में ऐसी 'आर्थिक सुनामी' आने वाली है, जैसी किसी ने पहले देखी नहीं होगी। जनता को दबाने के लिए मोदी सरकार 'आपातकाल' भी लगा सकती है। राहुल गांधी ने फिर भविष्यवाणी की है कि मोदी सरकार एक साल में गिर जाएगी। पलटवार में प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर तीखे प्रहार किए और कहा कि देश में कुछ निराशावादी लोग हैं, जो आत्मनिर्भर भारत के अभियान का मजाक उड़ाते हैं। प्रधानमंत्री का मानना है कि देश ऐसी अराजकता, निराशा, अनिश्चितता को पसंद नहीं करता, लिहाजा कांग्रेस को बार-बार खारिज कर रहा है। इस 'जुबानी जंग' के दौरान भारत सरकार के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने 2025-26 की आखिरी तिमाही (जनवरी-31 मार्च) के आंकड़े जारी कर सभी को चौंका दिया। चौथी तिमाही में आर्थिक विकास दर 7.8 फीसदी रही और कुल वित्त-वर्ष की विकास दर 7.7 फीसदी रही। यह विश्व में सर्वाधिक है, हालांकि प्रति व्यक्ति आय में भारत बहुत नीचे है। बहरहाल इस तिमाही के दौरान ईरान युद्ध का एक महीना भी झेलना पड़ा, क्योंकि युद्ध 28 फरवरी को शुरू हो गया था। अर्थव्यवस्था और विकास दर पर भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा का आकलन महत्त्वपूर्ण और नाजुक है कि ईरान युद्ध के कारण सप्लाई चेन बाधित हुई है और भारतीय बाजार में भी अस्थिरता का माहौल है। महंगाई बढ़ेगी और जीडीपी की विकास दर घटेगी। हमारी अर्थव्यवस्था भी वैश्विक उथल-पुथल के दौर में है, लिहाजा रिजर्व बैंक का नया अनुमान है कि 2026-27 (जारी वित्त वर्ष) में विकास दर 6.6 फीसदी रह सकती है, जबकि पहले अनुमान 6.9 फीसदी का था। महंगाई दर 5.1 फीसदी से अधिक हो सकती है, जबकि पहले का अनुमान 4.6 फीसदी का था। रिजर्व बैंक के गवर्नर का यह भी मानना है कि विकास दर के अनुमान पर निगेटिव जोखिम बरकरार रहेगा। विदेशी मुद्रा 4.4 लाख करोड़ रुपए घटी है, फिर भी हम सुखद स्थिति में हैं, लेकिन जीडीपी में जिस मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र का योगदान 18 फीसदी तक होता था, वह घट कर करीब 13 फीसदी हो गया है, जबकि मोदी सरकार ने 25 फीसदी योगदान का लक्ष्य तय किया था। कृषि पर आज भी दो-तिहाई परिवार आश्रित हैं, लेकिन पूरे वित्त वर्ष में कृषि की विकास दर 3 फीसदी रही है, जबकि बीते वर्ष के दौरान यह विकास दर 5 फीसदी से भी अधिक थी। अलबत्ता चौथी तिमाही के दौरान कृषि की विकास दर 3.6 फीसदी रही है। जीडीपी में जो बढ़ोतरी दिख रही है, वह सेवा क्षेत्र, व्यापार, होटल, परिवहन, पर्यटन और बैंकिंग आदि के कारण है। ऊर्जा की महंगाई दर 24.71 फीसदी हो गई है, जिसकी कमी के कारण देश का हरेक तबका, आम आदमी, औसत घर किलकिला रहा है। एक बार फिर घरेलू एलपीजी का सिलेंडर (14.2 किग्रा) 29 रुपए महंगा कर दिया गया है। बीती 7 मार्च को भी 60 रुपए प्रति सिलेंडर दाम बढ़ाए गए थे। देश में रोजगार गायब है, महंगाई लगातार बढ़ रही है, औसत आमदनी यथावत है, आम उपभोक्ता की क्रय-शक्ति बढ़ नहीं पा रही है, तो देश की आर्थिक विकास दर मजबूत कैसे हो सकती है? अर्थव्यवस्था के जो बुनियादी मुख्य कारक हैं, यदि उनमें बढ़ोतरी नहीं है, तो जीडीपी की विकास दर इतनी सशक्त कैसे संभव है? रिजर्व बैंक समेत लगभग सभी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के ताजा आकलन हैं कि भारतीय जीडीपी की विकास दर 6 फीसदी से कुछ अधिक रहेगी, लेकिन सरकार 7.7 फीसदी के आंकड़े पर 'बल्ले-बल्ले आर्थिकी' मान रही है। अर्थव्यवस्था और विकास दर को लेकर ऐसे विरोधाभास गंभीर हैं। यह भी तथ्य गौरतलब और चिंतित करने वाला है कि बीते सालों में 16 लाख से अधिक भारतीय अपनी नागरिकता छोड़ कर विदेशों में क्यों बस गए? जाहिर है कि वे सभी उच्चतम आय-वर्ग के होंगे! इस तरह भारत को व्यापार और विदेशी पूंजी का नुकसान हो रहा है। करीब 2.6 लाख करोड़ रुपए का निवेश हमारे बाजार से अलग होकर चला गया है, जाहिर है कि अब उन निवेशकों को हमारी अर्थव्यवस्था में ज्यादा संभावनाएं नहीं दिख रही हैं! बहरहाल 2025-26 के दौरान भारत की वास्तविक जीडीपी 323.12 लाख करोड़ रुपए की रही, जिसमें भी कमी आई है और 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य और भी दूर चला गया है।

राहुल गांधी ने फिर भविष्यवाणी की है कि मोदी सरकार एक साल में गिर जाएगी। पलटवार में प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर तीखे प्रहार किए और कहा कि देश में कुछ निराशावादी लोग हैं, जो आत्मनिर्भर भारत के अभियान का मजाक उड़ाते हैं। प्रधानमंत्री का मानना है कि देश ऐसी अराजकता, निराशा, अनिश्चितता को पसंद नहीं करता, लिहाजा कांग्रेस को बार-बार खारिज कर रहा है। इस 'जुबानी जंग' के दौरान भारत सरकार के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने 2025-26 की आखिरी तिमाही (जनवरी-31 मार्च) के आंकड़े जारी कर सभी को चौंका दिया। चौथी तिमाही में आर्थिक विकास दर 7.8 फीसदी रही और कुल वित्त-वर्ष की विकास दर 7.7 फीसदी रही। यह विश्व में सर्वाधिक है, हालांकि प्रति व्यक्ति आय में भारत बहुत नीचे है। बहरहाल इस तिमाही के दौरान ईरान युद्ध का एक महीना भी झेलना पड़ा, क्योंकि युद्ध 28 फरवरी को शुरू हो गया था। अर्थव्यवस्था और विकास दर पर भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा का आकलन महत्त्वपूर्ण और नाजुक है कि ईरान युद्ध के कारण सप्लाई चेन बाधित हुई है और भारतीय बाजार में भी अस्थिरता का माहौल है।

अग्निकाड में मारे गए 21 लोगों की मौत से यह एक बार फिर साबित हो गया है कि देश में आम आदमी की जिन्दगी किसी भी सुरक्षित नहीं

दिल्ली अग्निकाडों के हादसों की राजधानी बनी

योगेंद्र योगी

सरकारी की सुरक्षा जिम्मेदारी सिर्फ दिखावटी है। नागरिकों की सुरक्षा भ्रष्टाचार और मिलीभगत की भेट चढ़ रही है। सरकारें ऐसे हादसों से कभी सबक नही लेती। यही वजह हादसे दर हादसे होते चले जाते हैं और सरकारें सिर्फ लीपापोती करने में जुटी रहती हैं। दरअसल ऐसे हादसों में लापरवाही और भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेदार अफसरों को जब तक जेल भेज जाने का कानून नहीं बनेगा, हादसों की पुनरावृत्ति होती रहेगी। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित होटल फ्लोरिश स्टेज में भीषण आग लगने से 21 लोगों की मौत हो गई। मरने वाले 21 लोगों में बांग्लादेश-अफ्रीकी देशों के नागरिक भी शामिल हैं। मतलब यहां देश के लोग तो सुरक्षित हैं ही नहीं, विदेशी भी सुरक्षित नहीं हैं। होटल से दमकलकर्मियों ने कुल 37 लोगों को बाहर निकाला। वहीं 12 लोगों ने खिड़की से नीचे कूदकर अपनी जान बचाई। आश्चर्य यह है कि दिल्ली में केंद्र सरकार और राज्य की सरकार भाजपा की है। चुनाव जीतने के लिए भाजपा भ्रष्टाचार और डबल इंजिन से तेजी से विकास का दावा करती रही।

दिल्ली की होटल में हुए अग्निकाड में मारे गए 21 लोगों की मौत से यह एक बार फिर साबित हो गया है कि देश में आम आदमी की जिन्दगी किसी भी सुरक्षित नहीं है। सरकारी की सुरक्षा जिम्मेदारी सिर्फ दिखावटी है। नागरिकों की सुरक्षा भ्रष्टाचार और मिलीभगत की भेट चढ़ रही है। सरकारें ऐसे हादसों से कभी सबक नही लेती। यही वजह हादसे दर हादसे होते चले जाते हैं और सरकारें सिर्फ लीपापोती करने में जुटी रहती हैं। दरअसल ऐसे हादसों में लापरवाही और भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेदार अफसरों को जब तक जेल भेज जाने का कानून नहीं बनेगा, हादसों की पुनरावृत्ति होती रहेगी। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित होटल फ्लोरिश स्टेज में भीषण आग लगने से 21 लोगों की मौत हो गई। मरने वाले 21 लोगों में बांग्लादेश-अफ्रीकी देशों के नागरिक भी शामिल हैं। मतलब यहां देश के लोग तो सुरक्षित हैं ही नहीं, विदेशी भी सुरक्षित नहीं हैं। होटल से दमकलकर्मियों ने कुल 37 लोगों को बाहर निकाला। वहीं 12 लोगों ने खिड़की से नीचे कूदकर अपनी जान बचाई। आश्चर्य यह है कि दिल्ली में केंद्र सरकार और राज्य की सरकार भाजपा की है। चुनाव जीतने के लिए भाजपा भ्रष्टाचार और डबल इंजिन से तेजी से विकास का दावा करती रही। ऐसे हादसे बताते हैं कि सरकार का एक भी इंजिन सही तरीके से काम नहीं कर रहा है। भाजपा ने तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल पर शराब घोटालों में शामिल होने का आरोप लगाया था। केजरीवाल को न सिर्फ जेल जाना पड़ा बल्कि उनकी पार्टी आप दिल्ली विधानसभा का चुनाव भाजपा के हाथों हार गई। अदालत ने केजरीवाल को बरी कर दिया। तत्कालीन केजरीवाल सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप दिल्ली में सत्ता हासिल करने में भाजपा के लिए बड़ा कारण साबित हुआ। अदालत के इस फैसले से पहले हुए दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा बहुमत में आ गई। दिल्ली की जिस होटल में यह भयानक हादसा हुआ, उसके पास बिल्डिंग की फायर सुरक्षा का अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं था। होटल में 25 कमरे हैं। दिल्ली के दमकल विभाग के मुताबिक बिल्डिंग में बेसमेंट और ग्राउंड फ्लोर के अलावा पांच मंजिलें हैं। इस पूरी बिल्डिंग में सिर्फ एक सीढ़ी और एक एलिवेटर मौजूद है। बिल्डिंग पूरी तरह से सील थी और इसमें वेंटिलेशन का कोई इंतजाम नहीं था। बाथरूम की खिड़कियों सहित सभी खिड़कियां पूरी तरह से बंद थीं। आग लगने पर ऐसी बिल्डिंग एक चिमनी की तरह काम करती है। यह हालत दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र के सैकड़ों होटलों और व्यवसायिक संस्थानों की है। इन संस्थानों के पास अग्नि दुर्घटनाओं से बचाव के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं। इस खामी की जांच होती भी है तो मिलीभगत के कारण अफसर आंखे बंद कर लेते हैं।

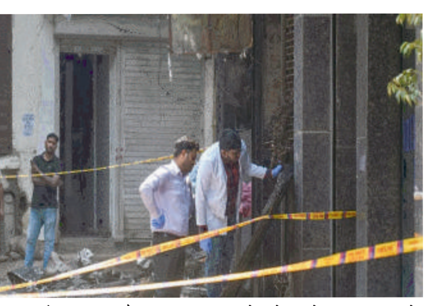

यही वजह है दिल्ली और आस—पास के क्षेत्रों में लगातार ऐसे अग्निकाडों की पुनरावृति हो रही है। ऐसे हादसों में लोग जल कर या दम घुटने से मर रहे हैं, किन्तु सरकारों ने बचाव के ठोस इंतजाम आज तक नहीं किए हैं। यह होटल दिल्ली सरकार की बेड एंड ब्रेक फास्ट (बीएनबी) स्कीम के तहत चल रहा था। यह योजना केंद्र सरकार की है, जिसे राष्ट्रमंडल खेल के दौरान वर्ष 2010 में लागू किया गया था। उसके तहत छह कमरों को बीएनबी में स्वीकृति थी। उसे अग्निशमन, एमसीडी या पुलिस से मंजूरी की आवश्यकता नहीं है। दिल्ली में ऐसे 1000 से अधिक प्रतिष्ठानों में बीएनबी है। सवाल यही है कि क्या सरकारी योजना से चलने वाली ये होटलें—गेस्टहाउस क्या अग्नि दुर्घटनाओं के लिहाज से सुरक्षित हैं। इसका पुख्ता जवाब दिल्ली भाजपा सरकार और प्रशासन के पास नहीं है। देश की राजधानी दिल्ली आग के गोले पर बैठी है। पिछले 6 महीनों में दिल्ली में आग की अलग-अलग घटनाओं में 66 लोगों की मौत हो चुकी है। 3 मई 2026 को विवेक विहार में एक एसी में विस्फोट के बाद चार मंजिला इमारत में आग लग गई। इस हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। 18 मार्च 2026 को पालम में पांच मंजिला इमारत में लगी आग ने 9 लोगों की जान ले ली। इसी तरह 14 मार्च 2024 को शाहदरा की एक इमारत में आग लगने से 4 लोगों की मौत हुई। 15 फरवरी 2024 को अलीपुर फैक्ट्री क्षेत्र में स्थित एक पेंट फैक्ट्री में भीषण आग से 11 लोगों की मौत हो गई थी। 13 मई 2022 को पश्चिमी दिल्ली के मुंडका में चार मंजिला व्यावसायिक इमारत में लगी आग में 27 लोगों की मौत हुई थी। दिल्ली में अग्नि दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति जारी है। 12 फरवरी 2019 को करोल बाग स्थित होटल अर्पित पैलेस में आग लगने से 17 लोगों की जान चली गई थी। 8 दिसंबर 2019 को रानी झांसी रोड पर पेपर फैक्ट्री में लगी भीषण आग में 45 लोगों की मौत हो गई थी। 31 मई 1999 को दिल्ली के लाल कुंआ क्षेत्र स्थित रासायनिक बाजार में लगी आग में 57 लोगों की मौत हुई थी जबकि 27 लोग घायल हुए थे। इसी क्रम में 13 जून 1997 ग्रीन पार्क स्थित उपहार सिनेमा में लगी आग में 59 लोगों की मौत हुई थी और 100 से अधिक लोग घायल हुए थे। दिल्ली की 80 प्रतिशत इमारतें भी आग से सुरक्षित नहीं हैं। दिल्ली में फायर सेफ्टी कानून है। ये कानून 1983 में आया था, जिसमें 15 मीटर से ऊंची इमारतों के लिए कानून बनाया गया था। लेकिन लोगों ने इस कानून का तोड़ निकालते हुए फायर सेफ्टी के दायरे में आने से बचने के लिए साढ़े 14 मीटर या 14.9 मीटर ऊंची इमारतें बनाने लगे। सिर्फ 25 हजार के करीब ही ऐसी इमारतें होंगी, जिसमे स्ट्रक्चर के लिहाज से फायर सेफ्टी के उपाय किए गए हैं और फायर एनओसी मिली हुई है। दिल्ली फायर सर्विसेज ने साल 2025 में मार्च से अप्रैल के बीच 37 सरकारी अस्पतालों का फायर सेफ्टी और स्ट्रक्चरल इंटीग्रिटी यानी ढांचागत मजबूती का जायजा लिया। इनमें से नौ अस्पतालों में फायर क्लीयरेंस की मंजूरी नहीं थी। दिल्ली के मुखर्जी नगर इलाके में 15 जून 2023 को एक कोचिंग सेंटर में आग से 60 से अधिक छात्र हुए थे। इस घटना पर हाई कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए दिल्ली के कोचिंग सेंटरों में अग्नि सुरक्षा को लेकर दिल्ली अग्निशमन विभाग से ऑडिट रिपोर्ट मांगी थी। हाइकोर्ट के निर्देश पर अग्निशमन विभाग ने दिल्ली के पांच जगहों मुखर्जी नगर, करोलबाग, लक्ष्मी नगर, जनकपुरी, कालू सराय और साउथ एक्सटेंशन में 383 इमारतों का सर्वे किया, जिनमें कोचिंग सेंटर संचालित हो रहे हैं। सर्वे में पाया गया अधिकतर इमारतें अग्नि सुरक्षा के लिहाज से खतरनाक हैं। अधिकतर इमारतों में अग्नि सुरक्षा के उपकरण तो थे, लेकिन उनकी स्थिति ऐसी नहीं थी कि आपात स्थिति में उसका इस्तेमाल किया जा सके। सरकारों और राजनीतिक दलों के नेता ऐसे हादसों के बाद सिर्फ घडियालू आंसू बहाते हैं। ऐसे हादसों के बाद सरकार मुआवजा और जांच की घोषणा करके अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेती है। भविष्य में ऐसे हादसों नहीं हो, इसका पुख्ता इंतजाम कभी नहीं किया जाता। यह हालत देश की राजधानी दिल्ली की है। ऐसी दुर्घटनाओं के लिहाज से देश के बाकी हिस्सों में सुरक्षा इंतजामों का अंदाजा लगाया जा सकता है। दिल्ली में अब तक हुए अग्निकांडों में सैकड़ों लोगों की मौत के बावजूद एक भी वरिष्ठ अधिकारी को सीधे जिम्मेदार मानते हुए जेल नहीं भेजा गया। कारण साफ है कि सरकार चाहे किसी भी राजनीतिक दल की हो, जितने भी कानून आज तक बनाए गए हैं, उनमें ऐसा कोई कानून नहीं बना है कि जिम्मेदारी नहीं निभाने पर अफसरों को जेल जाना पड़ेगा। यही वजह है कि अग्नि से सुरक्षा हो या ऐसे ही दूसरे क्षेत्रों में सुरक्षा मानक हो, ऐसे कानूनों की धज्जियां उड़ती रहती हैं और अफसर और नेता तमाशबीन बने रहते हैं। जब तक इस तरह के हादसों के लिए सीधे अफसरों को जिम्मेदार ठहराते हुए जेल की हवा नहीं खिलाई जाएगी, तब ऐसे हादसे होते रहेंगे।

देश दुनीया से

ई-कचरे की समस्या और समाधान

भारत ई-कचरे का दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है, जो सालाना लगभग 1.4 मिलियन टन ई-कचरा पैदा करता है। हालांकि कुछ अनुमानों के अनुसार यह 3.2 मिलियन टन तक भी हो सकता है। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढने वाले ई-कचरा उत्पादक देशों में से एक है और वर्तमान में विश्व स्तर पर ई-कचरा पैदा करने वाले शीर्ष पांच देशों में शामिल है। डिजिटल अर्थव्यवस्था का तेज विकास, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का बढ़ता उपयोग और गैजेट्स का बार-बार बदला जाना इस वृद्धि के प्रमुख कारण हैं। भारत अन्य देशों से अवैध रूप से फेंके गए इलेक्ट्रॉनिक कचरे का गंतव्य भी बन रहा है, जिससे यह समस्या और बढ़ जाती है। भारत में क्षेत्रवार ई-कचरे में सबसे बड़ा योगदान कंप्यूटर और आईटी उपकरणों का है, जो लगभग 70 फीसदी है। इसके बाद दूरसंचार उपकरण करीब 12 फीसदी, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लगभग 8 फीसदी, चिकित्सा उपकरण करीब 7 फीसदी और घरेलू इलेक्ट्रॉनिक कचरा लगभग 3-4 फीसदी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार भारत में 7226 ई-कचरा उत्पादक हैं, जो अपने ब्रांड नाम के तहत बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाते, बेचते या आयात करते हैं। ई-कचरा प्रबंधन नियमों के तहत विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) के कारण उत्पादकों के लिए एक केंद्रीय पोर्टल पर खुद को पंजीकृत करना, ई-कचरे के संग्रह और रीसाइक्लिंग के विशिष्ट लक्ष्यों को पूरा करना, और अनुपालन रिटर्न दाखिल करना अनिवार्य है। इन लगभग 7000 पंजीकृत उत्पादकों के लिए, 295 आधिकारिक रीसाइक्लर हैं जो ई-कचरे को तोडक़र उसमें से धातु और खनिज निकालते हैं और 53 रीफर्बिशर हैं जो इस्तेमाल की गई वस्तुओं की मरम्मत और नवीनीकरण करके उन्हें दोबारा इस्तेमाल लायक बनाते हैं। ये सभी मिलकर देश में पैदा होने वाले कुल ई-कचरे का केवल 5.10 फीसदी ही प्रोसेस कर पाते हैं। चूंकि अनौपचारिक क्षेत्र की पहुंच बहुत अधिक है और उसके पास सस्ते श्रम का एक बड़ा नेटवर्क है, इसलिए औपचारिक क्षेत्र ई-कचरे के संग्रह और छंटाई के लिए कबाड़ीवालों जैसे लोगों पर निर्भर है।

लेकिन ईपीआर प्रक्रिया उन्हें बाहर रखती है।

ई-वेस्ट क्या है : ई-वेस्ट का मतलब ऐसे इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण (ईईई) से है जिन्हें उपयोगकर्ता अपनी उपयोगी आयु खत्म होने के बाद, या तकनीकी बदलावों के कारण पुराने या बेकार हो जाने पर फेंक देते हैं। इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण वे हैं जो बिजली या इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड से चलते हैं। ई-वेस्ट तब पैदा होता है जब ये उपकरण ठीक से काम करना बंद कर देते हैं या उपभोक्ताओं को इनकी जरूरत नहीं रहती। इसमें इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की मैन्युफैक्चरिंग, मरम्मत, रीफर्बिशमेंट और मेंटेनेंस के दौरान निकलने वाला कचरा भी शामिल है। ई-वेस्ट के आम उदाहरण मोबाइल फोन, कंप्यूटर, लैपटॉप, प्रिंटर, टेलीविजन, रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, एयर कंडीशनर और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट हैं।

ई-वेस्ट : महत्त्वपूर्ण खनिजों का स्रोत : स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए खतरा होने के अलावा, बिना सही उपकरणों के ई-वेस्ट को तोडने से ऐसे खनिज और धातुएं बर्बाद हो जाती हैं जो सर्कुलर इकोनॉमी में बहुत अहम हो रहे हैं। ई-वेस्ट लिथियम और कोबाल्ट जैसे महत्वपूर्ण और रेयर अर्थ खनिजों का बड़ा स्रोत है, जिनका इस्तेमाल ईवी बैटरी, रिन्यूएबल एनर्जी सिस्टम और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक सामानों में होता है। कुछ अनुमानों के मुताबिक भारत के ई-वेस्ट में मौजूद कीमती धातुओं और खनिजों की कीमत 4.9 बिलियन डॉलर है। इसको देखते हुए भारत सरकार ने ई-वेस्ट रीसाइक्लिंग से खनिज निकालने के लिए एक क्रिटिकल मिनरल मिशन शुरू किया है, जिसके लिए 650 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। अनौपचारिक क्षेत्र के कामगारों को ट्रेनिंग देकर उन्हें इस प्रक्रिया से जोडने से देश की फॉर्मल रीसाइक्लिंग क्षमता तो बढ़ेगी ही, साथ ही ई-वेस्ट में छिपी कीमत भी सामने आएगी।

ई-कचरा प्रबंधन की आवश्यकता और कानूनी पृष्ठभूमि : ई-कचरे का उचित प्रबंधन पर्यावरण की सुरक्षा और मूल्यवान संसाधनों को बचाने के लिए बहुत जरूरी है। परंपरागत तरीके जैसे जलाना और असंगठित क्षेत्र में रीसाइक्लिंग करने से जहरीले तत्व निकलते हैं जो पर्यावरण और मजदूरों के स्वास्थ्य दोनों को नुकसान पहुंचाते हैं। भारत में लंबे समय तक ई-कचरे के लिए कोई अलग कानून नहीं था। औद्योगिक खतरनाक कचरे के लिए फैक्ट्रीज एक्ट, 1948 का इस्तेमाल होता था। पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम 1986 मुख्य कानून था जो पर्यावरण से जुड़े सभी मुद्दों को देखता था। इसके अलावा खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन नियम 1989 थे जो खतरनाक कचरे के निपटान और सीमा पार आवाजाही को नियंत्रित करते थे। लेकिन इनमें से कोई भी कानून खास तौर पर ई-कचरे के लिए नहीं बना था। इस व्यापक कानूनी ढांचे की कमी के कारण ही भारत को ई-कचरे के लिए अलग नियम बनाने की जरूरत पड़ी। ई-वेस्ट मैनेजमेंट नियम 2016 को भारत में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा इलेक्ट्रॉनिक कचरे की बढ़ती समस्या से निपटने के लिए लाया गया था। 2016 के नियम लाने के मुख्य कारण : 2011 के नियमों में विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व यानी ईपीआर तो लाया गया, पर उसे ठीक से परिभाषित नहीं किया गया और न ही सख्ती से लागू किया गया।

आप का नजरीया

बेचारा सरकारी अध्यापक

सरकारी स्कूलों के अध्यापकों की जिम्मेदारियों का खुलासा भले ही न हो, लेकिन प्रदेश की मर्यादाओं का हिसाब उन्हीं से लिया जाता है। चुनाव ड्यूटियों का सिलसिला अभी टूटा भी नहीं था कि अब जनगणना के आंकड़ों का मकडज़ाल उनके दायित्व से जोड़ दिया गया, यानी सरकारी स्कूलों के अहम किरदार फिर से परिसर के बाहर निकाले जाएंगे। अगर शिक्षक वर्ग इसके ऊपर आपत्ति उठा रहा है, तो अभिभावकों को भी इनकी जिरह में शरीक होना होगा। शिक्षा के प्रांगण से इस तरह की मजदूरी कराने की परंपरा खत्म होनी चाहिए। इससे शिक्षा की गुणवत्ता की जेब कटती है और दायित्व की पड़ताल में शिक्षक वर्ग कसूरवार हो जाता है। जनगणना अभियान का सारा दारोमदार एक विभाग पर डालने के बजाय, इस प्रक्रिया में कुछ और विकल्प भी तराशे जा सकते हैं। बेरोजगारों या पढ़ाई कर रहे युवाओं के लिए ऐसे अभियानों की प्रयोगशाला बना कर, उन्हें सम्मिलित किया जा सकता है। ऐसे कार्यों, सर्वेक्षणों और योजनाओं को आकार देने से पहले जमीनी फीडबैक लेने के लिए टास्क फोर्स होनी चाहिए। स्कूली पाठ्यक्रमों की अपनी गणना है, जहां पीरियड और विषय, हर साल की मेहनत और समयावधि को अनुशासित करते हैं और शिक्षा नीति का संकल्प भी यही है कि ज्ञान की कक्षा में व्यावहारिक ज्ञान की उपयोगिता बढ़े। यानी आज के शिक्षक का संबंध और संपर्क अपने छात्रों से कई पैमानों की संगत है, तो इसके विरुद्ध जनगणना अभियान जैसे कार्यों में लगाना तर्कसंगत नहीं हो सकता। स्कूल से अगर कोई शिक्षक कुछ दिनों के लिए अनुपस्थित होता है, तो इसके अर्थ छात्रों के भविष्य में गहरा असर रखते हैं। बेशक शिक्षक जीवन की परिपाटी में राष्ट्रीय अभियानों की श्रृंखला जुड़ती रही है, लेकिन इसे शिक्षा लक्ष्य के अनुरूप नहीं ठहराया जा सकता। जनगणना एक बड़ा तथा पवित्र अभियान है, लेकिन इसकी परिपाटी में आया शिक्षक अपने मूल दायित्व से नाइंसाफी ही करेगा। स्कूल में विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी, वाणिज्य व अन्य विषयों की पढ़ाई यह छूट तो नहीं देती कि प्रयोगशालाएं कुछ दिन बंद रहें, ब्लैक बोर्ड शांत रहें और पाठ्यक्रम विश्राम करें। इसलिए इस वर्ग को उसके दायित्व से विमुख करके कोई भी मर्यादा पूरी नहीं होगी। स्कूल पहले ही अकालग्रस्त हैं। शिक्षा को बिछौने की तरह देखा गया और इसलिए शिक्षक एक मसौदा बन गया। मसौदा इम्तिहान का, परीक्षा परिणामों का। अगर शिक्षक चुनावों से मतगणना या किसी अन्य राष्ट्रीय अभियानों के शिलालेख लिखने की नैतिक जरूरत है, तो उसके नैतिक अधिकार भी तय किए जाएं। मसलन परीक्षाओं में नकल क्या शिक्षा की कमजोरी है, समाज की अनदेखी है या इसकी सारी जिम्मेदारी पर केवल शिक्षक को ही दंड दिया जाए। क्या वार्षिक परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए केवल सरकारी अध्यापक को बलि का बकरा बनाया जाए या सारे विभागों और समाज को भी ऐसा दायित्व सौंपा जाए। क्या जनगणना की संदूकड़ी उठाने वाले शिक्षक से शिक्षा और परीक्षा की तोहमतें भी हटा ली जाएंगी। पहले ही अनावश्यक चिट्ठी-पत्री और लिखा-पढ़त का डाकिया बना शिक्षक, आखिर कब तक राष्ट्रीय अभियानों की इज्जत बचाने के लिए दर-दर भटकेगा। बावजूद इसके उसकी भूमिका का आकलन हमेशा नकारात्मक बनाया जाता है।

सरकारी स्कूलों के अहम किरदार फिर से परिसर के बाहर निकाले जाएंगे। अगर शिक्षक वर्ग इसके ऊपर आपत्ति उठा रहा है, तो अभिभावकों को भी इनकी जिरह में शरीक होना होगा। शिक्षा के प्रांगण से इस तरह की मजदूरी कराने की परंपरा खत्म होनी चाहिए। इससे शिक्षा की गुणवत्ता की जेब कटती है और दायित्व की पड़ताल में शिक्षक वर्ग कसूरवार हो जाता है। जनगणना अभियान का सारा दारोमदार एक विभाग पर डालने के बजाय, इस प्रक्रिया में कुछ और विकल्प भी तराशे जा सकते हैं। बेरोजगारों या पढ़ाई कर रहे युवाओं के लिए ऐसे अभियानों की प्रयोगशाला बना कर, उन्हें सम्मिलित किया जा सकता है। ऐसे कार्यों, सर्वेक्षणों और योजनाओं को आकार देने से पहले जमीनी फीडबैक लेने के लिए टास्क फोर्स होनी चाहिए। स्कूली पाठ्यक्रमों की अपनी गणना है, जहां पीरियड और विषय, हर साल की मेहनत और समयावधि को अनुशासित करते हैं और शिक्षा नीति का संकल्प भी यही है कि ज्ञान की कक्षा में व्यावहारिक ज्ञान की उपयोगिता बढ़े। यानी आज के शिक्षक का संबंध और संपर्क अपने छात्रों से कई पैमानों की संगत है, तो इसके विरुद्ध जनगणना अभियान जैसे कार्यों में लगाना तर्कसंगत नहीं हो सकता। स्कूल से अगर कोई शिक्षक कुछ दिनों के लिए अनुपस्थित होता है, तो इसके अर्थ छात्रों के भविष्य में गहरा असर रखते हैं। बेशक शिक्षक जीवन की परिपाटी में राष्ट्रीय अभियानों की शृंखला जुड़ती रही है, लेकिन इसे शिक्षा लक्ष्य के अनुरूप नहीं ठहराया जा सकता। जनगणना एक बड़ा तथा पवित्र अभियान है, लेकिन इसकी परिपाटी में आया शिक्षक अपने मूल दायित्व से नाइंसाफी ही करेगा।

कुछ अलग

आवारा पशुओं के बीच साहब

देश की तरक्की का एक आलम सरकारी और प्रशासनिक अधिकारियों की गाडियों की शक्ति और गति में देखा जा सकता है। अगर हूटर बज रहा है, तो देश नतमस्तक है। हम सडक़ों पर केवल हूटर की वजह से ही अच्छे नागरिक बन पाते हैं। बहरहाल, उस दिन अपने एसडीएम किसान मेले में शिरकत करने जा रहे थे। वह कृषि एवं पुशपालन मंत्री के खास सिपाही थे, तो इस तरह सक्रिय भी रहते थे। चालक के पास गाड़ी में सबसे अव्वल औजार हूटर था और वह इसे बजा कर जनता को बता रहा था कि रास्ता खाली करो, साहब आते हैं। अक्सर सरकारी ड्राइवर घंटे का सफर पंद्रह मिनट में करने के आदी होते हैं, लेकिन यह दिन खराब था। कुछ दूरी पर ही सडक़ पर आवारा बैल अड़ गए थे, लिहाजा एसडीएम की फर्राटा भरती गाड़ी को आवारा बैलों ने रोक दिया। बैल ऊंचे कद के थे, एसडीएम साहब के कद से भी ऊपर अड़े थे। एक बैल ने दूसरे से कहा, 'तुझे मैं पहले से कहता आया हूं कि ये साहब लोग सिर्फ गाडियों के हूटर से ही चल पाते हैं, अन्यथा हमारे सामने से गुजर कर दिखाएं।' दूसरे ने कहा, 'मुझे तो एसपी की गाड़ी का हूटर पसंद है, उसे सुनते ही झुरझुरी सी आ जाती है। पता यह नहीं चलता कि जनता को किस साहब का हूटर पसंद है। इधर हम हर रात कई किसानों के खेत सफाचट कर जाते, लेकिन कभी रुआब नहीं दिखाया। रुआब दिखाना इनसानों का हुनर है। इनसानों को बताना पड़ता है कि वे हैं क्या। हमें आज तक नहीं बताना पड़ा। बैल हैं, तो बैलों की तरह ही दिखाई देंगे। दरअसल इनसानों को खुद को बताने का हुनर आता है। पुलिस बता सकती है कि कानून-व्यवस्था का हुनर उसके पास है और जब बताती है तो रौब आ ही जाता है।

दृष्टि कोण

महंगे तेल के झटकों से निजात जरूरी

यकीनन इस समय भारत समेत पूरी दुनिया के लोग महंगे ईंधन की चुनौती का सामना कर रहे हैं। हाल ही में अमरीका व ईरान के बीच ताजा झड़पों से तेल और गैस की कीमतों में फिर उछाल देखने को मिला है। 7 जून से घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में 29 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। पेट्रोलियम मंत्रालय के मुताबिक अभी तक पेट्रोल-डीजल में की गई चार मूल्यवृद्धि के बाद भी सरकारी क्षेत्र की तीनों तेल कंपनियों इंडियन आयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम को संयुक्त तौर पर हर दिन 750 करोड़ रुपए से अधिक का घाटा हो रहा है। ऐसे में रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने 2 जून को अपनी रिपोर्ट में कहा है कि अगर ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतें इसी तरह बढ़ती रहीं, तो तेल कंपनियां अपना घाटा कम करने के लिए आने वाले दिनों में कुल बढ़ोतरी को 2.50 रुपए से लेकर 10 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ा सकती हैं। प्रमुख कंसल्टेंसी फर्म ईवाई इंडिया की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत में वित्त वर्ष 2026-27 में पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों से महंगाई दर 6 प्रतिशत से अधिक का स्तर छू सकती है। अब वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के मद्देनजर भारत में ईंधन की कीमत में कोई और वृद्धि आम आदमी के लिए महंगाई की मुश्किलें और बढ़ा सकती है। इस बात को ध्यान में रखा जाना जरूरी है कि पहले भी पिछले पांच दशकों में तेल के कई झटके आम आदमी की मुश्किलों सहित देश की विकास दर में तेज गिरावट के कारण बने हैं। ऐसे में तेल के झटकों से निजात के मद्देनजर महंगाई से गरीबों को बचाने के तात्कालिक उपायों के साथ दीर्घकालीन रणनीति पर आगे बढऩा जरूरी है। इस परिप्रेक्ष्य में हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक रैली के दौरान वैश्विक ऊर्जा संकट के मद्देनजर देशवासियों से पेट्रोल, डीजल और गैस का संयम से इस्तेमाल करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि भारत के पास तेल के बड़े कुएं नहीं हैं। ऐसे में पश्चिम एशियाई संकट के कारण नागरिकों को यह जिम्मेदारी निभानी होगी कि वे जहां तक संभव हो, मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें। इलेक्ट्रिक कारों और कार पूलिंग को प्राथमिकता दें। साथ ही कोरोना काल की तरह वर्क फ्रॉम होम और ऑनलाइन मीटिंग्स को बढ़ावा दें। ऐसे में लोगों के द्वारा पेट्रोल-डीजल का किफायत से उपयोग किया जाना जरूरी है। देश में पेट्रोल-डीजल की महंगाई से आम आदमी को राहत देने के लिए केंद्र सरकार के द्वारा भी टैक्स में कमी तथा राज्य सरकारों के द्वारा वैट में कमी सहित अन्य उपायों पर आगे बढ़ा जाना होगा। वस्तुतः तेल के झटकों पर सरकार का नियंत्रण नहीं होता। यदि हम पिछले कुछ दशक में तेल की कीमतों से आए बड़े झटकों को देखें तो पाते हैं कि वर्ष 1973 में तेल संकट के समय तेल की कीमतें चार गुना होकर 3 डॉलर प्रति बैरल से 12 डॉलर तक पहुंच गईं और महंगाई करीब 30 प्रतिशत तक बढ़ गई। तेल का दूसरा झटका वर्ष 1979 में लगा और तेल के दाम दोगुने से अधिक 30 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गए। साथ ही भारत की अर्थव्यवस्था में करीब 5 फीसदी की गिरावट आ गई। तेल का तीसरा झटका वर्ष 1990 में लगा और तेल की कीमतें फिर दोगुना हो गई। इसके बाद 2012 में लगे झटके से तेल की कीमतें 125 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। साथ ही 2014 तक तेल की कीमतें 100 डॉलर से ऊपर बनी रहीं। उसके बाद एक लंबे समय तक तेल की कीमतों में कमी का परिदृश्य दिखाई दिया। निश्चित रूप से सरकार के द्वारा तेल के झटकों से बचने के लिए दीर्घकालीन रणनीति पर भी आगे बढऩा जरूरी है। पेट्रोल-डीजल के नवीनकरणीय विकल्पों पर आगे बढऩा होगा।

बांग्लादेश वनडे श्रृंखला से बाहर हुए मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली

आस्ट्रेलिया को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से पहले बड़ा झटका लगा है। कप्तान मिचेल मार्श और स्टार बल्लेबाज़ ट्रैविस हेड इस श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। उनकी अनुपस्थिति में जोश इंगलिस टीम की कप्तानी संभालेंगे। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने सोमवार को उक्त जानकारी दी।

मार्श और हेड हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ 2-1 से गंवाई गई एकदिवसीय श्रृंखला में भी नहीं खेले थे। मार्श अभी टखने की चोट से उबर रहे हैं, जबकि हेड को निजी कारणों से अवकाश दिया गया है।

आस्ट्रेलिया को एक और झटका लेग स्पिनर तनवीर संघा के रूप में लगा है। पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मुकाबले के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी, जिसके कारण वे बांग्लादेश दौरे से बाहर हो गए हैं।

हालांकि मिचेल मार्श टीम के साथ बांग्लादेश जाएंगे और वहीं पुनर्वास प्रक्रिया जारी रखेंगे। उम्मीद की जा रही है कि वह इसके बाद होने वाली टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला तक वापसी कर सकते हैं।

पाकिस्तान दौरे के बाद स्वदेश लौटने वाले युवा बल्लेबाज़ ओली पीक और हरफनमौला खिलाड़ी मैट शार्ट अब टीम के साथ बने रहेंगे। वहीं तनवीर संघा की जगह आफ स्पिनर टाड मर्फी को टीम में शामिल किया गया है।

राष्ट्रीय चयनकर्ता टोनी डोडेमाइड ने कहा कि तनवीर संघा की चोट के कारण वह दौरे में आगे हिस्सा नहीं ले पाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि टीम को उम्मीद थी कि मिचेल मार्श वनडे श्रृंखला तक फिट हो जाएंगे, लेकिन उन्हें अभी और समय चाहिए।

बांग्लादेश के खिलाफ आस्ट्रेलिया की एकदिवसीय टीमः

जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, कूपर कानोली, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश इंगलिस (कप्तान), मैथ्यू कुहनेमन, मार्नस लाबुशेन, टाड मर्फी, ओली पीक, मैथ्यू रेनशा, लियाम स्काट, मैट शार्ट, एडम ज़म्पा।

बांग्लादेश के खिलाफ आस्ट्रेलिया की टी-20 टीमः

मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कानोली, टिम डेविड, जोएल डेविस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, एरान हार्डी, जोश इंगलिस, स्पेंसर जानसन, मैथ्यू कुहनेमन, राइली मेरिडिथ, जोश फिलिप, मैथ्यू रेनशा, एडम ज़म्पा।

न्यूज़ ब्रीफ

डेनमार्क-यूक्रेन मैत्री मैच के दौरान फिर गिरे क्रिस्टियन एरिक्सन, मुकाबला बीच में रोका गया

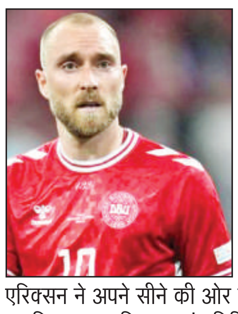

ओडेन्से। क्रिस्टियन एरिक्सन रविवार को एक बार फिर मैदान पर गिर पड़े, जिसके बाद डेनमार्क और यूक्रेन के बीच खेला जा रहा अंतरराष्ट्रीय मैत्री फुटबॉल मुकाबला बीच में ही रोक दिया गया। घटना डेनमार्क के ओडेन्से स्थित नेचर एनर्जी पार्क में हुई। मुकाबले के दूसरे हाफ में डेनमार्क 2-1 से आगे था, तभी एरिक्सन ने अपने सीने की ओर हाथ ले जाते हुए मैदान पर गिरना शुरू किया। तुरंत चिकित्सा टीम मैदान पर पहुंची और खेल रोक दिया गया। बाद में डेनिश फुटबॉल संघ ने पुष्टि की कि एरिक्सन होश में हैं और उनकी स्थिति स्थिर है। मुकाबले को रद्द कर दिया गया। डेनिश फुटबॉल संघ के अनुसार राष्ट्रीय टीम के डॉक्टर मॉर्टन बोएसन ने बताया कि एरिक्सन खुद चलकर मैदान से बाहर गए और उनके शरीर में लगा हृदय उपकरण अपेक्षित तरीके से काम कर गया। डॉक्टर के अनुसार, एरिक्सन कुछ समय के लिए बेहोश हुए थे लेकिन बहुत जल्दी होश में लौट आए और उनसे बातचीत भी हुई। उन्होंने अपने साथियों को संदेश भेजकर बताया कि वह ठीक हैं। इस घटना ने खिलाड़ियों और प्रशंसकों को पांच साल पहले की उस घटना की याद दिला दी, जब यूरोपीय चैम्पियनशिप 2021 (यूरो 2020) के दौरान फ़िनलैंड के खिलाफ मैच में एरिक्सन को मैदान पर हृदयाघात हुआ था और कुछ मिनटों तक उनका हृदय रुक गया था। उस समय मैदान पर ही उन्हें चिकित्सकीय सहायता देकर बचाया गया था। उस घटना के बाद एरिक्सन के शरीर में विशेष हृदय उपकरण लगाया गया था। इसके बाद उन्होंने वापसी करते हुए क्लब फुटबॉल में दोबारा खेलना शुरू किया और आगे चलकर कई क्लबों का हिस्सा बने। फिलहाल एरिक्सन को आगे की चिकित्सकीय जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया है। घटना के कारण मुकाबला दोबारा शुरू नहीं कराया गया।

फ्लोरेंटिनो पेरेज़ फिर बने रियल मैड्रिड के अध्यक्ष, 20 साल बाद हुए चुनाव में दर्ज की जीत

स्पेन। रियल मैड्रिड के अध्यक्ष पद के चुनाव में फ्लोरेंटिनो पेरेज ने एक बार फिर जीत हासिल करते हुए अगले चार वर्षों के लिए अपना कार्यकाल सुरक्षित कर लिया है। रविवार को हुए चुनाव में उनकी जीत के साथ वह लगातार क्लब की कमान संभालते रहेंगे। यह पिछले 20 वर्षों में पहली बार था जब क्लब में अध्यक्ष पद के लिए वास्तविक मुकाबला देखने को मिला। इससे पहले पेरेज़ वर्ष 2009, 2013, 2017, 2021 और 2025 में बिना किसी प्रतिद्वंद्वी के निर्वाचित हुए थे। रियल मैड्रिड के आधिकारिक टीवी चैनल के अनुसार, पेरेज़ ने अपने प्रतिद्वंद्वी एनरिके रिकेल्मे को हराया। हालांकि क्लब की ओर से अभी आधिकारिक मतगणना जारी नहीं की गई है। पेरेज़ की इस जीत के बाद क्लब में पूर्व मुख्य कोच जोस मोरिन्हो की वापसी की संभावनाएं भी तेज मानी जा रही हैं। मोरिन्हो इससे पहले 2010 से 2013 तक रियल मैड्रिड के मुख्य कोच रह चुके हैं और चुनाव अभियान के दौरान भी उनका नाम प्रमुखता से सामने आया। जीत के बाद समर्थकों को संबोधित करते हुए पेरेज ने कहा कि उनका लक्ष्य रियल मैड्रिड को आगे भी अधिक से अधिक खिताब दिलाना है। जीत का जश्न सोमवार सुबह तक जारी रहा। 79 वर्षीय फ्लोरेंटिनो पेरेज़ पहली बार वर्ष 2000 में रियल मैड्रिड के अध्यक्ष बने थे और 2006 तक इस पद पर रहे। इसके बाद 2009 में उन्होंने दोबारा वापसी की। उनके कार्यकाल के दौरान क्लब ने सात यूरोपीय कप जीते और कुल 15 महाद्वीपीय खिताबों के रिकार्ड तक पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ओलंपिक पदक जीतना है सपना : अनाहत

नई दिल्ली। भारत की शीर्ष महिला स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह का कहना है कि उनकी लक्ष्य 2028 लास एंजिलिस 2028 खेलों में पदक जीतना है। अनाहत ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतने की चाहत हर खिलाड़ी में होती है। अनाहत ने कहा, यह पहली बार है जब इस खेल कोओलंपिक में जगह मिली है सभी खिलाड़ी इस अवसर का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, इससे पहले कोई भी स्क्वाश खिलाड़ी अधिक से अधिक राष्ट्रमंडल खेलों में खेल सकता था पर अब ओलंपिक में भी वह अपनी प्रतिभा दिखा सकता है। अनाहत ने कहा, अगले कुछ साल में मेरा लक्ष्य देश के लिए पदक जीतना रहेगा। अनाहत ने कहा कि वह एक समय में एक ही टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित करतीहैं। वहीं पुरुष वर्ग में स्टार खिलाड़ी रमित टंडन ने कहा कि इस खेल को ओलंपिक में शामिल किए जाने से अब कारपोरेट जगत का ध्यान भी इसकी ओर गया है। रमित ने कहा, ओलंपिक विश्व खेल जगत का सबसे बड़ा आयोजन है और उसमें खेलना सभी का सपना होता है।

मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग : भोपाल लेपर्ड्स ने रीवा जगुआर के जबड़े से छीनी जीत

204 रनों के विशाल लक्ष्य को हासिल कर भोपाल ने दर्ज की रोमांचक जीत

इंदौर

मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग 2026 में रविवार की रात होल्कर स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग साबित हुई। रीवा जगुआर और भोपाल लेपर्ड्स के बीच खेला गया 10वां मुकाबला रोमांच की पराकाष्ठा तक पहुंच गया। आखिरी ओवर तक चले इस कांटे के मुकाबले में भोपाल लेपर्ड्स ने 3 विकेट से जीत दर्ज कर अंक तालिका में अपनी धाक जमा दी है। टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी रीवा जगुआर की ओर से अक्षत रघुवंशी ने टूर्नामेंट की अब तक की सबसे विध्वंसक पारी खेली। अक्षत ने 32 गेंदों में 85 रन जड़कर भोपाल के गेंदबाजों को मैदान के चारों ओर दौड़ाया। उनकी पारी में 6 चौके व 9 गगनचुंबी छक्के शामिल थे, जो इस मुकाबले का मुख्य आकर्षण रहे। उनके अलावा सागर सोलंकी ने 48 रनों का बेहतरीन योगदान दिया। हालांकि, रीवा की पारी का अंत थोड़ा निराशाजनक रहा क्योंकि 153 रन पर 4 विकेट होने के बाद टीम अंतिम 27 गेंदों में केवल 50 रन ही जोड़ सकी। यही रनों का सूखा अंत में उनकी हार की बड़ी वजह बना। भोपाल की तरफ से हिमांशु शिंदे सबसे किफायती और सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 4 ओवर में केवल 21 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट चटकाकर रीवा के स्कोर पर प्रभावी अंकुश लगाया। प्रियांशु शुक्ला व अजय मिश्रा को भी 2-2 सफलतां मलि। 204 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भोपाल लेपर्ड्स ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। पावरप्ले के 6 ओवरों में 73 रन कूटकर टीम ने इरादे साफ कर दिए थे। राहुल चंदरोल ने 21 गेंदों में 44 रन बनाकर भोपाल की नींव रखी, जबकि हिमांशु शिंदे ने 37 रन बनाकर मध्यक्रम को मजबूती दी। मैच का रोमांच तब चरम पर पहुंचा जब अंतिम 3 ओवरों में 36 रनों की दरकार थी। यहाँ कमल त्रिपाठी ने धैर्य और आक्रामकता का बेहतरीन मिश्रण पेश किया। कमल ने महज 13 गेंदों में नाबाद 29 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली और 19.3 ओवर में विजयी छक्का जड़कर भोपाल के खेमे में जश्न का माहौल बना दिया।

महंगी कीमतों से फीफा विश्व कप 2026 के प्रति प्रशंसकों का आकर्षण घटा

न्यूयार्क। 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में संयुक्त रुप से शुरु होने जा रहे फीफा विश्वकप फुटबाल को लेकर प्रशंसकों में वैसा उत्साह नहीं दिखता जो आम तौर पर देखा जाता है। इस कारण विश्वकप के महंगे टिकट, तीन देशों के बीच यात्रा का अत्यधिक खर्च और अमेरिका में प्रवेश संबंधी दिक्कतें हैं। इससे प्रशंसक घर से ही मैच देखना चाहते हैं। इंग्लैंड के एक ऐसे ही प्रशंसका का कहना है कि उससे पिछले चार विश्व कप देखें पर इस बार वह यूरोप में ही रहकर टूर्नामेंट के कुछ मुकाबलों का आनंद पुर्तगाल के समुद्र तट पर लगी स्क्रीन में उठाएगा। वहीं अर्जेंटीना के प्रशंसक ने कहा कि वह इस बार केवल दो मैच देखकर ही स्वदेश लौट जाएगा। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि इस बार पहले की तादाद में कम प्रशंसक विश्वकप में दिखेंगे। विश्व कप के दौरान अपनी टीम का समर्थन करने के लिए लंबी छुट्टियां लेकर विदेश यात्रा करने वाले प्रशंसक आमतौर पर धानी वर्ग से आते हैं पर पिछले टूर्नामेंटों में सीमित साधनों वाले प्रशंसक भी वर्षों तक बचत कर इस विश्वकप में पहुंच जाते थे पर इस बा कीमतें अधिक होने से उनकी कमी रहेगी। पिछली बार, ग्रुप चरण के सबसे निचले श्रेणी के टिकट 69 डालर में उपलब्ध थे। वहीं इस बार, फीफा उन्हीं टिकटों को 265 डालर तक में बेच रहा है, जो चार गुना से भी अधिक की कीमत है। इसके अलावा, रूस 2018 और कतर 2022 विश्व कप में मेजबान शहरों के बीच नि:शुल्क परिवहन सुविधा दी गई थी, जबकि अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में फैले 16 स्टेडियमों के बीच यात्रा करना कहीं अधिक महंगा साबित रहेगा। पहले, फीफा के आधिकारिक पुनर्विक्रय रीसेल मंच पर टिकट मूल कीमत से अधिक पर नहीं बेचे जा सकते थे पर इस बार, संस्था ने प्रशंसकों को अपनी इच्छानुसार ऊंची कीमत पर टिकट बेचने की अनुमति दे दी है और हर लेनदेन पर 30 फीसदी शुल्क भी वसूल रही है। वहीं फीफा का कहना है किटिकटों की अधिक कीमतों के बाद भी मांग पर विशेष असर नहीं पड़ा है। प्रशंसकों का मानन है कि इस बार कीमतें काफी अधिक हैं। उनके मुताबिक, अमेरिका अब तक का सबसे खराब मेजबान साबित होगा।

टेस्ट और काउंटी क्रिकेट को पसंद करते हैं एंडरसन

लंदन

इंग्लैंड के दिग्गज क्रिकेटर जेम्स एंडरसन का कहना है कि वह टेस्ट और काउंटी क्रिकेट को ही अधिक पसंद करते है। वहीं द हंड्रेड लीग में उनकी कोई रुचि नहीं है। एंडरसन के अनुसार टेस्ट और काउंटी क्रिकेट खेलना ही अब उनका लक्ष्य है। एंडरसन के इस बयान से एक बार फिर द हंड्रेड प्रारुप पर सवाल उठे हैं। इस तेज गेंदबाज ने कहा कि पिछली बार उन्होंने इस लीग में खेला था तब उन्हें ये पसंद नहीं आयी थी।

एंडरसन टेस्ट क्रिकेट में सात सौ से ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाजों में शामिल हैं। ऐसे में उनके बयान से इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीसी) को निराशा जाना तय है क्योंकि ईसीसी पिछले कुछ समय से इस सबसे छोटे प्रारुप को लोकप्रिय बनाने में लगी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एंडरसन ने पिछले साल मैनचेस्टर ओरिजिनल्स टीम की ओर से द हंड्रेड में तीन मुकाबले खेले थे। इससे पहले वह टी20 प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन कर चुके थे पर इस सबसे छोटे प्रारुप में वह अधिक सफल नहीं रहे। इस तेज गेंदबाज के अनुसार उन्होंने इस लीग में खेलने के दौरान कभी भी अच्छा नहीं लगा और वे इसमें खेलने की जगह पर या तो आराम करेंगे ये अपनी फिटनेस पर ध्यान देंगे। एंडरसन अब टेस्ट प्रारुप पर ही अधिक ध्यान देना चाहते हैं। वह काउंटी टीम लंकाशायर के नियमित कप्तान भी रहे हैं और उनका पूरा ध्यान चार दिन के मुकाबलों में टीम को मजबूत बनाने पर है।पिछले सत्र में उन्होंने अंतरिम कप्तान के तौर पर टीम को पांच मैचों में से दो में जीत दिलायी थीं। इसके बाद उन्हें स्थायी कप्तान बनाया गया। उन्होंने इस जिम्मेदारी को सम्मान की बात बताते हुए कहा कि टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा संतुलन है। इस बार उनका लक्ष्य इस सत्र में अपनी टीम को शीर्ष डिविजन में वापसी करानी है। उन्होंने साफ कहा कि टीम को प्रमोशन दिलाना उनकी प्राथमिकता है और इसके साथ ही वह चाहते हैं कि खिलाड़ी खेल का आनंद भी लें

मुक्केबाज गंगा सिंह का लक्ष्य अंडर-23 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में पदक जीतना

चंडीगढ़। हरियाणा के करनाल के मुक्केबाज गंगा सिंह को अगले माह 3 जुलाई से शुरू हो रही अंडर-23 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इस प्रतियोगिता में गंगा 55 किलोग्राम भारवर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। अब इस युवा मुक्केबाज का लक्ष्य जीत के साथ ही अंतरराष्ट्रीय मंच पर पदक जीतकर अपनी प्रतिभा को दिखाना रहेगा। बेंगलुरु के जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स सेंटर में अभ्यास करके गंगा ने कड़ी मेहनत और लगन से भारतीय टीम में जगह बनायी है। गंगा ने इससे पहले आस्ट्रेलिया और सर्बिया में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी स्वर्ण पदक जीतकर अपनी क्षमताएं दिखायी थीं। गंगा का लक्ष्य साल साल 2028 ओलंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करना है, इसी को देखते हुए वह जकार्ता में बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। उनके नाम अब तक कई उपलब्धियां हैं। उन्होंने सला 2019 में दमनदीप में आयोजित स्कूल नेशनल मुक्केबाजी में कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा, वह यूथ हरियाणा बाक्सिंग चैंपियनशिप में दो बार स्वर्ण पदक विजेता रहे हैं। बेंगलुरु में आयोजित आरईसी ओपन चैंपियनशिप में भी उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था। अखिल भारतीय बाक्सिंग चैंपियनशिप और यूनिवर्सिटी बाक्सिंग चैंपियनशिप में भी उनके नाम स्वर्ण पदक है। उनके छोटे भाई रुद्र भी पैरा ओलंपिक प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी क्षमता का परिचय दे चुके।

जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने रचा इतिहास पहली बार बने ग्रैंड स्लैम चैंपियन

पांच सेटों के मैराथन मुकाबले में फ्लेवियो कोबोली को दी मात; 30 करोड़ रुपये की इनामी राशि पर जमाया कब्जा

पेरिस

रविवार को पेरिस के ऐतिहासिक फिलिप-चेट्रियर स्टेडियम में टेनिस जगत को एक नया बादशाह मिल गया। पुरुष एकल के फाइनल मुकाबले में जर्मनी के दूसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने इटली के फ्लेवियो कोबोली को पांच सेटों के रोमांचक संघर्ष में 6-1, 4-6, 6-4, 7-6(5), 6-1 से पराजित कर फ्रेंच ओपन 2026 का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम कर लिया। पिछले तीन ग्रैंड स्लैम फाइनल में हार का दंश झेल चुके 29 वर्षीय ज्वेरेव ने इस जीत के साथ अपने करियर के सबसे बड़े सूखे को समाप्त किया और पेरिस की लाल मिट्टी पर अपनी बादशाहत कायम की।

मैच की शुरुआत से ही ज्वेरेव ने अपनी लय और आक्रामकता का प्रदर्शन किया। उन्होंने पहला सेट बिना किसी परेशानी के 6-1 से अपने नाम कर एक मजबूत शुरुआत की। हालांकि, फ्लेवियो कोबोली ने हार नहीं मानी और दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए मुकाबले को बराबरी पर ला खड़ा किया। तीसरे सेट में ज्वेरेव ने अपनी मानसिक दृढ़ता दिखाते हुए इसे 6-4 से जीता, लेकिन चौथे सेट के टाइ-ब्रेकर में कोबोली ने ज्वेरेव की सर्विस तोड़ते हुए मैच को पांचवें और निर्णायक सेट तक खींच लिया।

मैच के पांचवें और अंतिम सेट में ज्वेरेव ने अपने अनुभव का बखूबी उपयोग किया। शारीरिक थकान के बावजूद, जर्मन खिलाड़ी ने अपनी रणनीति में बदलाव किया और कोबोली की सर्विस को तीन बार ब्रेक करते हुए मात्र 39 मिनट में सेट को 6-1 से अपने नाम कर लिया। अंतिम गेम में कोबोली के एक अनफोर्स्ड एरर के साथ ही ज्वेरेव ने चैंपियनशिप ट्राफी पर अपना कब्जा जमा लिया। पूरे मैच के दौरान ज्वेरेव की पहली सर्विस की गति 210 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक रही, जिसने कोबोली की वापसी की हर कोशिश को नाकाम कर दिया।

इस ऐतिहासिक खिताबी जीत के साथ ही ज्वेरेव ने 2,800,000 यूरो यानी लगभग 30 करोड़ 80 लाख रुपये की मोटी इनामी राशि अर्जित की है। वहीं, पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले 24 वर्षीय फ्लेवियो कोबोली को उपविजेता के रूप में 1,400,000 यूरो यानी करीब 15 करोड़ 42 लाख रुपये की पुरस्कार राशि मिली है। जीत के बाद ज्वेरेव काफी भावुक नजर आए और उन्होंने कहा कि पेरिस की यह लाल मिट्टी हमेशा उनके लिए विशेष रहेगी और कोबोली का खेल भविष्य की नई संभावनाओं को दर्शाता है। 4 घंटे 13 मिनट तक चले इस मैराथन मुकाबले ने यह सिद्ध कर दिया कि ज्वेरेव अब विश्व टेनिस के सबसे बड़े मंच पर अपनी जगह स्थायी रूप से बना चुके हैं। फिलिप-चेट्रियर स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों ने इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनकर नए चैंपियन का गर्मजोशी से अभिनंदन किया।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष बने तमीम इकबाल, पारदर्शिता और सुधार का किया वादा

ढाका

बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को रविवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) का नया अध्यक्ष चुन लिया गया। निर्विरोध निर्वाचित हुए तमीम ने बोर्ड की कमान संभालते हुए पारदर्शिता बढ़ाने, खिलाड़ियों को सम्मान दिलाने और बांग्लादेश क्रिकेट की छवि को फिर से मजबूत बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

36 वर्षीय तमीम अगले चार वर्षों तक बोर्ड का नेतृत्व करेंगे। चुनाव के बाद उन्होंने कहा कि यह पद उनके लिए सम्मान से अधिक एक बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने क्रिकेट प्रशासन को लेकर कई मुद्दे उठाए थे और अब उन्हें खुद को साबित करने का अवसर मिला है। ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में आयोजित चुनाव में 23 निदेशकों का चयन किया गया, जबकि सरकार द्वारा नामित दो प्रतिनिधियों के शामिल होने के बाद बोर्ड की कुल सदस्य संख्या 25 हो गई। इसके बाद नई परिषद ने सर्वसम्मति से तमीम को अध्यक्ष चुना।

तमीम ने अपने कार्यकाल की प्राथमिकताओं में आधुनिक हाई परफार्मेंस सेंटर (एचपीसी) की स्थापना को सबसे ऊपर बताया। उन्होंने कहा कि यह उनका सबसे बड़ा सपना है और इसके लिए सरकार का सहयोग भी आवश्यक होगा। प्रस्तावित केंद्र को ढाका के निकट पूर्वाचल क्षेत्र में विकसित करने की योजना है, जो मौजूदा प्रशिक्षण सुविधाओं की तुलना में कहीं अधिक उन्नत होगा।

नए अध्यक्ष ने बांग्लादेश क्रिकेट की हालिया चुनौतियों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ वर्षों में खिलाड़ियों और अन्य हितधारकों को अपेक्षित सम्मान नहीं मिला, जिससे क्रिकेट की छवि प्रभावित हुई। तमीम ने जोर देकर कहा कि वर्तमान और पूर्व दोनों खिलाड़ियों के सम्मान और सहभागिता को प्राथमिकता दी जाएगी।

उन्होंने बोर्ड के कामकाज में अधिक जवाबदेही और पारदर्शिता का भरोसा भी दिलाया। तमीम ने कहा कि उनका लक्ष्य ईमानदारी के साथ काम करना है और यदि कोई गलती होती है तो उसे जल्द से जल्द सुधारने की कोशिश की जाएगी।

बांग्लादेश के महानतम क्रिकेटरों में से एक तमीम इकबाल ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 391 मैच खेले और तीनों प्रारूपों में 15,000 से अधिक रन बनाए हैं। कप्तान के रूप में उन्होंने बांग्लादेश को 21 जीत दिलाई, जिनमें 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऐतिहासिक वनडे श्रृंखला जीत भी शामिल है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से 2025 की शुरुआत में संन्यास लेने के बाद भी तमीम घरेलू क्रिकेट खेलते रहे, लेकिन ढाका प्रीमियर लीग के एक मैच के दौरान दिल का दौरा पड़ने के बाद उनके खेल करियर का अंत हो गया। अब वह प्रशासनिक भूमिका में बांग्लादेश क्रिकेट को नई दिशा देने की जिम्मेदारी संभालेंगे।

सट्टेबाजों की सक्रियता, मजबूत रुपए से तेल-तिलहन बाजार में गिरावट रही

सरसों, मूंगफली, सोयाबीन समेत अधिकांश तेल-तिलहन के दाम लुढ़के; बिनौला में मामूली तेजी

नई दिल्ली

बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजारों में सट्टेबाजों की बढ़ती सक्रियता और डालर के मुकाबले रुपये के मजबूत होने से अधिकांश खाद्य तेलों के दाम में गिरावट दर्ज की गई। वैश्विक बाजारों की कमजोरी और आयात सस्ता होने का भी असर दिखा। बाजार में सटोरियों की सक्रियता, मजबूत होते रुपये और विदेशों में टूटते बाजारों के चलते बीते सप्ताह सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल जैसे अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम गिरे। रुपये के मजबूत होने से आयात सस्ता हो गया, जिससे आयातक लागत से नीचे दाम पर तेल बेच रहे हैं। गर्मी की फसल की आवक की चर्चा ने मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट लाई। सटोरियों ने सोयाबीन का दाम तोड़कर स्टाक जमा करने और बाद में ऊंचा बोलने का प्रयास किया। हालांकि, कम उपलब्धता और बढ़ती मांग के कारण बिनौला तेल के दाम में मामूली सुधार आया। विशेषज्ञों ने सरकार से अपील की है कि आयातकों द्वारा लागत से कम दाम पर तेल बेचकर विदेशी मुद्रा के नुकसान पर सख्त निगरानी रखे। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 125 रुपये की गिरावट के साथ 7,650-7,675 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,550 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 20-20 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,580-2,680 रुपये और 2,580-2,725 रुपये टिन (15 किलो) पर मजबूत बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 450-250 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,975-7,025 रुपये और 6,825-6,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,700 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,650 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 120 रुपये की गिरावट के साथ 12,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गर्मी की फसल आने की चर्चा के बीच बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 25 रुपये की गिरावट के साथ 6,600-7,175 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 300 रुपये की गिरावट के साथ 15,700 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 55 रुपये की गिरावट के साथ 2,490-2,790 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 150 रुपये की गिरावट के साथ 13,800 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,600 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 200 रुपये की गिरावट के साथ 14,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। कम उपलब्धता के बीच मांग बढ़ने से बिनौला तेल का दाम 25 रुपये के सुधार के साथ 15,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

न्यूज ब्रीफ

मारुति फ्रोंक्स की 20,686 यूनिट्स की शानदार बिक्री

नई दिल्ली। मारुति फ्रोंक्स ने मई 2026 में देश के एसयूवी सेगमेंट में सबसे ज्यादा बिकने वाला माडल बनकर सभी को चौंका दिया। इस एसयूवी ने बीते महीने बिक्री में 52 प्रतिशत की प्रभावशाली वार्षिक वृद्धि दर्ज की। इस काम्पैक्ट एसयूवी ने 20,686 यूनिट्स की शानदार बिक्री के साथ टाटा पंच, नेक्सन, हुंडई क्रेटा और महिंद्रा स्कार्पियो जैसी लोकप्रिय एसयूवी को पीछे छोड़ दिया। फ्रोंक्स की यह सफलता इसके आकर्षक डिजाइन, उन्नत फीचर्स और विश्वसनीय प्रदर्शन का परिणाम है, जो 6.85 लाख रुपये की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत पर उपलब्ध है। मारुति फ्रोंक्स दो इंजन विकल्पों के साथ आती है: एक 1.0-लीटर टर्बो बूस्टरजेट इंजन, जो 5.3 सेकंड में 0 से 60 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकता है, और एक एडवांस्ड 1.2-लीटर के-सीरीज डुअल जेट, डुअल वीवीटी इंजन जो स्मार्ट हाइब्रिड टेक्नोलाजी से लैस है। ये इंजन 6-स्पीड आटोमैटिक ट्रांसमिशन (पैडल शिफ्टर के साथ) या आटो गियर शिफ्ट विकल्प के साथ आते हैं और 22.89 किलोमीटर प्रति लीटर तक का प्रभावशाली माइलेज प्रदान करते हैं। सुरक्षा के लिए, इसमें 6 एयरबैग, रियर व्यू कैमरा, हिल होल्ड असिस्ट, इलेक्ट्रानिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम (ईएसपी), रिवर्स पार्किंग सेंसर, 3-पाइंट ईएलआर सीट बेल्ट और आईएसओफिक्स चाइल्ड सीट एंकरेज पाइंट जैसे फीचर्स दिए गए हैं, जो इसे इस सेगमेंट की सबसे सुरक्षित कारों में से एक बनाते हैं। इसके अलावा फ्रोंक्स में हेड-अप डिस्प्ले, क्रूज कंट्रोल, लेदर रैप्ड स्टीयरिंग व्हील, 16-इंच डायमंड कट अलाय व्हील, वायरलेस चार्जर, वायरलेस स्मार्टफोन कनेक्टिविटी के साथ 9-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम (एंड्रायड आटो और एप्पल कारप्ले को सपोर्ट), रियर एसी वेंट्स, फास्ट यूएसबी चार्जिंग पाइंट और कनेक्टेड कार फीचर्स जैसी सुविधाएं मिलती हैं।

उज्बेकिस्तान का भारतीय फार्मा को न्योता, बनेगा क्षेत्रीय हब, सब्सिडी, तकनीक हस्तांतरण से निवेश, द्विपक्षीय व्यापार में तेजी

नई दिल्ली। उज्बेकिस्तान भारतीय दवा कंपनियों को आकर्षित करने हेतु सब्सिडी, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण व सरल नियमन की पेशकश कर रहा है। देश का लक्ष्य खुद को क्षेत्रीय दवा विनिर्माण और आपूर्ति केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

एक अधिकारी ने बताया कि स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने हेतु नियामक मंजूरियों को आसान बनाना, लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं को सरल करना और नौकरशाही बाधाएं कम करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्पष्ट व अनुमान लगाने योग्य नियामकीय समयसीमा से स्थानीय उत्पादन अधिक आकर्षक होगा। इसके अतिरिक्त, कर प्रोत्साहन, सब्सिडी, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण व औद्योगिक संकुलों में भागीदारी भी निवेश बढ़ाएगी। उन्होंने बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा व दीर्घकालिक नीतिगत स्थिरता को उच्च मूल्य वाले फार्मा निवेश के लिए अहम बताया। ये सुधार भारतीय कंपनियों को स्थानीय स्तर पर आवश्यक दवाओं के उत्पादन में मदद करेंगे, जो उज्बेकिस्तान में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुधारेगा और उसे क्षेत्रीय केंद्र के रूप में मजबूत करेगा।

प्याज पर ढील बेअसर, किसान बोले- एमएसपी 3000 रुपए प्रति क्विंटल हो

नासिक। महाराष्ट्र के प्याज किसानों ने केंद्र सरकार द्वारा प्याज खरीद के मानकों में दी गई ढील का स्वागत किया है, लेकिन इसे नाकाफी बताते हुए अधिक राहत की मांग की है। किसानों का कहना है कि असली समस्या

खरीद मानकों की नहीं, बल्कि कम कीमतों की है और उन्होंने प्याज के लिए 3,000 रुपये प्रति क्विंटल का न्यूनतम खरीद मूल्य (एमएसपी) तय करने की मांग की है। भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) और भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) द्वारा लगभग 1,580 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही खरीद किसानों की औसत उत्पादन लागत (लगभग 1,800 रुपए प्रति क्विंटल) को भी पूरा नहीं करती। महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ के अनुसार, ढील के बावजूद किसान घाटे में हैं। किसानों ने खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी पर चिंता जताई है। उन्होंने नेफेड और एनसीसीएफ से प्रतिदिन खरीदे गए प्याज और किसानों की सूची सार्वजनिक करने, साथ ही खरीद कृषि उपज मंडी समितियों (एपीएमसी) के माध्यम से कराने की मांग की है। इसके अतिरिक्त, पिछले चार-पांच महीनों में कम कीमत पर प्याज बेचने वाले लाखों किसानों को 1,500 रुपए प्रति क्विंटल की सब्सिडी देने की भी मांग की गई है ताकि वे हुए नुकसान की भरपाई कर सकें।

हुंडई आरा हुई महंगी, कीमत में 5,700 रुपये तक का इजाफा

नई दिल्ली

जून 2026 के लिए हुंडई ने अपनी सबसे ज्यादा बिकने वाली सेडान आरा की कीमतों में बदलाव किया है और साथ ही इसके कुछ वेरिएंट्स को बंद भी कर दिया है। आरा की कीमतों में अब 0.83 प्रतिशत या 5,700 रुपये तक का इजाफा किया गया है।हालाँकि अच्छी बात यह है कि कंपनी ने इसके शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है।

कंपनी ने आरा एस पेट्रोल-आटो (एएमटी) और ई सीएनजी-मैनुअल वेरिएंट को स्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया है। हुंडई आरा में 1.2-लीटर कप्पा पेट्रोल इंजन दिया गया है, जिसे 5-स्पीड मैनुअल या आटोमैटिक ट्रांसमिशन यूनिट के साथ जोड़ा गया है। यह इंजन 83 पीएस का पावर और 113.8 एनएम का पीक टार्क जनरेट करता है। इसके सीएनजी वर्जन में 1.2-लीटर बाय-फ्यूल पेट्रोल इंजन मिलता है, जो 69 पीएस का पावर और 95.2 एनएम का पीक टार्क जनरेट करता है। हुंडई का दावा है कि इसका सीएनजी माडल 28 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज दे सकता है। कंपनी इस कार पर 3 साल या 1 लाख किलोमीटर की वारंटी भी आफर कर रही है, जो प्रतिस्पर्धी मारुति डिजायर की वारंटी से बेहतर है। आरा फेसलिफ्ट में क्रूज कंट्रोल और बेस्ट-इन-सेगमेंट 8-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम जैसी सुविधाएं मिलती हैं। नई एलईडी डीआरएल और कनेक्टेड डिजाइन के साथ एलईडी टेल लैंप इसके एक्सटीरियर को आकर्षक बनाते हैं। सुरक्षा के लिए, हुंडई ने आरा के फेसलिफ्ट वर्जन में 30 से ज्यादा नए सेफ्टी फीचर्स जोड़े हैं, जिनमें 4 एयरबैग स्टैंडर्ड और 6 एयरबैग का विकल्प, इलेक्ट्रानिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, व्हीकल स्टेबिलिटी मैनेजमेंट और हिल असिस्ट कंट्रोल जैसे फीचर्स दिए हैं। ग्राहक वारंटी को 7 साल तक बढ़ा सकते हैं।इसमें ईको कोटिंग टेक्नोलाजी, रियर एसी वेंट्स, इमरजेंसी स्टाप सिग्नल, कूल्ड ग्लाव बाक्स, फ्रेश ग्रे अपहोल्स्ट्री, फुटवेल लाइटिंग, टाइप सी फ्रंट यूएसबी चार्जर और टायर प्रेशर मानिटरिंग सिस्टम शामिल हैं।

हुंडई क्रेटा मिडसाइज एसयूवी को जल्द मिलने वाली है कड़ी टक्कर

नई दिल्ली । स्वदेशी कंपनी टाटा और निसान की ओर से हुंडई क्रेटा मिडसाइज एसयूवी को कड़ी टक्कर मिलने वाली है। भारतीय बाजार में दोनों कंपनियां अगले कुछ हफ्तों में अपनी नई एसयूवी पेश करने जा रही हैं। टाटा सिएरा ईवी इसी महीने बाजार में दस्तक देने की उम्मीद है, जबकि निसान टेक्टान 9 जुलाई 2026 को लान्च होने वाली है। टाटा सिएरा ईवी का ग्राहकों को बेसब्री से इंतजार है और यह सीधे हुंडई क्रेटा इलेक्ट्रिक को टक्कर देगी। टाटा ने पुष्टि की है कि सिएरा ईवी रियर-व्हील ड्राइव (आरडब्ल्यूडी) और आल-व्हील ड्राइव (एडब्ल्यूडी) दोनों कान्फिगरेशन में उपलब्ध होगी। इसमें हैरियर ईवी जैसे 65केडब्ल्यूएच और 75केडब्ल्यूएच के बैटरी पैक मिलने की उम्मीद है, साथ ही पंच ईवी की तरह एक इंटीग्रेटेड ड्राइव यूनिट (आईडीयू) भी हो सकती है। इसके डिजाइन में बाडी कलर क्लोज्ड ग्रिल, रिवाइज्ड बंपर और एयरो-आप्टिमाइज्ड अलाय व्हील्स जैसे विशिष्ट ईवी तत्व होंगे, साथ ही इंटीरियर में ईवी-विशिष्ट साफ्टवेयर अपडेट भी मिलेंगे। दूसरी ओर, निसान टेक्टान रेनो डस्टर का ही रीबैज्ड वर्जन है, लेकिन इसमें निसान की फ्लैगशिप पैट्रोल एसयूवी से प्रेरित एक अलग डिजाइन लैंग्वेज का उपयोग किया गया है। टेक्टान में पैट्रोल-प्रेरित चौड़ी ग्रिल, एलईडी हेडलाइट्स, कनेक्टेड एलईडी डीआरएल और नए डिजाइन के अलाय व्हील जैसे आकर्षक फीचर्स होंगे। हुंडई भी अपनी नेक्स्ट जेनरेशन क्रेटा को अगले साल लान्च करने की तैयारी में है, जिससे इस सेगमेंट में प्रतिस्पर्धा और बढ़ जाएगी। यह डस्टर के साथ अपना प्लेटफार्म और इंजन साझा करेगी, जिसमें 100 बीएचपी, 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल और 163 बीएचपी, 1.3 लीटर डायरेक्ट-इंजेक्शन टर्बो पेट्रोल इंजन के विकल्प मिलेंगे।

इलेक्ट्रिक स्कूटर एक्टिवा ई और क्यूसी1 की बिक्री में आई तेजी

नई दिल्ली

मई 2026 में होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अपनी अब तक की सबसे बेहतर मासिक बिक्री दर्ज की है। होंडा ने अपने दो इलेक्ट्रिक स्कूटर माडल, एक्टिवा ई और क्यूसी1 की संयुक्त रूप से 520 इकाइयों की बिक्री की। पहली बार ऐसा हुआ है जब होंडा ने एक महीने में 500 से अधिक इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचने में सफलता हासिल की है। कंपनी के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि मई 2025 में उसकी कुल बिक्री 383 इकाइयों तक सीमित थी।

इस तरह एक वर्ष के भीतर बिक्री में 36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इससे पहले जुलाई 2025 में 461 इकाइयों की बिक्री कंपनी का सर्वोच्च मासिक प्रदर्शन था। हालांकि, होंडा की बिक्री अभी भी इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार की अग्रणी कंपनियों टीवीएस मोटर और बजाज आटो से काफी पीछे है, जिनकी मासिक बिक्री 35,000 से 40,000 इकाइयों के बीच रहती है।

इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में जापानी कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा भी लगातार तेज हो रही है। वर्ष 2026 में अब तक होंडा ने 1,574 इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे हैं, जबकि सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया की बिक्री 1,515 इकाइयों तक पहुंची है। वहीं, यामाहा ने भी इस सेगमेंट में प्रवेश किया है, लेकिन उसकी बिक्री अभी शुरुआती स्तर पर है।

होंडा एक्टिवा ई में 3 किलोवाट घंटा क्षमता वाली दो स्वैपेबल बैटरियां दी गई हैं, जो एक बार चार्ज करने पर 102 किलोमीटर तक की रेंज देने का दावा करती हैं। इसकी अधिकतम गति 80 किलोमीटर प्रति घंटा है। दूसरी ओर, क्यूसी1 में फिक्स्ड बैटरी पैक दिया गया है, जो 80 किलोमीटर तक की रेंज और 50 किलोमीटर प्रति घंटा की शीर्ष गति प्रदान करता है। कंपनी ने दोनों माडलों को मुख्य रूप से शहरी यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

टीएमसी का...

24 मई को आए नतीजे में जहांगीर की हार हुई। इसके बाद से जहांगीर लगभग गायब ही रहे। उन्हें न तो घर पर देखा गया और न ही पार्टी कार्यालय में।

मई 2026 में जहांगीर ने कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर कर अपने खिलाफ दर्ज मामलों की जानकारी और गिरफ्तारी से संरक्षण मांगा था। उनका आरोप था कि उनके खिलाफ लगातार कई आपराधिक मामले दर्ज किए जा रहे हैं।

जहांगीर के खिलाफ 2019 में दर्ज एक मामले में और फालता री-पोल से पहले हाईकोर्ट ने सिक्योरिटी दी थी, लेकिन 26 मई को सभी सुरक्षा वापस ली गई थीं।

पुष्पा स्टाइल छवि और चुनावी हार

जहांगीर खान ने चुनाव प्रचार के दौरान खुद को फिल्म 'पुष्पा' के किरदार की तरह पेश किया था। उन्होंने कई बार फिल्म का चर्चित डायलॉग पुष्पा झुकेगा नहीं साला भी बोला था। उन्होंने खुद को इलाके के ऐसे मजबूत नेता के रूप में पेश किया, जो किसी दबाव के सामने नहीं झुकेगा।

भाजपा को टीएमसी उम्मीदवार से 1.41 लाख ज्यादा वोट मिले। फालता में सबसे बड़े अंतर से जीत का रिकॉर्ड बना था। देबांग्शु ने 1,09,021 के अंतर से जीत दर्ज की। दूसरी बार हुए चुनाव के नतीजों में जहांगीर 7783 वोटों के साथ चौथे नंबर पर रहे। फालता में 2011 के बाद लगातार तीन बार टीएमसी जीती थी।

29 अप्रैल को मतदान के बाद फालता क्षेत्र में तनाव काफी बढ़ गया था। उस दिन कई बूथों से शिकायतें मिली थीं कि ईवीएम पर भाजपा के सिंबल पर टेप चिपकाया गया। तत्कालीन ऑब्जर्वर सुब्रत गुप्ता ने खुद निर्वाचन क्षेत्र का दौरा किया और जांच-पड़ताल की। कम से कम 60 बूथों में छेड़छाड़ के सबूत मिले।

ईवीएम में कथित हेरफेर के अलावा, जांच में यह भी सामने आया कि कई मतदान केंद्रों पर लगे वेब कैमरों में फुटेज के साथ भी छेड़छाड़ करने की कोशिशें की गई थीं।

साथियों ने...

बीच समन्वय बैठकों का सिलसिला जारी रहेगा। गठबंधन ने मतदाता सूची संशोधन में कथित अनियमितताओं के मुद्दे पर भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखने का भी फैसला किया है।

इसके अलावा, नीट पेपर लीक और सीबीएसई रिवैल्यूएशन विवाद को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के तत्काल इस्तीफे की मांग दोहराई गई। विपक्षी दलों ने देश की आर्थिक स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की समस्याओं और वंचित वर्गों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए केंद्र सरकार से सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग भी की।

बैठक में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) और आम आदमी पार्टी (आप) की अनुपस्थिति भी चर्चा का विषय रही। सूत्रों के अनुसार, दोनों दलों ने कांग्रेस के साथ मतभेदों के कारण बैठक में हिस्सा नहीं लिया।

डीएमके ने तमिलनाडु में अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके के प्रति कांग्रेस के कथित समर्थन पर नाराजगी जताते हुए बैठक से दूरी बनाई। डीएमके नेताओं ने कांग्रेस पर दशकों पुराने गठबंधन को राजनीतिक लाभ के लिए कमजोर करने का आरोप लगाया।

वहीं, आम आदमी पार्टी औपचारिक रूप से इंडिया ब्लॉक का हिस्सा होने के बावजूद पंजाब में कांग्रेस के साथ सीधी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा में है, जहां 2027 में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं।

जून 2024 में लोकसभा चुनाव से पहले हुई बैठक के बाद यह इंडिया ब्लॉक की पहली औपचारिक बैठक थी। हालिया विधानसभा चुनावों के बाद बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच इस बैठक को विपक्षी रणनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पिघला लोहा ...

के स्टील प्लांट में हुआ। हादसे के बाद प्लांट परिसर में अफरा-तफरी मच गई। राहत और बचाव दल ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया।

अधिकारियों ने कहा कि फिलहाल हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। पता लगाया जा रहा है कि कहीं दुर्घटना की वजह तकनीकी खराबी या सुरक्षा मानकों में किसी तरह की चूक तो नहीं हुई।

सीएम और पीएम ने जताया दुख, मदद की घोषणा

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने हादसे पर दुख जताया। वहीं गृह मंत्री वंगालापुडी अनिता ने विशाखापट्टनम के कलेक्टर और सिटी पुलिस कमिश्नर से फोन पर बात कर हादसे की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को घायलों को बेहतर इलाज दिलाने और रेस्क्यू ऑपरेशन तेज करने के निर्देश दिए।

हादसे पर पीएम नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि इस दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति उनकी संवेदनाएं हैं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। मोदी ने पीड़ितों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनअ-ारएफ) से मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा भी की।

पीओके हिंसा ...

पाकिस्तानी अखबार डॉन के मुताबिक पुलिस का आरोप है कि जेएएसी से जुड़े लोगों ने सुरक्षाकर्मियों पर शॉटगन और अन्य हथियारों से हमला किया। पुलिस ने घटना को आतंकवादी कार्रवाई करार देते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

पीओके सरकार ने जेएएसी पर 5 जून को बैन लगाया था। बैन लगाने के लिए सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला दिया। इसके अगले दिन पुलिस ने संगठन के समर्थकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की और कई गिरफ्तारियां कीं।

प्रशासन का दावा है कि जेएएसी की 38 मांगों में से ज्यादातर मांगों को पहले ही स्वीकार किया जा चुका है। इसके बावजूद संगठन अपना आंदोलन जारी रखे हुए है। जेएएसी के आंदोलन की अहम वजह विधानसभा की 12 आरक्षित सीटें हैं, जिन्हें खत्म करने की मांग की जा रही है।

असल में ये 12 सीटें उन लोगों के लिए आरक्षित हैं, जो जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में जाकर बसे थे। ये लोग 1947, 1965, 1971 युद्ध या बाद के संघर्षों की वजह से गए थे।

जेएएसी का आरोप है कि आरक्षित सीटों के कारण स्थानीय आबादी का प्रतिनिधित्व कम हो जाता है और इसका फायदा कुछ ही परिवारों को मिल रहा है। वे चाहते हैं कि उनकी समस्याओं और जरूरतों के लिए अधिक विधायक चुने जाएं।

गिलगित-बाल्टिस्तान के बाद 27 जुलाई को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में विधानसभा चुनाव कराए जाएंगे। पीओके की विधानसभा में कुल 53 सीटें हैं। इनमें से 45 सीटों पर सीधे चुनाव होता है, जबकि 8 सीटें महिलाओं, तकनीकी विशेषज्ञों और धार्मिक विद्वानों के लिए आरक्षित हैं।

पीओके में विधानसभा का कार्यकाल पांच साल का होता है। इससे पहले 2021 में पीओके विधानसभा चुनाव में इमरान खान की पार्टी (पीटीआई) ने 45 में से 25 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी। इसके बाद सरदार अब्दुल कय्यूम नियाजी प्रधानमंत्री बने। हालांकि अप्रैल 2022 में इमरान खान की सरकार गिर गई। इसका असर वहां की राजनीति पर भी पड़ा।

मई 2022 में सरदार अब्दुल कय्यूम नियाजी ने इस्तीफा दे दिया। इसके बाद पीटीआई ने ही सरदार तनवीर इलियास को नया प्रधानमंत्री बनाया। लेकिन अप्रैल 2023 में पीओके की उच्च अदालत ने उन्हें अदालत की अवमानना के मामले में अयोग्य घोषित कर दिया। इसके बाद उनका पद चला गया और एक बार फिर नया प्रधानमंत्री चुनना पड़ा। इसके बाद पीटीआई के ही चौधरी अनवरुल हक प्रधानमंत्री बने। लेकिन कुछ ही समय बाद उन्होंने इमरान खान और पीटीआई से दूरी बना ली और खुद को स्वतंत्र नेता के रूप में स्थापित किया। चौधरी अनवरुल हक को भी नवंबर 2025 में अविश्वास प्रस्ताव के जरिए हटा दिया गया था, और अब वहां पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) के फैसल मुमताज राठौर नए प्रधानमंत्री हैं।

ब्रिटेन की फटकार से बौखलाया पाकिस्तान

पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) में मानवाधिकार उल्लंघनों की बात कोई नई नहीं है। अब पाकिस्तानी सरकार ने पीओके में कुछ ऐसा किया है जिसकी आलोचना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हो रही है। ब्रिटेन के 30 से अधिक सांसदों के एक समूह ने, जिसकी अगुवाई लेबर पार्टी के सांसद इमरान हुसैन कर रहे हैं, ब्रिटेन की विदेश मंत्री यवेट कूपर को पत्र लिखकर पीओके में संचार सेवाओं पर रोक, गिरफ्तारियों और बढ़ते तनाव पर चिंता जताई है।

मानवाधिकार उल्लंघनों पर ब्रिटेन की ओर से निंदा को लेकर पाकिस्तान बिफर पड़ा है। पाकिस्तान ने सोमवार को ब्रिटेन से कहा कि वो अपने सांसदों और ब्रिटेन में रहने वाले पाकिस्तानी मूल के लोगों को ऐसा करने से रोके। पाकिस्तान का दावा है कि इस मुद्दे पर दिए गए उनके बयान क्षेत्र के ऐतिहासिक संदर्भ की अनदेखी करते हैं।

पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा, हमने ब्रिटेन में प्रवासी समुदाय के कुछ लोगों की जम्मू-कश्मीर को लेकर की गई गैर-जिम्मेदाराना और अधूरी जानकारी पर आधारित टिप्पणियों को गंभीर चिंता के साथ नोट किया है। विदेश मंत्रालय ने संबंधित लोगों को पाकिस्तान और पीओके के मामलों को अपना अंदरूनी मामला बताया और कहा कि इसमें हस्तक्षेप नहीं किया जाना चाहिए। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तानी मूल के लोग जहां रह रहे हैं, उन्हें वहां के विकास पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए।ब्रिटिश विदेश मंत्री को लिखे पत्र में सांसदों ने आग्रह किया है कि वो इस मामले में पाकिस्तान से स्थिति स्पष्ट करने को कहें और तनाव कम करने के लिए कदम उठाने का दबाव बनाए।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 09 जून, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अभिमान मनुष्य के पतन का कारण, विनम्रता ही भक्ति का आभूषण : पं. मनोज त्रिवेदी

श्रीमद्भागवत कथा में अहंकार त्यागकर सेवा, भक्ति और विनम्रता अपनाने का संदेश

हैदराबाद, 08 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
परम पावन पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में श्री गिरिराज जी मंदिर के निकट, कोठी सुल्तान बाजार स्थित विश्रामगढ़ गोपूजा समाज वाड़ी में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में कथाव्यास पंडित मनोज त्रिवेदी श्रीमाली ने कहा कि परमात्मा किसी भी जीव में सूक्ष्म से सूक्ष्म अभिमान को भी स्थायी नहीं रहने देते। भगवान अपने भक्तों और समस्त प्राणियों का कल्याण चाहते हैं, इसलिए समय-समय पर उनके अहंकार का निवारण कर उन्हें विनम्रता का पाठ पढ़ाते हैं।

भगवान अहंकार का निवारण कर सिखाते हैं विनम्रता

कथाव्यास ने कहा कि जब मां गंगा को अभिमान हुआ तो भगवान ने उनका अभिमान दूर किया। देवराज इन्द्र को यह गर्व हो गया था कि उनकी वर्षा से ही संसार का पालन-पोषण होता है, तब भगवान ने उनकी भ्रांति का निवारण कर उनका अभिमान भंग किया। इसी प्रकार महाबली राजा बलि को अपने दान का अभिमान हुआ तो भगवान ने वामन अवतार लेकर उनका अहंकार दूर किया और उन्हें सच्ची भक्ति का मार्ग दिखाया।

उन्होंने बताया कि रुक्मिणी जी को भी अपने अनुपम रूप का सूक्ष्म अभिमान हुआ था, जिसे भगवान ने प्रेमपूर्वक समाप्त किया। इन सभी प्रसंगों से यह शिक्षा मिलती है कि ईश्वर किसी भी प्रकार के अहंकार को स्वीकार नहीं करते और अपने भक्तों को सदैव विनम्रता का मार्ग अपनाने की प्रेरणा देते हैं।

रूप, पद और प्रतिष्ठा का अभिमान न करें

पं. श्रीमाली ने कहा कि अभिमान जीव को ईश्वर से दूर ले जाता है। मनुष्य को अपने जीवन में रूप, पद, प्रतिष्ठा, धन अथवा किसी भी उपलब्धि का अहंकार नहीं करना चाहिए। उसे सदैव सरल, सहज और विनम्र स्वभाव बनाए रखना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति के भीतर अहंकार उत्पन्न हो जाता है, उसके सद्गुण धीरे-धीरे नष्ट होने लगते हैं। अभिमान मनुष्य के पतन का प्रमुख कारण है। संसार में कोई भी वस्तु, वैभव, पद या प्रतिष्ठा स्थायी नहीं है। परमात्मा की कृपा से प्राप्त सब कुछ नश्वर है और एक दिन उसी परम सत्ता में विलीन हो जाता है।

सेवा, भक्ति और कृतज्ञता ही कल्याण का मार्ग

कथाव्यास ने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे बिना अहंकार के अपने सभी कर्तव्यों का पालन करते हुए सत्कर्म करें तथा जीवन में सेवा, विनम्रता और भक्ति को अपनाएं। उन्होंने कहा कि विनम्रता ही भक्ति का वास्तविक आभूषण है और भगवान की कृपा प्राप्त करने का सर्वोत्तम साधन भी। उन्होंने कहा कि परमात्मा के प्रति कृतज्ञ भाव रखते हुए जीवन व्यतीत करना ही मानव जीवन की सच्ची सफलता और कल्याण का मार्ग है। कथा श्रवण के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और धर्मोपदेश का लाभ प्राप्त किया।

थेलेसीमिया रोगियों के लिए रक्तदान शिविर आयोजित, 29 यूनिट रक्त संग्रहित

शिखारा ब्लिस अपार्टमेंट्स में समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान

हैदराबाद, 08 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
शिवरामपल्ली स्थित थेलेसीमिया सिकल सोसाइटी के सहयोग से अट्टापुर स्थित शिखारा ब्लिस अपार्टमेंट्स में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 29 रक्तदाताओं ने थेलेसीमिया रोगियों की सहायता के लिए स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में अपार्टमेंट के निवासियों एवं समाजसेवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। थेलेसीमिया से पीड़ित मरीजों को नियमित रूप से रक्त की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए आयोजित इस शिविर को लोगों का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम में अमित गुप्ता, प्रणव अग्रवाल, अमित वर्मा, प्रमोद सिग्नोरा, विकास केडिया, विपिन जैन, साकेत सराफ, पायल बंसल, नेहा अग्रवाल, मीना अग्रवाल, संगीता गुप्ता तथा मनीष अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

आयोजकों ने बताया कि रक्तदान जैसे पुनीत कार्यों से जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन मिलता है। शिविर के सफल आयोजन में शिखारा ब्लिस अपार्टमेंट्स के सभी सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा। उपस्थित लोगों ने भविष्य में भी इसी प्रकार के सामाजिक एवं जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

राजस्थानी ब्राह्मण सभा ने समाज की विशिष्ट विभूतियों का किया सम्मान

नि:शुल्क अस्थमा चिकित्सा सेवा देने वाले चिकित्सकों का हुआ अभिनंदन

हैदराबाद, 08 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राजस्थानी ब्राह्मण सभा हैदराबाद-सिकंदराबाद द्वारा गांधी ज्ञान मंदिर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विगत कई वर्षों से निस्वार्थ भाव से निशुल्क अस्थमा की दवाइयों का वितरण कर जनसेवा कर रहे विप्र गौरव डॉ. महावीर प्रसाद दधीच एवं डॉ. राजेन्द्र प्रसाद दधीच का सभा की ओर से शाल एवं मोती की माला पहनाकर सम्मान किया गया।

इसी क्रम में समाजसेवा एवं जननेतृत्व के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए राजस्थानी समाज के विख्यात प्रेमसिंह राठौड़ तथा सिखवाल समाज गौरव लालचंद उपाध्याय का भी शाल एवं माला पहनाकर अभिनंदन किया गया।

सभा पदाधिकारियों ने कहा कि समाज की ऐसी विभूतियां अपने कार्यों से नई पीढ़ी को प्रेरणा प्रदान कर रही हैं तथा सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत बना रही हैं।

सम्मान समारोह में सभा के महामंत्री रामदेव नागला सहित श्रीलाल पारीक, अरविंद नारायणिया, महेश अवस्थी, अनिल जायलवाल, संदीप जायलवाल, मुकेश सांडिल्य, गोपाल कृष्ण तिवाड़ी, लक्ष्मीकांत व्यास एवं आनंद ओझा सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समापन सम्मानित अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए समाज में सेवा कार्यों को निरंतर बढ़ावा देने के संकल्प के साथ हुआ।

राधे-राधे ग्रुप की सेवा देखकर आत्मा हुई तृप्त, समाज के लिए प्रेरणादायी है यह कार्य : उषा सिंघल

हैदराबाद, 08 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजसेवियों एवं श्रद्धालुओं ने भाग लेकर सेवा कार्यों में सहयोग प्रदान किया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उषा सिंघल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद बिना किसी जाति, धर्म, वर्ग एवं संप्रदाय के भेदभाव के जिस निस्वार्थ भावना से मानव सेवा का कार्य कर रहा है, वह वास्तव में समाज के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जहां अधिकांश लोग अपने व्यक्तिगत जीवन में व्यस्त हैं, वहीं राधे-राधे ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से जरूरतमंद, असहाय एवं निराश्रित लोगों तक भोजन पहुंचाकर मानवता की सच्ची सेवा कर रहे हैं।

उषा सिंघल ने बताया कि वे लंबे समय से अक्षर समाचार पत्र एवं विभिन्न सोशल मीडिया माध्यमों के जरिए राधे-राधे ग्रुप की सेवाओं के बारे में पढ़ती और सुनती आ रही थीं। उनके मन में हमेशा यह जिज्ञासा रहती थी कि आखिर यह सेवा कार्य किस प्रकार संचालित होते हैं। आज जब उन्हें स्वयं इस अन्नदान कार्यक्रम में उपस्थित होकर सेवा कार्यों को निकट से देखने का अवसर मिला, तो उनका मन अत्यंत प्रसन्न हो गया। उन्होंने कहा कि यहां उपस्थित होकर जिस समर्पण, प्रेम, आत्मीयता और विनम्रता के साथ ग्रुप के सदस्य जरूरतमंदों की सेवा कर रहे हैं, उसे देखकर उनकी आत्मा संतुष्ट और तृप्त हो गई।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भगत राम गोयल, अजय गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, पाबुराम पीपावत, मनीष चिंडालिया, सुरेश सिंघल, उषा सिंघल, सोहन लाल दायमा, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, जय प्रकाश सारड़ा, महेश अग्रवाल एवं रविंद्र शर्मा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समापन मानव सेवा, परोपकार एवं समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहयोग पहुंचाने के संकल्प के साथ हुआ। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा संचालित यह नियमित अन्नदान अभियान निरंतर जरूरतमंदों के जीवन में आशा, विश्वास और सम्मान का संचार कर रहा है।

श्री वासुपूज्य तारक धाम प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारियां तेज

विभिन्न समितियों का गठन, गुरु भगवंतों के सान्निध्य में दायित्वों का हुआ वितरण

मनोहराबाद (मेदक), 08 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
श्री वासुपूज्य तारक धाम के प्रतिष्ठा महोत्सव (13 से 18 जून) के उपलक्ष्य में मनोहराबाद में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। जैन रत्न रमेश पी. तातेड द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में प्रतिष्ठा महोत्सव की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया तथा सदस्यों को उनके दायित्व सौंपे गए।बैठक के दौरान परम पूज्य आचार्य देवेश श्रीमद् विजय तीर्थभद्रसूरीश्वरजी महाराज साहब, श्री तीर्थसुंदरविजयजी महाराज साहब एवं अन्य गुरु भगवंतों के मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त किए गए। उपस्थित श्रद्धालुओं ने महोत्सव को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया।

बैठक के पश्चात परम पूज्य आचार्य देवेश श्रीमद् विजय तीर्थभद्रसूरीश्वरजी महाराज साहब, पन्यास श्री तीर्थरतिविजयजी गणी, पन्यास श्री तीर्थरुचिविजयजी गणी तथा विशाल श्रमण-श्रमणीवृंद सहित लगभग 60 ठाणा का मनोहराबाद में भव्य मंगल प्रवेश हुआ।ढोल-नगाड़ों, जयघोषों और धार्मिक उत्साह के बीच हुए इस प्रवेश समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने गुरु भगवंतों का भावपूर्ण स्वागत कर अपनी धर्मभक्ति और श्रद्धा का परिचय दिया।यह प्रतिष्ठा महोत्सव सिकन्दराबाद (मरुधर में राणावास) निवासी श्रीमती चन्द्राबाई मंगलचन्द कटारिया, मीनाबाई-अशोककुमार कटारिया, पूजा-निर्मलकुमार कटारिया, दर्शिल एवं वंश कटारिया परिवार के पावन संकल्प से साकार हो रहे श्री वासुपूज्य तारक धाम में आयोजित किया जाएगा। 13 से 18 जून तक आयोजित होने वाले इस प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर जैन समाज में विशेष उत्साह का वातावरण है तथा विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने साइबरबाद नगर निगम भवन का शिलान्यास किया; 1,674.74 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की दी सौगात

हैदराबाद, 08 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आज साइबरबाद नगर निगम (सीएमसी) के नए प्रशासनिक भवन की आधारशिला रखी और इसके साथ ही क्षेत्र के लिए 1,674.74 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न महत्वाकांक्षी विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शहर के सुनियोजित विकास और जन कल्याण के लिए सरकार के रोडमैप को रेखांकित किया।

गाजुलारामाराम में बनेगा अंतरराष्ट्रीय बस टर्मिनल: मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अगले तीन महीनों के भीतर गाजुलारामाराम में 100 एकड़ की विशाल भूमि पर एक अत्याधुनिक अंतरराष्ट्रीय बस टर्मिनल का निर्माण कार्य आधिकारिक रूप से शुरू कर दिया जाएगा।

विकास पर केंद्रित 24 महीने का विजन: राजनीतिक एजेंडे से ऊपर उठकर, राज्य सरकार अगले 24 महीनों के दौरान पूरी तरह से हैदराबाद और तेलंगाना के समग्र विकास पर अपना ध्यान केंद्रित करेगी।

हैदराबाद की आर्थिक क्षमता सर्वश्रेष्ठ: देश के अन्य महानगरों से हैदराबाद की तुलना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां दिल्ली प्रदूषण से जूझ रही है, मुंबई बाढ़ का सामना करती है और बेंगलुरु, चेन्नई व कोलकाता गंभीर ट्रैफिक की समस्याओं से त्रस्त हैं, वहीं हैदराबाद में उचित योजना के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने की अनूठी क्षमता है।

एलआईजी और एमआईजी आवासों के लिए मास्टर प्लान: केवल 'ग्लोबल सिटी' के खोखले नारों के बजाय सरकार वास्तविक धरातल पर काम कर रही है। मास्टर प्लान के तहत हैदराबाद मेट्रो रेल के दूसरे चरण की शुरुआत के साथ-साथ शहर की सीमा के भीतर निम्न और मध्यम आय वर्ग (एलआईजी/एमआईजी) के परिवारों के लिए एक लाख (100,000) किफायती मकानों का निर्माण किया जाएगा।

अतिक्रमण मुक्त जमीन पर 'इन-सीटू' आवास: 'राजीव गृहकल्प' मॉडल की तर्ज पर गरीब निवासियों को उसी स्थान पर पक्के मकान दिए जाएंगे जहां वे वर्तमान में रह रहे हैं। सरकार इन घरों के निर्माण के लिए अतिक्रमित सार्वजनिक भूमि को वापस अपने नियंत्रण में लेने की सक्रिय योजना बना रही है।

शिक्षा और जनकल्याणकारी योजनाओं की सफलता: मुख्यमंत्री ने राज्य में चल रहे सार्वजनिक कल्याण कार्यक्रमों की उपलब्धियों को गिनाया, जिनमें शामिल हैं:

प्राथमिक विद्यालय से लेकर इंटरमीडिएट स्तर तक के छात्रों के लिए एक व्यापक 'छात्र नाश्ता योजना'।

वंचित और गरीब छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए 'यंग इंडिया रेजिडेंशियल स्कूल्स' और 'तेलंगाना पब्लिक स्कूल्स' की स्थापना।

राज्य की आरटीसी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा।

'इंदिरा महिला शक्ति' के माध्यम से महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण, जिसके तहत 3.5 एकड़ में 150 समर्पित स्टॉल बनाए गए हैं और महिलाओं को पेट्रोल पंपों के स्वामित्व और संचालन के अवसर दिए जा रहे हैं।

भाजपा सांसदों और केंद्रीय मंत्री पर फंड रोकने का आरोप: मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और चेवेल्ला, मेडक व मलकजगिरी का प्रतिनिधित्व करने वाले भाजपा सांसदों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि ये नेता तेलंगाना के लिए आने वाले केंद्रीय फंड को रोकने और उसमें बाधा डालने का काम कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि सिकंदराबाद के सांसद किशन रेड्डी ने प्रधानमंत्री मोदी से राज्य के विकास के लिए फंड क्यों नहीं मांगा?

मूसी नदी पुनरुद्धार परियोजना पर विवाद: मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि गुजरात में पीएम मोदी की साबरमती नदी विकास परियोजना की प्रशंसा करने वाले नेता हैदराबाद की मूसी नदी पुनरुद्धार परियोजना की राह में रोड़े अटका रहे हैं।

नई दिल्ली के दौरों पर संदेहास्पद टाइमिंग: सीएम ने सवाल उठाया कि जब भी राज्य सरकार तेलंगाना के मुद्दों और मांगों को लेकर नई दिल्ली में आधिकारिक ज्ञापन सौंपती है, तो ठीक उसी के तुरंत बाद किशन रेड्डी प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों के साथ बैक-टू-बैक बैठकें क्यों तय करते हैं?

सार्वजनिक बहस की खुली चुनौती: मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने घोषणा की कि वे केसीआर के 10 साल के शासन, मोदी के 12 साल के कार्यकाल और उनकी अपनी वर्तमान सरकार के प्रदर्शन की तुलना के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने एक खुली बहस की चुनौती दी ताकि जनता निष्पक्ष रूप से देख सके कि तेलंगाना में कौन अधिक फंड और विकास लेकर आया।

विपक्षी दलों को कड़ा रुख और चेतावनी: विपक्ष को चेतावनी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि भाजपा ने राज्य की प्रगति को रोकना जारी रखा, तो जनता उनके खिलाफ भारी मतदान करेगी। उन्होंने केसीआर और किशन रेड्डी दोनों को सलाह दी कि वे भ्रष्टाचार और राजनीतिक अहंकार के जरिए जनता को नुकसान पहुंचाने के बजाय सरकार को रचनात्मक सुझाव दें।

हनीमून, सास-ससुर और तलाक!

प्राइवेसी न मिलने से भड़की दुल्हन

मेरठ, 08 जून (एजेंसियां) अमूमन शादियों के टूटने के पीछे दहेज, आपसी अनबन या बेवफाई जैसे गंभीर कारण सामने आते हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश के मेरठ से तलाक की एक ऐसी अजीबोगरीब वजह सामने आई है जिसे सुनकर हर कोई हैरान है। यहां एक नवविवाहित जोड़े के बीच विवाद का कारण कोई तीसरा व्यक्ति नहीं, बल्कि दूल्हे का पूरा परिवार बन गया है, जो इस नए जोड़े के साथ उनके हनीमून पर चला गया था। इस प्राइवेसी के हनन से नाराज दुल्हन ने अब पति से अलग होने का मन बना लिया है।

पत्नी का आरोप है कि शादी के बाद पति उसे हनीमून पर ले गया लेकिन साथ में सास, ससुर, ननद और देवर सहित पूरा परिवार को भी साथ ले गया। इसी बात को लेकर पति-पत्नी में विवाद हो गया और मामला परिवार परामर्श केंद्र पर पहुंच गया।

नवविवाहिता का कहना था कि हनीमून पति-पत्नी के लिए निजी समय होता है। परिवार के साथ जाने के कारण उसे पति के साथ समय बिताने का मौका नहीं मिला।

वहीं, परिवार परामर्श केंद्र में मामले को सुना जा रहा है। बताया जा रहा है कि तीन बार काउंसलिंग हो चुकी है।

पति का बचाव- पूरे परिवार को खुश रखने के लिए ले गया

पति का कहना है कि वह पूरे परिवार को खुश रखने के लिए ही सबको साथ लेकर गया था। पति को लगता है कि उसने कुछ गलत नहीं किया। तीन बार काउंसलिंग होने के बाद भी दोनों में सहमति नहीं बन रही है और मामला अब तलाक तक पहुंच गया है।

सिंगापुर रिटर्न दूल्हा और ग्रेजुएट दुल्हन

बता दें बहसूमा थाना इलाके के रामराज निवासी लड़की और दिल्ली के पटेल नगर में रहने वाले लड़के का है। लड़की ग्रेजुएट है जबकि लड़के ने सिंगापुर से हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट की पढ़ाई की है। दोनों की शादी एक वेबसाइट के जरिए हुई थी।

सोमवार को भी उनकी काउंसलिंग की गई और इन्हें थोड़ा और समय दिया गया है। यदि बात नहीं बनी तो आगे की कार्रवाई की जाएगी।

निस्वार्थ सेवा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला रहा है राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद : राजेश

हैदराबाद, 08 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्न कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और मानवता के भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंद, असहाय, श्रमिक एवं निराश्रित लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने सेवा को मानव जीवन का सर्वोच्च कर्तव्य बताते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहयोग पहुंचाने के संकल्प को दोहराया।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए राजेश सर योगा ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस समर्पण, निष्ठा और सेवा भावना के साथ समाजहित के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ा रहा है, वह वास्तव में अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जब समाज में संवेदनाओं का क्षय होता दिखाई देता है, ऐसे समय में राधे-राधे ग्रुप का प्रत्येक सेवा कार्य मानवता की मिसाल प्रस्तुत कर रहा है। जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना केवल अन्नदान नहीं, बल्कि उनके प्रति सम्मान, अपनत्व और संवेदना प्रकट करने का माध्यम भी है।

उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति की सहायता तब सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है जब वह कठिन परिस्थितियों से गुजर रहा हो। राधे-राधे ग्रुप पिछले लंबे समय से बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंद लोगों तक भोजन, सहयोग और सेवा पहुंचाने का कार्य कर रहा है। यह कार्य केवल एक सामाजिक गतिविधि नहीं, बल्कि मानव सेवा को ईश्वर सेवा मानने की भावना का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि जब समाज के सक्षम लोग अपने संसाधनों और समय का कुछ भाग सेवा कार्यों के लिए समर्पित करते हैं, तब समाज में सकारात्मक परिवर्तन की मजबूत नींव तैयार होती है।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल अन्नदान तक सीमित नहीं है, बल्कि गौ सेवा, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता, धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से भी समाज के विभिन्न वर्गों के बीच सकारात्मक संदेश पहुंचा रहा है। संगठन का उद्देश्य सेवा, संस्कार और सहयोग की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है, ताकि समाज में परस्पर सहयोग और मानवीय संवेदनाओं का वातावरण सुदृढ़ हो सके।

कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने भविष्य में भी इसी प्रकार नियमित रूप से सेवा कार्य जारी रखने तथा अधिक से अधिक लोगों को इस पुनीत अभियान से जोड़ने का संकल्प लिया। जरूरतमंदों ने राधे-राधे ग्रुप के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके सेवा कार्यों की सराहना की और संस्था की निरंतर प्रगति एवं सफलता की कामना की।इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अनिल धरसुवाले, विनोद तोषणीवाल, राजू सर योग, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल, महेश गोयल एवं प्रवीण विजयवर्गीय सहित अनेक सेवाभावी कार्यकर्ता उपस्थित रहे तथा अन्न वितरण कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राधे-राधे ग्रुप से जुड़कर सेवा का अवसर मिलना राधारानी की विशेष कृपा : बबीता अग्रवाल

हैदराबाद, 08 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के समीप केबीआर पार्क क्षेत्र में नियमित अन्न सेवा कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, समर्पण और सेवा भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद, असहाय, श्रमिक, निराशित एवं राहगीर जनों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में उपस्थित सभी सदस्यों ने पूरे उत्साह के साथ सहभागिता निभाते हुए मानवता, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरणादायी संदेश दिया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए बबीता अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप से जुड़ना उनके जीवन का एक सुखद और सौभाग्यपूर्ण अनुभव है। उन्होंने कहा कि सेवा करने का अवसर हर किसी को नहीं मिलता। यह केवल ईश्वर की विशेष कृपा और राधारानी के आशीर्वाद से ही संभव हो पाता है। किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराना, किसी जरूरतमंद की सहायता करना और किसी निराश व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाना वास्तव में ईश्वर की सच्ची पूजा के समान है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में जब समाज अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब ऐसे सेवा कार्य लोगों के बीच प्रेम, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं।

राधे-राधे ग्रुप पिछले कई वर्षों से बिना किसी दिखावे के निरंतर समाज सेवा के कार्यों में लगा हुआ है। ग्रुप के सदस्य अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकालकर जरूरतमंदों की सहायता के लिए जिस समर्पण के साथ आगे आते हैं, वह वास्तव में अनुकरणीय है।

बबीता अग्रवाल ने कहा कि सेवा का वास्तविक अर्थ केवल आर्थिक सहायता देना नहीं है, बल्कि किसी के दुःख को समझना, उसकी आवश्यकता के समय उसके साथ खड़ा होना और उसे अपनत्व का अनुभव कराना भी सेवा का महत्वपूर्ण स्वरूप है। राधे-राधे ग्रुप इसी भावना के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब किसी जरूरतमंद को भोजन प्राप्त होता है और उसके चेहरे पर संतोष दिखाई देता है, तब जो आत्मिक सुख प्राप्त होता है, उसकी तुलना किसी भौतिक उपलब्धि से नहीं की जा सकती।

अन्न वितरण कार्यक्रम के दौरान सेवा कार्यों में गोपालचंदजी, भंवरलालजी, अजयजी एवं परिवार, महेश भाई एवं परिवार, सुभाष अग्रवालजी, हिंदुजाजी, संजय अग्रवालजी, मोहन दलमियाजी, उमा दलमियाजी तथा मनीष अग्रवाल सहित अनेक सेवाभावी कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी ने मिलकर जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया तथा सेवा के माध्यम से मानवता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया।

कार्यक्रम का वातावरण पूरे समय भक्ति, सेवा और समर्पण की भावना से ओतप्रोत रहा। उपस्थित सदस्यों ने राधारानी के जयकारों के साथ यह संकल्प लिया कि भविष्य में भी इसी प्रकार नियमित रूप से सेवा कार्यों का आयोजन कर अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाई जाएगी। सभी ने एक स्वर में कहा कि समाज सेवा का यह अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानवता के प्रति समर्पित एक सतत यात्रा है,

श्री अक्कन्ना मादन्ना प्रार्थना हॉल में श्रीमद्भागवत कथा का भक्तिमय समापन, अन्न प्रसादम के साथ संपन्न हुआ धार्मिक अनुष्ठान

हैदराबाद, 08 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के हरिबोवली स्थित ऐतिहासिक श्री अक्कन्ना मादन्ना प्रार्थना हॉल में चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का सोमवार को अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और भक्तिमय वातावरण के साथ सफल समापन हुआ। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ कमाया।

कथा के अंतिम दिन सोमवार को मुख्य व्यासपीठ से श्री कृष्ण के अन्य विवाह प्रसंगों, सुदामा चरित्र, राजा परीक्षित मोक्ष और व्यास पूजन की महिमा का सुंदर वर्णन किया गया। इसके उपरांत दिव्य नारायण हवन का आयोजन हुआ, जिसमें यजमानों ने आहुतियां दीं। महाआरती के बाद विशाल भंडारे का आयोजन कर श्रद्धालुओं के बीच मअन्न प्रसादमफ का वितरण किया गया।

चित्रकूट धाम से पधारे सुप्रसिद्ध कथावाचक श्री राम संजीवन शास्त्री महाराज एवं उनकी टीम द्वारा पूरे सप्ताह ज्ञानमयी कथा, सारगर्भित प्रवचन और सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी गई। शास्त्री जी के भजनों पर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे। इससे पूर्व, शनिवार की शाम को कथा के अंतर्गत श्री कृष्ण-रुक्मिणी विवाह का प्रसंग अत्यंत धूमधाम और भव्यता के साथ जीवंत रूप में प्रदर्शित किया गया था।

इस पावन अवसर पर आयोजित श्री लक्ष्मी नारायण यज्ञ को मुख्य यजमान जगमोहन-सरिता कपूर, एस.पी. क्रांति कुमार, एस. शैलजा, आर. किरण कुमार और अधिवक्ता ऊषा शर्मा द्वारा संपन्न किया गया। मंदिर के मुख्य पुजारी भागवत प्रसाद ने इस पूरे धार्मिक अनुष्ठान को वैदिक मंत्रोचार के साथ पूर्ण कराया और विशेष पूजा-अर्चना की।

आयोजन को भव्य और सुचारू बनाने में श्री अक्कन्ना मादन्ना मंदिर समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सराहनीय योगदान दिया। मंदिर समिति के अध्यक्ष डी.आर. प्रभाकर, सचिव के. दत्तात्रेय, कोषाध्यक्ष ए. सतीश मुदिराज सहित समिति के प्रतिनिधि एम. कृष्णा, एम. विनोद, ए. गोपाल, एम. विजय कुमार, जी. राजू, जोगिंदर सिंह, आर. अशोक रेड्डी, रविंदर चारी, चेतन सूरी, साईकिरण पवार, विशाल, साहिल व अन्य सेवादारों ने पूरी मुस्तैदी से व्यवस्थाओं की देखरेख की।

राज्यसभा उम्मीदवार के रूप में साना सतीश ने नामांकन पत्र दाखिल किया

अमरावती, 08 जून। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) की ओर से राज्यसभा सांसद पद के उम्मीदवार साना सतीश ने सोमवार को अमरावती स्थित विधानसभा भवन में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। उन्होंने चुनाव की रिटर्निंग अधिकारी आर. वनिता रानी को नामांकन पत्र सौंपे।

नामांकन प्रक्रिया के दौरान गठबंधन दलों के कई नेताओं ने उपस्थित होकर प्रस्तावकों के रूप में हस्ताक्षर किए। उल्लेखनीय है कि राज्यसभा उम्मीदवार के रूप में साना सतीश ने दो सेटों में नामांकन पत्र प्रस्तुत किए।

प्रस्तावकों के रूप में मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) एवं विधायक जीवी आंजनेयुलु, विधायक कन्ना लक्ष्मीनारायण, पंतम वेंकटेश्वर राव (नानाजी) तथा तंगिराला सौम्या ने हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर सहायक रिटर्निंग अधिकारी एम. अखिल कुमार और पी. विजय कुमारी भी उपस्थित रहे। इसके अलावा गठबंधन दलों के नेता ज्योतुला वेंकट अप्पाराव (नेहरू), वनमाड़ी वेंकटेश्वर राव (कोंडाबाबू), वरुपुला सत्यप्रभा तथा बंडारू सत्यानंद राव ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम में 20 सूत्रीय कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष लंका दिनकर सहित अन्य नेता भी उपस्थित रहे।

राज्यसभा चुनाव के लिए साना सतीश के नामांकन दाखिल करने के साथ ही राजनीतिक गतिविधियों में तेजी देखने को मिल रही है तथा गठबंधन दलों के नेताओं ने उनकी उम्मीदवारी के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.